MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 25 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-55

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हादसे ने खोली 'मौत की बसों' की पोल

डबल डेकर ताबूत!

लखनऊ/हैदराबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार डबल डेकर बस के पलटने से पांच यात्रियों की मौत और 66 लोगों के घायल होने की घटना ने लंबी दूरी की निजी बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गौरतलब है कि हैदराबाद से संचालित बेंगलूरु, चेन्नई, तिरुपति और आंध्र के कई शहरों के लिए चलने वाली आरामदायक बसें दुर्घटनाओं का शिकार होती रही हैं। राज्य सरकार को इन बसों के संचालन पर कड़ी निगरानी चाहिए ताकि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे यहां ना हो।

पंजाब के लुधियाना से बिहार के दरभंगा जा रही हरियाणा नंबर की यह बस बाराबंकी-लखनऊ सीमा के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि बस के शीशे और पुर्जे करीब 100 मीटर तक बिखर गए, कई यात्री खिड़कियों से बाहर जा गिरे और स्लीपर सीटों से शव लटके मिले।

मृतकों में तीन बच्चे और दो पुरुष शामिल हैं। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस की रफ्तार करीब 100 किमी प्रति घंटा थी और वह सांप की तरह लहरा रही थी। एक चश्मदीद ने बताया कि बस पहले भी दो बार झटके खाकर संभली, लेकिन तीसरी बार नियंत्रण पूरी तरह खो बैठी। हादसे के बाद यात्रियों ने जूतों से शीशे तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश की।

हादसे के बाद जब बस को क्रेन से सीधा कर जांच की गई तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आरटीओ अधिकारियों की प्रारंभिक पड़ताल में पाया गया कि बस के मूल डिजाइन से छेड़छाड़ की गई थी। रिकॉर्ड के अनुसार बस में 16 स्लीपर और 32 सिटिंग सीटों की अनुमति थी, लेकिन अंदर 43 स्लीपर सीटें बनाई गई थीं और सिटिंग सीटें घटाकर केवल नौ रह गई थीं। यानी क्षमता बढ़ाने के लिए संरचनात्मक बदलाव किए गए।

बस की छत पर अतिरिक्त लोहे का ढांचा जोड़ा गया था और लंबाई-चौड़ाई में भी बदलाव के संकेत मिले। सबसे गंभीर तथ्य यह रहा कि इमरजेंसी गेट के सामने भी सीट लगा दी गई थी, जिससे आपातकालीन निकास पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। परिवहन विभाग ने माना है कि डिजाइन मानकों का उल्लंघन हुआ है और विस्तृत जांच जारी है।

67 चालान लंबित, फिर भी 1360 किमी का सफर

परिवहन रिकॉर्ड के अनुसार इस बस के 67 चालान लंबित थे, जिनका भुगतान नहीं किया गया था। इसके बावजूद बस पंजाब से बिहार तक करीब 1360 किलोमीटर की दूरी तय करती रही। रास्ते में 50 से अधिक आरटीओ और एआरटीओ क्षेत्रों से गुजरने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे निगरानी तंत्र पर प्रश्नचिह्न लग गया है।

नियमों के मुताबिक लंबी दूरी की बसों में दो ड्राइवर होने चाहिए, ताकि थकान से बचा जा सके। लेकिन इस बस में केवल एक ही चालक था। मानक यह भी कहते हैं कि 4.5 घंटे की ड्राइविंग के बाद कम से कम 45 मिनट का ब्रेक और 14 घंटे की ड्यूटी में तीन घंटे का आराम अनिवार्य है। प्राथमिक जानकारी से संकेत मिलता है कि इन नियमों का पालन नहीं किया गया। दुर्घटना में अपने दो बच्चों को खो चुकी बिहार निवासी सुलेखा की तहरीर पर चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। यह पहला मामला नहीं है। देशभर में डबल डेकर और स्लीपर बसों में नियमों की अनदेखी आम बात बनती जा रही है। एक मीडिया रियलिटी चेक के दौरान लखनऊ, कानपुर, आगरा, प्रयागराज और जयपुर में कई गंभीर खामियां सामने आईं। लखनऊ में ट्रांसपोर्ट नगर की पार्किंग में कई बसों की छत पर अतिरिक्त लोहे के एंगल और कंटेनरनुमा ढांचे लगाए गए थे। इमरजेंसी एग्जिट विंडो के सामने सीटें लगा दी गई थीं, खिड़कियां लॉक थीं और आपातकालीन हैमर तक उपलब्ध नहीं था। ▶10पर

अब वार्ड विभाजन पर उठी उँगली

3 सप्ताह में जवाब न देने पर 5,000 जुर्माना होगा

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा के भीतर वार्डों के पुन: विभाजन की प्रक्रिया के संबंध में राज्य सरकार और निगम को तीन सप्ताह के भीतर अपना जवाबी हलफनामा (काउंटर) दाखिल करने का कड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि वे जवाब दाखिल करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी) में 5,000 का जुर्माना जमा करना होगा।

1996 में जारी जी.ओ. एमएस नंबर 570 (जी.ओ. नं.570) के अनुसार वार्ड पुन: विभाजन में हो रही देरी को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया गया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने सरकार और जीएचएमसी को अपने काउंटर जमा करने का अंतिम अवसर प्रदान किया। पीठ ने यह साफ कर दिया कि यदि निर्धारित तीन सप्ताह में जवाब नहीं आता है, तो संबंधित अधिकारियों को हर्जाने के रूप में 5,000 की राशि जमा करनी होगी।

1996 के शासनादेश के कार्यान्वयन में देरी को चुनौती

यह याचिका हैदराबाद निवासी सैयद सलीम और एक अन्य व्यक्ति द्वारा दायर की गई थी, जिसमें 1996 के जी.ओ. 570 के अनुसार वार्डों का पुन: विभाजन करने में अधिकारियों की विफलता पर सवाल उठाए गए थे। सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार और जीएचएमसी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने ▶10पर

हाइड्रा को बाड़ हटाने का निर्देश

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए हाइड्रा को सेरिलिंगमपल्ली मंडल के खानमेट स्थित मोंडीकुंटा झील के फुल टैंक लेवल पर लगाई गई बाड़ को हटाने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति एन.वी. श्रवण कुमार ने एक स्थानीय किसान जी. महिपाल यादव द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया।

याचिकाकर्ता ने अदालत में सिंचाई विभाग और हाइड्रा के अधिकारियों की कार्रवाई पर सवाल उठाए। याचिका में आरोप लगाया गया कि अधिकारियों ने बिना कोई नोटिस दिए या सिंचाई विभाग द्वारा जारी संशोधित एफटीएल मानचित्र पर विचार किए जमीन पर बने उनके शेड को ध्वस्त कर दिया।

▶10पर

लोगों को बेघर कर गांधी सरोवर नहीं चाहिए : तुषार

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने मूसी रिवरफ्रंट विकास परियोजना के तहत तेलंगाना सरकार द्वारा प्रस्तावित गांधी सरोवर प्रोजेक्ट पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से लोगों के विस्थापन को देखते हुए इस परियोजना पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

तुषार गांधी ने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री से भावुक अपील करते हुए लिखा कि यदि आज बापू जीवित होते, तो वे निश्चित रूप से कहते मेरे नाम पर नहीं, इसे अभी रोकें!

मूसी और ईसा नदियों के संगम पर दुनिया की सबसे ऊंची गांधी प्रतिमा स्थापित करने की योजना पर सीधे टिप्पणी न करते हुए, श्री तुषार गांधी ने मुख्य रूप से उस मानवीय पहलू पर ध्यान केंद्रित किया जो इस परियोजना के कारण प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विकास कार्य के लिए आम जनता और गरीबों को उनके घरों से विस्थापित करना गांधीवादी विचारधारा के विपरीत है।गांधी सरोवर परियोजना मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके तहत बड़े पैमाने पर सौंदर्यीकरण और बुनियादी ढांचे का निर्माण होना है। ▶10पर

शीर्ष नक्सलियों ने घुटने टेके

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) को एक बड़ा झटका देते हुए, मंगलवार को संगठन के चार वरिष्ठ नेताओं ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के सदस्य शामिल हैं, जो दशकों से सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से दूर भूमिगत रहकर गतिविधियों का संचालन कर रहे थे।

मुख्यधारा में शामिल होने वाले नेताओं में तिपिरि तिरुपति उर्फ देवुजी (केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो सदस्य), मल्ला राजी रेड्डी उर्फ संग्राम , बड़े चोक्का राव उर्फ दामोदर उर्फ जगन (राज्य समिति सदस्य) और नुने नरसिम्हा रेड्डी उर्फ गंगन्ना (राज्य समिति सदस्य) शामिल हैं। इन माओवादी नेताओं का आत्मसमर्पण इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये लंबे समय से संगठन की रीढ़ बने हुए थे। देवुजी पिछले 44 वर्षों से, राजी रेड्डी 46 वर्षों से, दामोदर 28 वर्षों से और नरसिम्हा रेड्डी 36 वर्षों से भूमिगत थे। डीजीपी रेड्डी ने बताया कि इन वरिष्ठ नेताओं का आत्मसमर्पण भाकपा (माओवादी) के नेतृत्व, समितियों और विभिन्न संरचनाओं के भीतर बढ़ते वैचारिक मतभेदों और आंतरिक संघर्षों को दर्शाता है।

तेलंगाना पुलिस की रणनीति से प्रभावित होकर 544 कैडरों ने छोड़ा हथियार

तेलंगाना पुलिस की व्यापक और समग्र रणनीति से प्रेरित होकर वर्ष 2025 और 2026 में अब तक कुल 544 भूमिगत कैडरों ने सशस्त्र संघर्ष त्याग कर शांतिपूर्ण जीवन अपनाया है। इसमें 4 केंद्रीय समिति सदस्य, 15 राज्य समिति सदस्य, 25 संभागीय समिति सचिव (डीवीसीएस), 63 क्षेत्रीय समिति सदस्य (एसीएम) और 437 पार्टी सदस्य शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह माओवाद के खिलाफ चल रहे अभियान में एक बड़ी जीत है।

पतन की ओर माओवादी संगठन

डीजीपी ने कहा कि निरंतर सुरक्षा अभियानों, रसद नेटवर्क के टूटने और सिमटते समर्थन आधार के कारण माओवादी संगठनात्मक ढांचा अब ढहने के कगार पर है। आंतरिक कलह, नेतृत्व में बिखराव और अविश्वास ने कैडरों के भीतर वैचारिक असंतोष को गहरा कर दिया है। वर्तमान में स्थिति यह है कि केंद्रीय समिति में अब केवल एक ही सक्रिय सदस्य बचा है। इन परिस्थितियों ने वरिष्ठ नेताओं को मुख्यधारा में लौटने और संवैधानिक दायरे में रहकर समाज सेवा करने के लिए मजबूर किया है।

देश भर में वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे गहन अभियानों के बीच, नक्सलवाद के खिलाफ तेलंगाना की चार दशक पुरानी लड़ाई एक नए मोड़ पर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले 40 वर्षों में तेलंगाना में समर्पण करने वाले कैडरों की संख्या, गिरफ्तारियों या मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की तुलना में कहीं अधिक रही है।आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 40 वर्षों में भाकपा (माओवादी) सहित विभिन्न वामपंथी उग्रवादी संगठनों के लगभग 14,800 कैडरों ने तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया है। इसी अवधि के दौरान, सुरक्षा एजेंसियों ने लगभग 5,800 माओवादियों को गिरफ्तार किया, जबकि राज्य भर में मुठभेड़ों में लगभग 1,500 मारे गए। यह स्पष्ट करता है कि विद्रोह से बाहर निकलने के लिए आत्मसमर्पण सबसे प्रमुख रास्ता रहा है।

पुनर्वास के लिए भारी-भरकम प्रोत्साहन राशि

राज्य सरकार उग्रवाद छोड़ने वालों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आकर्षक पुनर्वास पैकेज दे रही है। वर्तमान नीति के अनुसार, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने वाले केंद्रीय समिति के सदस्य (सीसीएम) को 25 लाख रुपये और ▶10पर

कोठी एटीएम डकैती मामले में दो गिरफ्तार

कैब ड्राइवर त्यागी मास्टरमाइंड

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद सिटी पुलिस ने कोठी स्थित एसबीआई एटीएम के पास हुई सशस्त्र डकैती के मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पिछले महीने हुई इस सनसनीखेज वारदात में लुटेरों ने एक व्यक्ति को गोली मारकर 6 लाख लूट लिए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध हथियार और नकदी बरामद की है।

डीसीपी (टास्क फोर्स) गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी फुरकान अहमद (36) और शाहीन नगर, बालापुर में रह रहे कैब ड्राइवर मोहम्मद तैयब त्यागी (30) के रूप में हुई है। इस गिरोह के पांच अन्य सदस्यफहीम अहमद, नौशाद, आबिद, दानिश त्यागी और मोहम्मद मतलूब (सभी उत्तर प्रदेश निवासी)फिलहाल फरार हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य साजिशकर्ता तैयब त्यागी फरवरी 2024 से हैदराबाद में ओला और उबर ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। सुबह की राइड्स के दौरान उसने गौर किया कि आबिड्स, कोठी और नामपल्ली क्षेत्रों में कई लोग एटीएम मशीनों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा करते हैं। आर्थिक तंगी और आपराधिक पृष्ठभूमि होने के कारण उसने अपने उत्तर प्रदेश स्थित रिश्तेदारों और साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई।

31 जनवरी की तड़के, तैयब और आबिद ने नामपल्ली रेलवे स्टेशन के पास रेकी की, जबकि फुरकान और फहीम देसी कट्टे के साथ कोठी स्थित एसबीआई एटीएम के भीतर घात लगाकर बैठ गए। जैसे ही पीड़ित व्यक्ति नकदी जमा करने पहुंचा, आरोपियों ने बंदूक की नोक पर उसे धमकाया। छीना-झपटी के दौरान आरोपियों ने फायरिंग की, जिसमें एक गोली पीड़ित के पैर में लगी। अपराधी 6 लाख से भरा बैग और पीड़ित का दुपहिया वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस की छह विशेष टीमों ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को फुरकान और तैयब ▶10पर

अब बिकेगा उस्मान नगर

वादे पूरे करने के लिए भूमि निलामी से जुटाएंगे 5,000 करोड़

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पश्चिमी गलियारे के प्रमुख क्षेत्रों में भूमि बिक्री से रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त करने के बाद, तेलंगाना सरकार ने अब हैदराबाद के बाहरी इलाके में अगले ग्रोथ हॉटस्पॉट पर ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने तेल्लापुर के पास स्थित उस्मान नगर में उच्च मूल्य वाले भूखंडों की नीलामी करने का निर्णय लिया है। रायदुर्ग, कोकापेट, गोपनपल्ली, गच्चीबोवली और बुदवेल जैसे पॉश इलाकों के बाद, अब उस्मान नगर में लगभग 48 एकड़ सरकारी भूमि नीलामी के लिए तैयार है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने रैतु भरोसा जैसी कल्याणकारी प्रतिबद्धताओं और अन्य सार्वजनिक खर्चों के लिए 4,000 करोड़ से 5,000 करोड़ जुटाने के उद्देश्य से तीन महीने के अंतराल के बाद भूमि नीलामी फिर से शुरू की है। उस्मान नगर के इन भूखंडों की नीलामी 10, 13 और 16 मार्च को की जाएगी। इसके लिए न्यूनतम मूल्य 39 करोड़ प्रति एकड़ तय किया गया है। अधिकारियों का अनुमान है कि इस बिक्री से सरकार को 3,000 करोड़ से 3,500 करोड़ के बीच राजस्व प्राप्त हो सकता है।

तेलंगाना औद्योगिक बुनियादी ढांचा निगम (टीआईआईसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, यह पहली बार है जब उस्मान नगर की जमीन नीलामी के लिए रखी गई है। इससे पहले रायदुर्ग में सरकार ने एक एकड़ जमीन 177 करोड़ की भारी-भरकम कीमत पर बेची थी, जबकि कोकापेट के नियोपोलिस में यह 152 करोड़ थी। उस्मान नगर में जमीन की कीमतें फिलहाल 40 करोड़ से 50 करोड़ प्रति एकड़ के आसपास रहने की उम्मीद है।

नीलामी में 4 से 10 एकड़ के सात बड़े भूखंड पेश किए जाएंगे। अधिकारियों ने नोट किया कि राजपुष्पा जैसे कई बड़े डेवलपर्स पहले ही उस्मान नगर-तेल्लापुर बेल्ट में आवासीय परियोजनाएं ▶10पर

अमेरिका के साथ अंतरिम समझौता को तैयार ईरान, तीन मुद्दों के साथ खींची रेड लाइन

तेहरान

ट्रंप बार-बार खामेनेई को बुरे अंजाम की धमकी दे रहे हैं। इस बीच परमाणु बातचीत भी चल रही है। अमेरिका अपनी सारी शर्तें मनावाने के लिए ईरान पर प्रेशर बना रहा है लेकिन ईरान ने अमेरिका को जवाब देने रेड लाइन खींच दी है। हालांकि, खामेनेई का देश तीन मुद्दों पर झुकने के लिए तैयार हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अपने उस न्यूक्लियर पावर बनने के ख्वाब को दांव पर लगा दिया है, जिसे वह अपनी संप्रभुता का प्रतीक मानता था।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने खुलासा किया है कि वे अमेरिका के साथ अंतरिम समझौता करने के लिए तैयार हैं। इसके लिए उन्होंने तीन प्रमुख प्रस्ताव बातचीत की मेज पर रखे हैं जिनमें यूरेनियम एक्सपोर्ट, ईरान अब तक अपने एनरिच्ड यूरेनियम को देश से बाहर भेजने के खिलाफ था लेकिन अब वो अपने भंडार का एक हिस्सा निर्यात करने पर विचार कर रहा है ताकि अमेरिका के साथ समझौते पर पहुंच सके।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने संकेत दिए हैं कि वह अपने पास मौजूद 60फीसदी तक विकसित यूरेनियम, जो हथियार बनाने के बेहद करीब है, उसकी शुद्धता को कम कर सकता है। यह कदम इजराइल की चिंता को दूर करने के लिए है कि ईरान कभी भी न्यूक्लियर बम बना सकता है। वहीं ईरान ने एक क्षेत्रीय कंसोर्टियम यानी एक तरह का समूह बनाने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें अन्य देश भी शामिल होंगे। इसका मतलब है कि ईरान अकेले यूरेनियम विकसित नहीं करेगा, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी और साझेदारी के तहत ये काम करेगा। ईरान ने एक रेड लाइन भी खींची है। उसने कहा है कि वह अपने तेल और खनिज संसाधनों का कंट्रोल किसी को नहीं देगा, हालांकि अमेरिकी कंपनियां वहां ठेकेदार के तौर पर काम कर सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि वह लिमिटेड मिलिट्री स्ट्राइक्स यानी सीमित सैन्य हमलों पर विचार कर रहे हैं। वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम का पूरी तरह खात्मा चाहते हैं, न कि सिर्फ उस पर पाबंदी। इजराइल के पीएम नेतन्याहू को ईरान के किसी भी वादे पर भरोसा नहीं है। उनका मानना है कि ईरान सिर्फ वक्त खरीदने के लिए ये रियायतें दे रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जेलेंस्की को उम्मीद ट्रंप लड़ाई में यूक्रेन का साथ देंगे

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील की कि अमेरिका उनके साथ रहे। जेलेंस्की ने रूस के यूक्रेन पर हमले की चौथी बरसी से एक दिन पहले कीव में प्रेसिडेंशियल पैलेस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप मंगलवार को अपने स्टेट आफ द यूनियन भाषण में रूस खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन का साथ देने की घोषणा करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने कहा, ट्रंप को यूक्रेन के साथ रहना होगा। यूक्रेन रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ लड़ रहा है। पुतिन एक जंग हैं। अमेरिका बहुत ताकतवर है। वह सच में पुतिन को रोक सकता है। हम लड़ाई से थक चुके हैं।पुतिन की मांगों को मानना कोई विकल्प नहीं है। हम पुतिन को वह सब नहीं दे सकते जो वह चाहते हैं। युद्ध के पांचवें साल में पहुंचने के साथ यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच तितरफा शांति बातचीत में अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। जेलेंस्की ने कहा कि अगर भविष्य में रूस ने यूक्रेन पर फिर हमला किया तो यूक्रेन के सहयोगी कैसे प्रतिक्रिया देंगे, अभी भी यह साफ नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे साफ जवाब चाहिए। यूक्रेन अभी की अग्रिम मोर्चे पर लड़ाई रोकने को तैयार है। लेकिन यूक्रेनी सेना अपने नियंत्रण वाले पूर्वी डोनेट्स्क इलाके के उन इलाकों से पीछे नहीं हटेगी। रूस की मांग है कि यूक्रेन उस इलाके का लगभग 20 फीसद हिस्सा छोड़ दे। रूस चाहता है कि हम अपनी सेना वापस बुला लें। हम बच्चे नहीं हैं। हम इतने सालों से इस युद्ध से गुजरे हैं। हम उन्हें देश प्लेट में परोसकर नहीं दे सकते।

इमरान खान को आंखों के इलाज के लिए अदियाला जेल से इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज लाया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान को आंखों के इलाज के लिए मंगलवार को सुबह होने से पहले राजधानी के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) लाया गया। पिम्स अस्पताल में उनकी प्रभावित आंख की नजर वापस लाने में मदद के लिए दूसरा इंजेक्शन दिया गया। इमरान खान को इससे पहले 24 और 25 जनवरी को भी यहां लाया गया था। उन्हें एक बार फिर खराब आंख के इलाज के लिए अदियाला जेल से दूसरी बार कड़ी सुरक्षा के बीच पिम्स अस्पताल में शिफ्ट किया गया। डाक्टरों ने उनकी आंखों की देखभाल के लिए तीन इंजेक्शन लिखे थे। इसमें से दूसरा इंजेक्शन लगवाने के लिए उन्हें पिम्स लाया गया। करीब एक घंटे अस्पताल में रहने के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। पिम्स में उनके दिल की स्थिति भी चेक की गई। उन्हें तीसरा इंजेक्शन 23 मार्च को लगेगा। पिम्स ने बयान में कहा कि खान के दो टेस्ट किए गए। दोनों टेस्ट में कार्डियक फंक्शन नार्मल दिखा। इमरान की सेहत सरकार और विपक्ष के बीच झगड़े का मुद्दा बन गई है। इमरान की सेहत की रिपोर्ट उनके वकील और उच्चतम न्यायालय के एमिकस क्यूरी बैरिस्टर सलमान सफदर ने न्यायालय को सौंपी थी। रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान की आंखों में गंभीर बीमारी है। इस बीमारी को सेंट्रल रेटिनल वेन आक्लूजन कहते हैं।

प्रदूषण और पर्यावरण का खतरा सबसे एकांत इलाके में.....शोधकर्ता शुरुआती चेतावनी मान रहे

लंदन । दुनिया के सबसे एकांत और दुर्गम क्षेत्रों में से एक अंटार्कटिका से चिंताजनक खबर सामने आई है।

यूनिवर्सिटी आफ केंटकी के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने पाया कि अंटार्कटिका का एकमात्र मूल निवासी कीट, बेल्जिका अंटार्कटिका, अब माइक्रोप्लास्टिक्स का सेवन कर रहा है। यह पहला शोध है जो जंगली कीटों में प्लास्टिक कणों की पुष्टि करता है। इस परियोजना की शुरुआत 2020 में पीएचडी छात्र ने की थी। उन्होंने यह जानने की कोशिश की कि क्या अंटार्कटिका जैसी दुर्लभ जगहें भी प्लास्टिक प्रदूषण से सुरक्षित हैं। बेल्जिका अंटार्कटिका एक बिना काटने वाली छोटी मिज है, जो चावल के दाने के आकार की होती है। यह पृथ्वी पर सबसे दक्षिणी कीट है और अंटार्कटिका की एकमात्र मूल निवासी प्रजाति है। इसके लार्वा काई और शैवाल की नम परतों में रहते हैं और मृत पौधों को खाकर वहां की मिट्टी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखते हैं। शोधकर्ता के अनुसार, ये कीट पाली-एक्सट्रीमफाइल्स हैं और अत्यधिक ठंड, निर्जलीकरण, उच्च लवणता और यूवी विकिरण सहन कर सकते हैं।

बालेन ने आरएसपी के चुनाव घोषणा पत्र से नेपाल चीन मैत्री औद्योगिक पार्क के मुद्दे को हटाया

काठमांडू

झापा के दमक में चीन के अरबों रुपए के निवेश से बन रहे नेपाल-चीन मैत्री औद्योगिक पार्क के मुद्दे को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेंद्र (बालेन) शाह ने सोमवार को जारी अपने चुनावी घोषणा पत्र से इसे हटा दिया। शाह झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को चुनौती दे रहे हैं। यह परियोजना चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा शुरू की गई बहु-महाद्वीपीय आधारभूत संरचना योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा है। फरवरी 2021 में ओली ने झापा जिले में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।

यह मेगा परियोजना झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में आती है। यह ओली का अपना क्षेत्र है। शाह के यहां से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद यह क्षेत्र नेपाल के भीतर और बाहर दोनों जगह चर्चा का केंद्र बन गया है। पांच मार्च को होने वाले चुनाव से पहले दोनों नेताओं ने अपने-अपने चुनावी एजेंडे सार्वजनिक कर दिए हैं। ओली ने पिछले मंगलवार जारी अपने 41 सूत्रीय प्रतिबद्धता पत्र में औद्योगिक पार्क के निर्माण और उसे पूरा कराने की प्रतिबद्धता दोहराई है। वहीं शाह ने इसे अपने घोषणा-पत्र में शामिल नहीं किया है। शाह के सहयोगी कुमार व्यंजनकार ने संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, हम परियोजना और उससे जुड़े विवादों से अवगत हैं, इसलिए हमने इसे शामिल नहीं करने का निर्णय लिया। चार दिसंबर 2024 में ओली की चीन यात्रा के दौरान नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड कापरेटिव फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें नेपाल-चीन मैत्री औद्योगिक पार्क समेत 10 परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया गया।

परियोजना को घोषणा-पत्र से हटाए जाने के बाद औद्योगिक पार्क परियोजना समिति के अध्यक्ष गोविंद थापा ने सोमवार को फेसबुक पर लंबी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी का कारण नेपाल के भीतर की समस्या नहीं, बल्कि विदेशी बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह औद्योगिक पार्क आम जनता के लिए वस्तुओं के उत्पादन हेतु बनाया जा रहा है, न कि हथियार या मिसाइल बनाने के लिए, और इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने आरएसपी और बालेन शाह पर विदेशी निवेश का विरोध करने का आरोप भी लगाया।

यह परियोजना नेपाल-भारत सीमा के निकट स्थित है, विशेषकर संवेदनशील सिलीगुड़ी कारिडोर (जिसे चिकन नेक भी कहा जाता है) के पास। यह संकरा भूभाग पूर्वोत्तर भारत को शेष भारत से जोड़ता है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस स्थान को लेकर भारत सहित बाहरी चिंताएं मौजूद हैं।

कई विशेषज्ञ और विदेश राजनीतिक मामलों के जानकार चीन द्वारा भारतीय सीमा क्षेत्र के पास बनाए जा रहे इस औद्योगिक पार्क को लेकर भारत की संवेदनशीलता और सुरक्षा को ध्यान में रखने का लगातार सुझाव देते रहे हैं। नेपाल में भी राजनीतिक मामलों के जानकार और पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा के विदेश मामलों के सलाहकार रह चुके अरुण सुवेदी ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को लेकर सतर्क है और नेपाल को अपनी संप्रभुता से समझौता किए बिना पड़ोसी देशों की सुरक्षा संवेदनशीलता का भी ध्यान रखना चाहिए।

परियोजना का विकास ल्हासा आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी विकास क्षेत्र जिंगपिंग संयुक्त निर्माण कंपनी द्वारा किया जा रहा है। निवेश बोर्ड नेपाल (आईबीएन) की 47वीं बैठक में इस परियोजना के लिए 64 अरब रुपये के चीनी निवेश को मंजूरी दी गई थी। प्रस्तावित औद्योगिक पार्क दमक के रतुवा और मावा नदियों के बीच लगभग 2,200 बीघा (लगभग 1,489.98 हेक्टेयर) क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल के तहत विकसित की जाएगी। अब तक 26 चीनी कंपनियां पार्क में संचालन शुरू करने की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं, जबकि 98 अन्य कंपनियों का प्रस्ताव विभिन्न चरणों में विचाराधीन हैं।

काठमांडू के नेवार समुदाय ने रंगों के त्योहार होली की औपचारिक शुरुआत की

काठमांडू

राजधानी काठमांडू के मूल निवासी कहे जाने वाले नेवार समुदाय के लोगों ने रंगों के त्योहार होली की औपचारिक शुरुआत कर दी। काठमांडू के वसंतपुर में होली का चीर खड़ा किया गया है। मंगलवार सुबह रंग-बिरंगे कपड़ों और ध्वजापताकाओं से सुसज्जित तीन खंडों वाला चीर स्थापित किया गया। इसके साथ ही काठमांडू और आसपास के इलाकों में रहने वाले नेवार समुदाय में होली का शुभारंभ हो गया।

हनुमानढोका दरबार के दक्षिणी पटांगिनी, ऐतिहासिक मोहनकाजी चौक तथा दाखचौक में 32 फुट ऊंचा, गजुर (शिखर) जैसा दिखाई देने वाला रंगीन तीन-खंडीय होली चीर खड़ा किया गया। चीर स्थापना के बाद गुर्जु की पलटन द्वारा हर्षध्वनि की गई। चीर खड़ा किए जाने के साथ ही राजधानी काठमांडू सहित पूरे देश में रहने वाले नेवार समुदाय में औपचारिक रूप से होली की शुरुआत मानी जाती है। नेपाल पंचांग निर्णायक समिति ने चीर स्थापना के लिए शुभ दिन होने का निर्णय लिया था, जिसके अनुसार यह अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। होली पर्व के शुभारंभ की घोषणा के रूप में वसंतपुर में चीर खड़ा करने की परंपरा रही है। पौराणिक काल से प्रारंभ इस पर्व का विशेष महत्व है। होली को वसंत ऋतु के आगमन की खुशी में रंगों के साथ मनाए जाने वाले उत्सव के रूप में देखा जाता है।

फागुन पूर्णिमा के दिन तक नेवार समुदाय में होली खेलने की परंपरा है। नेपाल के मिथिला क्षेत्र में सोमवार से ही होली पर्व की औपचारिक शुरुआत हुई जब मध्य परिक्रमा यात्रा के कंचनवन पहुंचने पर वहां रंग और अबीर के साथ होली खेली गई।

इक्वाडोर में सात लोगों की गोली मारकर हत्या

क्विटो (इक्वाडोर)। दक्षिण अमेरिका के इक्वाडोर के एक गांव में सैन्य वर्दी धारी हथियारबंद लोगों ने कम से कम सात लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को पश्चिमी इक्वाडोर के एक गांव में हुई। यह ड्रग्स से जुड़ी हिंसा की नई घटना है। द वाशिंगटन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इक्वाडोर ड्रग हिंसा से जूझ रहा है। इक्वाडोर में ऐसे हमले अकसर होते रहते हैं। यह हत्यागांड मनाबी गांव में हुआ। राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने ड्रग विरोधी अभियानों की कमान सेना को सौंपी है। बावजूद इसके हिंसा नहीं थम सकी है। पुलिस ने कहा कि सोमवार का हमला तड़के हुआ और सात लोग गोली लगने से मर गए। मृतकों में 16 साल का एक लड़का भी है। बताया गया है कि इक्वाडोर कोकीन तस्करी का एक बड़ा हब बन गया है। उल्लेखनीय है कि इक्वाडोर की राजधानी क्विटो दक्षिण अमेरिका में एंडीज पर्वत श्रृंखला के बीच 2,850 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। क्विटो अपने संरक्षित ऐतिहासिक पुराने शहर के लिए प्रसिद्ध है। इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

मिथिला मध्य परिक्रमा का आठ दिन पूरा, नौवें दिन धनुषा प्रस्थान

काठमांडू

मिथिला मध्यपरिक्रमा के यात्रियों ने महोत्तरी जिले की यात्रा पूरी कर ली है। जिले के कञ्चनवन में आठवें दिन सोमवार को रात्रि विश्राम करने के बाद यात्री को नौवें दिन धनुषा की ओर प्रस्थान कर गए। कञ्चनवन इस यात्रा में होली महोत्सव के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। कञ्चनवन इस परिक्रमा का आठवां रात्रि विश्राम स्थल है तथा महोत्तरी जिले का पांचवां पड़ाव। इससे पहले चौथे दिन महोत्तरी में प्रवेश करने वाले यात्रियों ने मटिहानी, जलेश्वर, मडै और ध्रुवकुण्ड में रात्रि विश्राम किया ।

जनकपुरधाम को केंद्र मानकर कुल 133 किलोमीटर के वृत्त में आयोजित होने वाली 15 दिवसीय इस परिक्रमा में धनुषा जिले में छह तथा भारत के मधुबनी जिले में चार रात्रि विश्राम की परंपरा है।

फागुन अमावस्या के दिन धनुषा जिले की मिथिलाविहारी नगरपालिका के ठेराकचुरी स्थित मिथिलाविहारी मंदिर से प्रारंभ हुई यह यात्रा मिथिलाविहारी (श्रीराम) और किशोरीजी (सीताजी) की प्रतिमाओं को डोला (डोली) में साथ लेकर नंगे पांव की जाती है।

कञ्चनवन से धनुषा के लिए रवाना हुए यात्री पर्वता में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 10वें दिन धनुषाधाम, 11वें दिन सतोखरधाम, 12वें दिन औरही तथा अंतिम 15वें दिन का रात्रि विश्राम जनकपुरधाम के रंगशाला मैदान में होगा। इससे पहले प्रथम दिन यात्रियों ने धनुषा के हनुमानगढ़ी में रात्रि विश्राम किया था।

इस यात्रा के दौरान भारत के मधुबनी जिले में कल्याणेश्वर (कलना), गिरिजास्थान (फुलहर), करुणा और बिसौल क्रमश: दूसरे, तीसरे, 13वें और 14वें दिन के रात्रि विश्राम स्थल होते हैं। इस परिक्रमा में नेपाल की ओर महोत्तरी और धनुषा में 107 किलोमीटर तथा भारत की ओर 26 किलोमीटर की दूरी तय की जाती है।

मटिहानी स्थित लक्ष्मीनारायण मठ के उत्तराधिकारी महंत डा. रविन्द्रदास वैष्णव के अनुसार, त्रेतायुग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और देवी सीता विवाह के बाद तत्कालीन मिथिला राज्य के विभिन्न स्थानों पर वनविहार करते हुए भ्रमण पर निकले थे। उन्हीं के पदचिह्नों का अनुसरण करने की आस्था से इस परिक्रमा की परंपरा स्थापित की गई। उनके अनुसार यह यात्रा मानव कल्याण और मोक्ष की कामना के साथ की जाती है।

चीन की कापीकैट नीति ने बदल दी शानझाई की पहचान, अब कहलाता है औद्योगिक इलाका

बीजिंग

चीन में शानझाई शब्द का शाब्दिक अर्थ भले डकैतों के अड्डे से जुड़ा हो, लेकिन आधुनिक दौर में यह उन औद्योगिक इलाकों का प्रतीक बन गया जहां दुनियाभर के पायरेटेड या नकली उत्पाद तैयार होते रहे। भारत में जिसे आम बोलचाल में नो गारंटी वाला सामान कहा जाता है। लेकिन इसी शानझाई संस्कृति ने चीन की औद्योगिक छलांग की नींव रखी। चीन की आर्थिक तरक्की लंबे समय तक दुनिया के लिए पहेली रही, पर इसकी एक बड़ी वजह उसकी कापीकैट नीति रही है।

जहां पश्चिमी देश मौलिकता (आरिजिनैलिटी) पर जोर देते हैं, वहीं चीन ने फास्ट फालोअर रणनीति अपनाई। यानी अगर कोई आइडिया दुनिया के किसी बाजार में सफल है, तो उसे शून्य से विकसित करने के बजाय तेज़ी से अपनाकर, सुधार कर और कम कीमत में उतार दो। इससे जोखिम घटता है और बाजार में तेजी से पैठ बनती है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन में इस सोच को संस्थागत रूप देने वालों में प्रमुख नाम है प्रो. शियांग बिंग, जो च्युंग कांग ग्रेजुएट स्कूल आफ बिजनेस के संस्थापक डीन रहे हैं। उनके कई छात्र आज अलीबाबा और टिकटाक जैसी कंपनियों में शीर्ष पदों पर हैं। बिंग का तर्क है, दौड़ने से पहले चलना सीखना पड़ता है, और उससे पहले किसी का सहारा लेकर खड़ा होना। यानी विकास के शुरुआती चरण में नकल करना व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। मोबाइल और गैजेट उद्योग इसका बड़ा उदाहरण है। जब ऐपल ने आईफोन लान्च किया, तो चीनी कंपनियों ने सिर्फ फोन ही नहीं, बल्कि स्टोर डिजाइन और प्रेजेंटेशन स्टाइल तक से प्रेरणा ली। जियोमी को एक समय चीन का ऐपल कहा जाता था। इसके संस्थापक लेई जुन अक्सर स्टीव जाब्स जैसी सादगीभरी वेशभूषा में लान्च इवेंट करते दिखते थे।

शाओमी का एमआईयूआई साफ्टवेयर और शुरुआती डिजाइन स्पष्ट रूप से आईफोन से प्रेरित था, लेकिन रणनीति अलग थी, आधी कीमत में एक जैसा अनुभव। इसी माडल पर ओप्पो, विवो और रियलमी ने भी विस्तार किया और कई बाजारों में सेमसंग व ऐपल को कड़ी टक्कर दी। आज चीन सिर्फ नकल करने वाला देश नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत विनिर्माण में अग्रणी बनने की राह पर है। लेकिन इसकी कहानी बताती है कि कभी-कभी नकल भी नवाचार की पहली सीढ़ी बन सकती है।

सेवा तीर्थ में पहली बार बैठा मोदी मंत्रिमंडल

नये कार्यालय को बताया देश के नवनिर्माण की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति

नयी दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फाल्गुन मास की शुक्ल अष्टमी, मंगलवार को पहली बार यहां नवनिर्मित प्रधानमंत्री कार्यालय भवन सेवा तीथ' में अपनी पहली बैठक में 'सेवा संकल्प' प्रस्ताव पारित किया और इसे भारत की विकास यात्रा में एक नया आरंभ बताया। इस प्रस्ताव में पिछले एक दशक की उपलब्धियों और सुधारों को गिनाते हुए संकल्प व्यक्त किया गया है कि यह सरकार सुधारों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए भारत को निकट भविष्य में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम करेगी। प्रस्ताव में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के प्रति मंत्रिमंडल की प्रतिबद्धता और समर्पण भी व्यक्त किया गया है।

कैबिनेट द्वारा स्वीकृत सेवा संकल्प में कहा गया है, आज युगाब्द 5127, विक्रम संवत 2082, शक संवत् 1947, फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष..अष्टमी के दिन...24 फरवरी, 2026 को, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में, नए प्रधानमंत्री कार्यालय सेवा तीर्थ में केंद्रीय मंत्रिमंडल की ऐतिहासिक प्रथम बैठक आयोजित हो रही है।

नये भवन को नये भारत के निर्माण की अभिव्यक्ति बताते हुए प्रस्ताव में कहा गया है, यह बैठक एवं यह भवन नए भारत के नवनिर्माण की एक प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति है। इस शुभारंभ के साथ ही हम उस भविष्य का स्वागत कर रहे हैं, जिसके निर्माण में सदियों का श्रम लगा है। आज़ादी के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक में इतने दशकों तक सरकारों ने विरासत को संभाला और भविष्य के सपने देखे। हमने एक ऐसे भारत के सपने देखे, जिसकी सोच स्वदेशी हो, स्वरूप आधुनिक हो, और सामर्थ्य अनंत हो। आज यह सेवातीर्थ उसी संकल्पना का वह मूर्तिमान अवतार है जो लोकतन्त्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को बढ़ाएगा।

नये प्रधानमंत्री कार्यालय के स्थान के अंग्रेजों के राज के दौर के बैरक वाले इतिहास को याद करते हुए प्रस्ताव में कहा गया है, आज इस अवसर पर इस स्थान के इतिहास को भी स्मरण कर रहे हैं। 'सेवा तीर्थ' उन अस्थायी बैरकों के स्थान पर बना है, जो ब्रिटिश काल के थे। उस स्थान पर राष्ट्र संचालन के

सक्रिय संस्थान का निर्माण नये भारत के कायाकल्प का भी प्रतीक है।

प्रस्ताव में आगे कहा गया है, गुलामी के कालखंड से पहले भारत की पहचान एक ऐसे राष्ट्र के रूप में होती थी जो एक ओर अपनी भौतिक भव्यता के लिए भी जाना जाता था, और दूसरी ओर अपने मानवीय मूल्यों के लिए। सेवातीर्थ की संकल्पना इन दोनों ही आदर्शों से मिलकर बनी है। कर्तव्य, सेवा और समर्पण की त्रिवेणी से यह कार्यस्थल एक तीर्थ की भांति पवित्र हो, यह इसकी मूलभावना है।

इसमें कहा गया है, सेवा तीर्थ में हो रही इस पहली बैठक के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल यह संकल्प दोहराता है कि यहां लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के प्रति सेवा-भाव से प्रेरित होगा और राष्ट्र-निर्माण के व्यापक लक्ष्य से जुड़ा होगा।

भारत के संविधान को सरकार की नैतिक प्रतिबद्धता बताते हुए प्रस्ताव में कहा गया है, हमारे लिए संवैधानिक मूल्य उस नैतिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति हैं, जो शासन को नागरिक की गरिमा, समानता और न्याय से जोड़ती है। सेवा तीर्थ की कार्य-संस्कृति इसी आत्मा से संचालित होगी, जहां हर नीति संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगी और हर निर्णय देशवासियों की आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यह संकल्प दोहराया - इस परिसर में लिया गया प्रत्येक निर्णय 'नागरिक देवो भव' की भावना से प्रेरित होगा। यह स्थान सत्ता के प्रदर्शन का नहीं, वरन् प्रत्येक भारतवासी के सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा। सेवा तीर्थ' से संचालित शासन का हर प्रयास देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को सरल बनाने की भावना से जुड़ा रहेगा। हम ये दोहराते हैं कि हम अपनी परिकल्पना के मुताबिक शासन के उस मॉडल को और मजबूती देंगे, जो पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक की संवेदनाओं के प्रति सजग हो। इसमें कहा गया है, सेवा तीर्थ उस गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर (शासन कार्य की उस अवसंरचना) की आवश्यकता का उत्तर है, जो जड़ता की जगह गतिशीलता को, उदासीनता की जगह निष्ठा को और संदेह की जगह समाधान को बढ़ावा देता है। इसी सोच के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते वर्षों में लिये गये निर्णयों ने शासन के उद्देश्य को नयी स्पष्टता दी है। करोड़ों नागरिकों के जीवन में आये बदलाव ने शासन के प्रति जनता के विश्वास को मजबूत किया है।''

मोदी सरकार की एक दशक की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रस्ताव में कहा गया है, बीते एक दशक में 25 करोड़ से अधिक नागरिकों को गरीबी से बाहर निकालकर देश ने असंभव समझे जाने वाले काम को संभव करके दिखाया है। ऐसे अनेक कीर्तिमानों के पीछे सरकार की दूरगामी सोच, व्यापक परिकल्पना और अथक परिश्रम रहा है। आयुष्मान भारत के माध्यम से करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा से जोड़ने का गौरव देश ने हासिल किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत करीब 80 करोड़ नागरिकों तक खाद्य सुरक्षा पहुंचाकर भुखमरी के अभिशाप का अंत किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण से करोड़ों परिवारों और महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन मिला है। ये सभी आंकड़े शासन की उस दिशा का संकेत हैं जहां नीति का अंतिम उद्देश्य नागरिक का जीवन सरल बनाना रहा है। इसी तरह चार करोड़ से अधिक घरों के निर्माण से करोड़ों परिवारों को सिर पर छत और सुरक्षा मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के माध्यम से लगभग 16 करोड़ नागरिकों तक पीने के पानी की पहुंच बनी है।

प्रस्ताव में कहा गया है, केंद्रीय मंत्रिमंडल भारत की अर्थव्यवस्था में आये व्यापक परिवर्तनों को एक सतत सुधार-यात्रा के रूप में देखता है। मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के मंत्र के साथ जीएसटी, डीबीटी और डिजिटल इंडिया जैसे सुधारों ने शासन को अधिक पारदर्शी, अधिक सक्षम और अधिक नागरिक-केंद्रित बनाया है। टैक्स मामलों में फ़ेसलेस जांच की प्रक्रिया से ईमानदारी को बढ़ावा मिला है, और आम नागरिकों का भरोसा मजबूत हुआ है।

केरल का नाम केरलम् करने के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

मंत्रिमंडल ने केरल राज्य का नाम बदलकर केरलम् करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 'सेवातीर्थ' में मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई पहली बैठक में लिए गये निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि भाषाई आधार पर राज्यों के गठन के बाद से ही केरल के नाम को बदलने की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति केरल नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 के मसौदे को केरल विधानसभा की स्वीकृति के लिए भेजेंगी। संविधान के अनुच्छेद तीन के तहत राष्ट्रपति इस विधेयक पर केरल विधानसभा का मत प्राप्त करेंगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि राज्य विधानसभा की स्वीकृति के बाद केन्द्र सरकार इस पर आगे कार्रवाई करेगी और इस विधेयक को संसद में पारित कराने के लिए पेश किया जायेगा।

केरल विधानसभा ने 24 जून 2024 को केरल का नाम केरलम् करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसमें कहा गया था कि मलयालम भाषा में राज्य का नाम केरलम् है। एक नवंबर 1956 को राज्यों का गठन भाषायी आधार पर किया गया था। पहली नवंबर को केरल परिवार दिवस मनाया जाता है। इस प्रस्ताव में कहा गया कि राष्ट्र के स्वाधीनता संग्राम के समय से ही मलयालम भाषी लोगों के लिए एक एकीकृत राज्य के गठन की मांग थी, लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में हमारे राज्य का नाम केरल अंकित किया गया।

केरल विधानसभा के उक्त प्रस्ताव में कहा गया है, यह सभा केन्द्र सरकार से सर्वसम्मति से आग्रह करती है कि वह संविधान के अनुच्छेद तीन के तहत केरल के नाम को केरलम् करने के लिए तत्काल कदम उठाये।

इसके बाद केरल सरकार ने केन्द्र सरकार से इस संबंध में कार्रवाई का अनुरोध किया था। इस पर केन्द्रीय गृह मंत्रालय में विचार किया गया और प्रस्ताव को गृहमंत्री अमित शाह के अनुमोदन के बाद इस पर कैबिनेट के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया। इस प्रस्ताव पर कानून एवं न्याय मंत्रालय के कानूनी एवं विधायी विभाग की राय के बाद इसे मंत्रिमंडल के समक्ष लाया गया।

इंजन में खराबी के कारण लेह जा रही स्पाइसजेट की उड़ान की दिल्ली में आपात लैंडिंग

नयी दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली से लेह जा रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट की एक उड़ान इंजन में खराबी के कारण मंगलवार सुबह रास्ते से ही दिल्ली वापस लौट आई जहां उसकी आपात स्थिति में सुरक्षित लैंडिंग हुई।

स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एसजी 123 के इंजन में खराबी की जानकारी पायलट को मिली, जिसके बाद उन्होंने दिल्ली वापस लौटने का फैसला किया। यहां दिल्ली में विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। सभी यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित उतार लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसजी 123 ने सुबह 6:50 पर लेह के लिए उड़ान भरी थी और तकरीबन 7:15 बजे दिल्ली में इसकी वापस लैंडिंग हुई। एयरलाइंस के बयान में कहा गया है कि इंजन में आग के बारे में कोई सूचना नहीं थी हालांकि तकनीकी खराबी की बात स्वीकार की गई है। सूत्रों के मुताबिक विमान में 140 से ज्यादा यात्री सवार थे। और विवरण की अभी प्रतीक्षा है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दाखिल की अग्रिम जमानत याचिका

प्रयागराज, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने अधिवक्ता राजर्षि गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के माध्यम से उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। याचिका पर शीघ्र सुनवाई होने की संभावना है। गौरतलब है कि तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173(4) के तहत जिला अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। इस पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (रेप एवं पॉक्सो स्पेशल कोर्ट) विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी थाने की पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया था। अदालत के आदेश के अनुपालन में झूंसी थाना पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरी तथा दो-तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3) तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की धारा 5ङ, 6, 3, 4(2), 16 और 17 के तहत दर्ज की गई है।

सत्ताधारी दल भाजपा के रवैये से असंतुष्ट सपा के बागियों ने फिर साधा पार्टी से संपर्क

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अब सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं । इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने बागी विधायकों की वापसी को लेकर सॉफ्ट स्टैंड अपनाया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, जो विधायक जिस परिस्थिति में पार्टी से अलग हुए थे, वे उसी रास्ते से वापसी कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण साबित करना होगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि, पार्टी

के भीतर यह चर्चा तेज है कि सत्ताधारी दल में अपेक्षित महत्व न मिलने से कुछ बागी विधायक असहज हैं और उन्होंने दोबारा संपर्क साधना शुरू किया है। सूत्रों का कहना है कि सपा नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि वापसी की राह बंद नहीं है, लेकिन इसके लिए व्यवहारिक प्रमाण देना होगा

आगामी राज्यसभा चुनाव को बागी विधायकों की वापसी की कसौटी माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की 10 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि यदि बागी विधायक सपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करते हैं तो उनके लिए पार्टी में पुनः एंट्री का रास्ता आसान हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी की ओर से किसी लिखित माफीनामे की शर्त नहीं रखी गई है, बल्कि राजनीतिक आचरण को ही निष्ठा की असली परीक्षा माना जाएगा। फरवरी 2024 में हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान सपा के कुछ विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी, जिसके बाद पार्टी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कई नेताओं को निष्कासित कर दिया था।

बंगाल के सीमावर्ती जिलों में एसआईआर जांच से पहले न्यायिक अधिकारियों ने की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

कोलकाता, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को ओडिशा, बिहार और झारखंड जैसे पड़ोसी राज्यों से जिस दिन न्यायिक अधिकारियों की तैनाती कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया, उसी दिन भारत-बंगलादेश सीमा से सटे पश्चिम बंगाल के चार जिलों में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने सुरक्षा में चूक की सूचना देते हुए अतिरिक्त सुरक्षा की औपचारिक मांग की है।

बंगलादेश के साथ लंबी सीमा साझा करने वाले मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने 'तार्किक विसंगति' श्रेणी के तहत चिह्नित मतदाताओं के दस्तावेजों के निस्तारण के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा हमले की आशंका जताते हुए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है।

पिछले सप्ताह शीर्ष अदालत द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप सोमवार से चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति श्रेणी के अंतर्गत चिह्नित मतदाताओं के दस्तावेजों की न्यायिक जांच शुरू हो गयी है, जिसमें सत्यापन प्रक्रिया पर न्यायिक निगरानी अनिवार्य की गयी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), पश्चिम बंगाल कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने न्यायिक अधिकारियों द्वारा जतायी गयी चिंताओं का संज्ञान लिया है और राज्य पुलिस प्रशासन को व्यापक सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दिये हैं, ताकि जांच प्रक्रिया निर्बाध रूप से चल सके। अधिकारियों के अनुसार, राज्यभर में न्यायिक जांच के लिए भेजे गये लगभग 50 लाख मतदाताओं के दस्तावेजों में सबसे अधिक संख्या मुर्शिदाबाद जिले से संबंधित है, हालांकि आयोग ने अब तक जिला-वार आंकड़े आधिकारिक रूप से जारी नहीं किये हैं।

सीईओ कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि न्यायिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि वे प्रत्येक दस्तावेज को स्वीकार या अस्वीकार करने के कारणों को विस्तार से दर्ज करें। साथ ही, उन्हें प्रतिदिन जांच की प्रगति रिपोर्ट कलकत्ता उच्च न्यायालय को सौंपनी होगी, जो उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद से इस प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है।

मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, पश्चिम बंगाल की अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित की जानी है, जिसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो न्यायिक जांच के अधीन हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अनुपूरक मतदाता सूची जारी की जाएगी, जिसमें न्यायिक जांच से स्वीकृत योग्य मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे। वरिष्ठ अधिकारियों ने माना कि एक बड़ी चिंता यह है कि लगभग 50 लाख दस्तावेजों की न्यायिक जांच निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी हो पाएगी या नहीं।

मोदी डरपोक हैं, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं : खड़गे

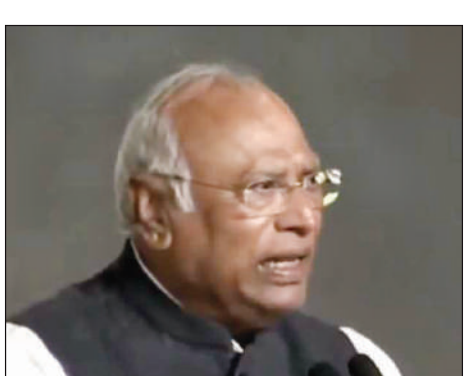

नयी दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला किया और कहा कि कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता नहीं बल्कि श्री मोदी खुद डरपोक हैं जो संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने से भी डरते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने घुटने टेकने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर किसानों का नुकसान किया है और उसके खिलाफ जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें डराने के लिए गिरफ्तार किया जाता है लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है।

श्री खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है जिसके कारण मोदी जी के प्रति लोगों में भारी रोष है। श्री ट्रंप के सामने उन्होंने घुटने टेक दिए। नाक रगड़कर उनकी सारी शर्तों को मान लिया, जिससे पूरा देश शर्मिंदा हो गया। जो काम हमारे किसानों की भलाई और मदद के लिए किया जाना चाहिए था, उसकी बजाय किसानों का नुकसान करने की बातचीत की गई। इससे यह भी साफ़ हो गया है कि लोग समझते थे कि मोदी जी देश के हित में ट्रंप से बात कर रहे हैं, लेकिन हकीकत में ट्रंप हमें गुलाम बना रहा है और हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है। यह काम मोदी जी कर रहे हैं।''

उन्होंने आगे लिखा कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। मोदी साहब खुद डरपोक हैं। डर के कारण वे संसद में आकर अपनी नीतियों का बचाव भी नहीं कर पाते। इसलिए वे हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे युवाओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। यह नहीं चलेगा। मैं इसकी निंदा करता हूँ। हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। हम लड़ते रहेंगे और देश को गिरवी रखने वाले लोगों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी तानाशाही : राहुल

नयी दिल्ली 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारतमंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को तानाशाही करार देते हुए मंगलवार को कहा कि पार्टी युवा निडर साथियों के साथ मजबूती से खड़ी है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा ''शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है। मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर साथियों पर गर्व है, जिन्होंने 'समझौतावादी प्रधानमंत्री' के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज़ उठाई है। अमेरिका के साथ हुए व्यापार संझौते में देश के हितों से समझौता किया गया है। यह समझौता हमारे किसानों और कपड़ा उद्योग को नुकसान पहुंचाएगा तथा हमारे डेटा को अमेरिका के हाथों में सौंप

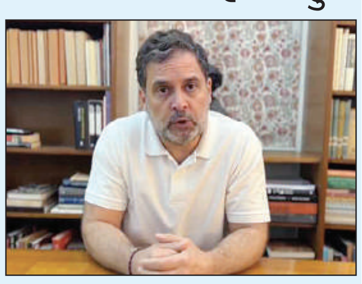

देगा। इस सच्चाई को देश के सामने रखने के लिए युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब और युवा संगठन के अन्य साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है।उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी और मैं अपने बब्बर शेर साथियों के साथ मज़बूती से खड़े हैं। सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देशभक्ति है। डरो मत-सच और संविधान हमारे साथ हैं।

उन्होंने दोहराया कि शांतिपूर्ण विरोध भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है और इसे दबाने की हर कोशिश का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा। गिरफ्तार युवाओं ने कोई गलत काम नहीं किया है और संविधान उन्हें न्याय देगा

विजय-रश्मिका की शादी

मेहमानों को परोसा जाएगा जापानी खाना, 'नो फोन' पॉलिसी लागू

एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी अब बस कुछ ही दिनों दूर है। ऐसे में उनके प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। दोनों 26 फरवरी को उदयपुर में सात फेरे लेंगे और जिंदगी भर के लिए एक-दूजे का हाथ थामेंगे। जानकारी के अनुसार, शादी के जश्न को लेकर मेकर्स ने खास इंतजाम किए हैं, जिसमें मेहमानों के लिए जापानी खाना परोसा जाएगा। रश्मिका ने हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी में पार्टी की झलक साझा की, जिसमें खूबसूरती से सजा हुआ टेबल और जापानी मेन्यू कार्ड साफ दिख रहा है। तस्वीर में लाइटिंग में सजा टेबल नजर आया। बीच में गुलाबी लिली और हल्के हरे हाइड्रेंजिया के फूलों की सजावट है, जिसे ताजे हरे सेब और अंगूरों के साथ सजाया गया है। यह सजावट ऑर्गेनिक और लग्जरी गार्डन लुक दे रही है। मेन्यू कार्ड पर जापानी डिशेज का जिक्र है, जो शादी से पहले के इस सेलिब्रेशन को ग्लोबल और रिफाइंड टच देता है। कपल सोमवार को उदयपुर पहुंच चुके हैं। शादी के मुख्य कार्यक्रम मेमेंटोस बाय आईटीसी होटल्स, एकाया उदयपुर में होगा।

शादी को पूरी तरह प्राइवेट और इंटिमेट रखा जा रहा है। सिर्फ करीबी परिवार और दोस्त ही शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इवेंट को गोपनीय रखने के लिए सख्त नो-फोन पॉलिसी लागू है। मेहमानों से एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट) भी साइन करवाए जा रहे हैं ताकि कोई फोटो या वीडियो बाहर न लीक हो।

विजय और रश्मिका की लव स्टोरी साल 2018 में शुरू हुई, जब दोनों ने 'गीता गोविंदम' में साथ काम किया। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इसके बाद दोनों 'डियर कॉमरेड' में फिर साथ नजर आए। इसके अलावा, वे कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते को सालों तक प्राइवेट रखा, लेकिन अब आखिरकार शादी का ऐलान हो चुका है। शादी के बाद रिसेप्शन भी प्लान किया गया है।

श्रीदेवी : भाषा की सीमाओं को तोड़कर बनीं बॉलीवुड क्वीन, हुनर से जीता दर्शकों का दिल

बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने अपनी अदाओं और अभिनय की वजह से लोगों के दिलों में जगह बनाई। उनके काम की खासियत कड़ी मेहनत और हर चुनौती को पार करने की लगन थी। उन्होंने कई भाषाओं में काम किया। उन्हें शुरुआत में हिंदी बिल्कुल नहीं आती थी। उन्होंने अपने करियर में हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम करके यह साबित किया कि अगर इच्छा शक्ति और मेहनत हो, तो कोई भी भाषा या बाधा आपके रास्ते में नहीं आ सकती।

श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव मीनमपट्टी में हुआ। उनके पिता का नाम अय्यपन और मां का नाम राजेश्वरी था। उनके पिता एक वकील थे। श्रीदेवी ने छह साल की उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू किया। उनका फिल्मी करियर दक्षिण भारतीय सिनेमा से शुरू हुआ। उन्होंने तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्मों में काम किया और कई पुरस्कार भी जीते। उन्हें 1971 में मलयालम फिल्म 'मूवी पूमबत्ता' के लिए केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यही समय था, जब उन्होंने यह सीखा कि अभिनय केवल भाषा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि भाव और मेहनत सबसे जरूरी हैं।

श्रीदेवी की बॉलीवुड में एंट्री 1979 में हुई। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'सोलहवां सावन' थी। हालांकि, उन्हें असली पहचान फिल्म 'हिम्मतवाला' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय और डांस की अद्भुत कला ने दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया। उन्हें शुरुआत में हिंदी बोलने में कठिनाई होती थी। उन्होंने यह चुनौती पूरी लगन और अभ्यास से पार कर ली। उनके इस संघर्ष ने कई नए कलाकारों के लिए प्रेरणा का काम किया होगा।

श्रीदेवी ने अपने करियर में कई यादगार रोल निभाए। उन्होंने 'चालबाज' में डबल रोल किया, 'सदमा' और 'चांदनी' जैसी फिल्मों में उनकी एक्टिंग की तारीफ पूरे देश ने की। श्रीदेवी को कई पुरस्कार भी मिले। उन्हें 'चालबाज' और 'लम्हे' के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और साल 2013 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्होंने अपने करियर में लगभग 200 फिल्मों में काम किया, जिनमें हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्में शामिल हैं।

24 फरवरी 2018 को दुबई में उनका निधन हो गया। वह आज भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके जीवन से मिली सीख और उनका संघर्ष हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे।

पूजा भट्ट: जब खुद को खोने से बचाने के लिए खत्म कर दी 11 साल की शादी

बॉलीवुड की दुनिया में कई सितारे अपने करियर और निजी जिंदगी को लेकर लगातार चर्चाओं में रहते हैं, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो अपनी पसंद से जिंदगी को जीना चुनते हैं। उनमें से एक नाम है पूजा भट्ट, जिन्होंने अपनी जिंदगी में सभी फैसले खुद लिए। उनका साफ कहना है कि वह अपनी जिंदगी उसी तरह जीना चाहती हैं, जैसे वह चाहें बिना किसी दबाव या सामाजिक अपेक्षाओं के। 24 फरवरी 1972 को जन्मीं पूजा भट्ट फिल्मों, विवादों और परिवार के कारण काफी सुर्खियों में रहीं। महेश भट्ट की बेटी होने के बावजूद उन्होंने खुद की अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी जिंदगी में कई मोड़ आए, जहां उन्होंने अपने फैसले खुद लिए।

पूजा ने 17 साल की उम्र में फिल्म 'डैडी' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई चर्चित फिल्मों में काम किया, जिनमें 'दिल है कि मानता नहीं', 'सड़क', 'जख्म', और 'सनम तेरी कसम' जैसी फिल्में शामिल हैं। अपने पेशेवर जीवन से अलग वह निजी जीवन को लेकर भी चर्चाओं में रहती हैं।

पूजा ने साल 2003 में मनीष मखीजा से शादी की और 11 साल बाद दोनों ने तलाक का फैसला किया। इन सब को लेकर पूजा ने एक इंटरव्यू में कहा था, ''मैं अपनी जिंदगी की प्राथमिकताओं को खुद तय करती हूं। चाहे करियर के फैसले हों या व्यक्तिगत रिश्ते, मैं हमेशा अपनी खुशियों को सबसे ऊपर रखती हूं। मेरा मानना है कि शादी एक खूबसूरत रिश्ते का हिस्सा हो सकती है, लेकिन जीवन की सफलता और खुशी के लिए अनिवार्य नहीं है। मेरी लाइफ शादी के बिना अधूरी नहीं है। जो चाहती हूं, मैं वही करती हूं।''

'बिग बॉस ओटीटी 2,' पूजा ने तलाक के दर्द को भी बयां किया और बताया कि तलाक लेने का फैसला पूरी तरह से उन्हीं का था। उन्होंने कहा, ''मैं आगे शादी जारी नहीं रखना चाहती थी, इस कारण मैंने अलग होने का फैसला किया था। मैं हमेशा अपनी जिंदगी आराम से जीना चाहती थी। यही वजह है कि मैंने अपने 10 से 11 साल के रिश्ते को नहीं बचाना चाहा। मेरे पति बुरे इंसान नहीं थे। मैंने सोचा कि इस शादी के साथ मैंने खुद को भी खो दिया है, जो कि मुझे मंजूर नहीं हो रहा था। मैं खुद को वापस पाना चाहती थी और तभी ये फैसला भी किया।''

पूजा भट्ट ने एक्टिंग से लेकर डायरेक्शन और प्रोडक्शन तक, हर क्षेत्र में अपनी मर्जी से कदम रखा। उन्होंने फिल्मों 'जिस्म', 'पाप', 'धोखा' और 'कजरारे' का निर्देशन और प्रोडक्शन किया।

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी-पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने शनिवार को आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी 'प्रेग्नेंसी' के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या?

अभिनत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके।

अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें।

अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, क्या कैप्शन है।

सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार-बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था। साथ ही, यह दावा भी किया गया था कि वे जल्द ही उनसे शादी करने वाली हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस पर प्रतिक्रिया दी थी।

ईशा मालवीय की डेब्यू फिल्म इश्कां दे लेखे का ट्रेलर रिलीज

भारतीय अभिनेत्री, मॉडल, डांसर, लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बिग बॉस 17 फेम ईशा मालवीय की पहली फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का ऑफिशियल ट्रेलर सोमवार को रिलीज कर दिया गया। अभिनेत्री रोमांटिक पंजाबी फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर स्पीड रिकॉर्ड्स, पैनोरमा स्टूडियोज और डायमंडस्टार वर्ल्डवाइड यूट्यूब चैनलों ने आपस में कोलैबोरेशन के तहत अपलोड किया है, जिनके चैनलों पर कुल मिलाकर लगभग 50 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। चैनल ने मूवी का ट्रेलर रिलीज करते हुए डिस्क्रिप्शन में लिखा, एक बार फिर प्यार में पड़ने के लिए तैयार हो जाइए! स्पीड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत करता है 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित पंजाबी प्रेम कहानी 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर। शानदार गुरनाम भुल्लर और खूबसूरत ईशा मालवीय अभिनीत यह पंजाबी फिल्म उन सभी लोगों के लिए बनाई गई है, जिन्होंने कभी दिल से प्यार किया है।

प्रतिभाशाली मनवीर बरार द्वारा निर्देशित, 'इश्कां दे लेखे' बड़े पर्दे पर पंजाबी रोमांस को एक नई परिभाषा देने के लिए तैयार है। 'लेख' और 'सुर्खी भिंडी' जैसी लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद गुरनाम भुल्लर एक और उत्कृष्ट कृति के साथ वापसी कर रहे हैं और यह फिल्म किसी जादू से कम नहीं है। यह नई पंजाबी फिल्म प्यार की कहानी है और पंजाबी सिनेमा की सदाबहार क्लासिक बनने के लिए तैयार है।

ट्रेलर की शुरुआत एक यूनिवर्सिटी की बेल से होती है, जिसके बाद गुरनाम भुल्लर का सीन दिखाया जाता है और एक दमदार पंजाबी रोमांटिक डायलॉग सुनने को मिलता है, जिसमें कहा जाता है, जदो प्यार हद से गुजर जाए, उने मोहब्बत कहते हैं। जदो मोहब्बत हद से गुजर जाए, उनो पागलपन कहते हैं। पर जदो पागलपन हद से गुजर जाए, तो...

इसके बाद ट्रेलर में एक रोमांटिक पंजाबी गाना सुनने को मिलता है और सीन में ईशा मालवीय परीक्षा हॉल में बैठी नजर आ रही है। मूवी में अभिनेत्री (जसनीत) का किरदार निभा रही हैं। इसके बाद आगे ट्रेलर में एक और डायलॉग सुनने को मिलता है, जिसमें कहा जाता है, कई बार कुड़िया दा पहला प्यार, बहुतों ने प्यार कर चुके होते हैं।

ट्रेलर में एक के बाद एक कई बेहतरीन डायलॉग सुनने को मिलते हैं और यह एक डायलॉग के साथ समाप्त भी होता है, जहां कहा जाता है, जे रब सानु प्यार करने वाले ने पागल बना सकता है, तो क्या प्यार करने वाले रब नू थोड़ा सा पागल नहीं बना सकते हैं क्या?ट्रेलर में ईशा मालवीय और गुरनाम भुल्लर की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। 2 मिनट 25 सेकेंड के ट्रेलर में लव, हेट, प्यार, पागलपन, जुनून और बर्बादी के साथ कई लाजवाब सीन देखने को मिलते हैं। फैंस मूवी के ट्रेलर को काफी पसंद कर रहे हैं और कुछ ही घंटे में चैनल पर हजारों व्यूज आ चुके हैं। वहीं, कमेंट का सिलसिला लगातार जारी है।

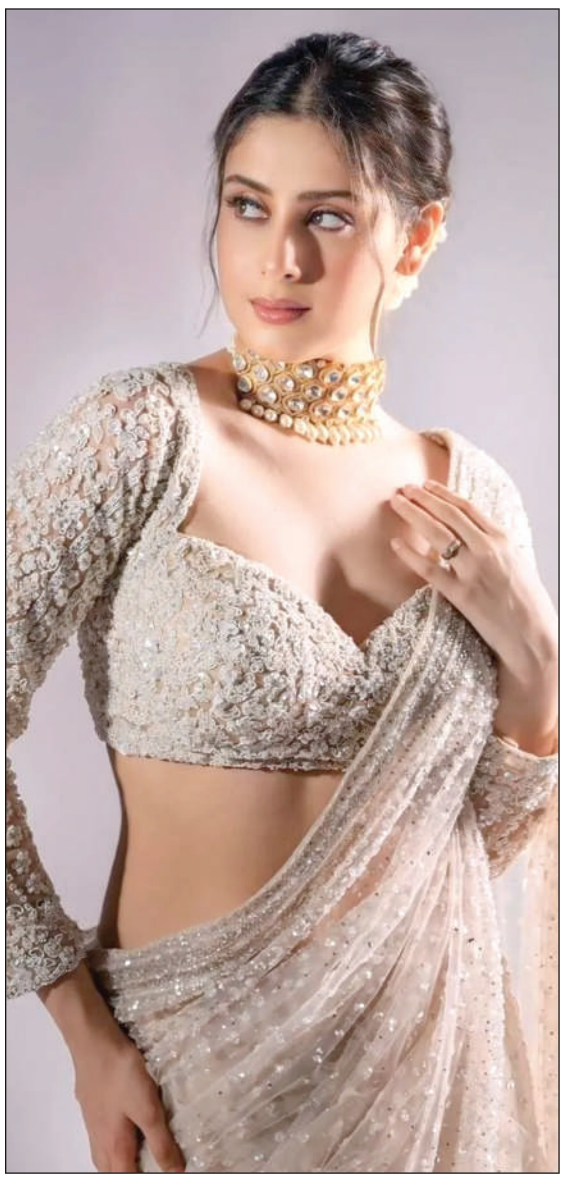

बुधवार को पूरे दिन प्रभावी सर्वार्थ सिद्धि योग, जानें राहुकाल

सनातन परंपरा में पंचांग को समय की सबसे प्रमाणिक और व्यापक व्यवस्था माना गया है। आधुनिक कैलेंडर और घड़ी के बजाय पंचांग से शुभ-अशुभ मुहूर्त तय करते हैं। यह सूर्योदय, सूर्यास्त के साथ दिनभर के शुभ-अशुभ कालों की पूरी जानकारी देता है। 25 फरवरी को बुधवार है। इस दिन शुभ योगों का संयोग बन रहा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग पूरे दिन प्रभावी रहेगा, जो सभी प्रकार के शुभ कार्यों, नई शुरुआत, व्यापार, विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश और अन्य महत्वपूर्ण कामों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। साथ ही बुधवार होने से गणपति और बुध ग्रह की पूजा-अर्चना का भी विशेष महत्व है। दृक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 25 फरवरी की सुबह 4 बजकर 51 मिनट तक है, उसके बाद नवमी तिथि रहेगी। नक्षत्र रोहिणी दोपहर 1 बजकर 38 मिनट तक, उसके बाद मृगशिरा है। योग विष्कम्भ और करण बालव दोपहर 3 बजकर 45 मिनट तक, उसके बाद कौलव रहेगा। चंद्रमा वृषभ राशि में संचार करेंगे। वहीं, सूर्योदय 6 बजकर 50 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 18 मिनट पर होगा।

शुभ योग और मुहूर्त की बात करें तो बुधवार को सर्वार्थ सिद्धि योग पूरे दिन प्रभावी रहेगा। शुभ कार्यों के लिए दिन बहुत अच्छा है। रवि योग दोपहर 1 बजकर 38 मिनट से 26 फरवरी की सुबह 6 बजकर 49 मिनट तक रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 10 मिनट से 6 बजे तक है, जो पूजा, ध्यान और अध्ययन के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। वहीं, अमृत काल सुबह 10 बजकर 38 मिनट से दोपहर 12 बजकर 8 मिनट तक और विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 29 मिनट से 3 बजकर 15 मिनट तक है।

अशुभ समय की बात करें तो बुधवार को राहुकाल दोपहर 12 बजकर 34 मिनट से 2 बजे तक है। इस दौरान शुभ कार्य वर्जित होते हैं। यमगंड सुबह 8 बजकर 16 मिनट से 9 बजकर 42 मिनट तक गुलिक काल सुबह 11 बजकर 8 मिनट से दोपहर 12 बजकर 34 मिनट तक है। दुर्मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से 12 बजकर 57 मिनट तक और ज्वालामुखी योग सुबह 6 बजकर 50 मिनट से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट तक है। इस समय कोई नया या शुभ कार्य नहीं करना चाहिए।

व्यतिपात योग 2026: सूर्य-चंद्र की विपरीत स्थिति से बढ़ सकती हैं चुनौतियां, इन तीन राशियों पर दिखेगा प्रभाव

व्यतिपात योग का महत्व ज्योतिष शास्त्र में कुछ योग ऐसे माने जाते हैं जिनका असर तीव्र और व्यापक माना जाता है। व्यतिपात योग भी उन्हीं विशेष योगों में गिना जाता है। जब सूर्य और चंद्रमा आमने-सामने की स्थिति में होते हैं और उनके बीच ठीक 180 डिग्री का अंतर बनता है, तब यह योग बनता है। इस दौरान ग्रहों की ऊर्जा असामान्य रूप से सक्रिय मानी जाती है, जिससे मानसिक स्थिति, निर्णय क्षमता और बाहरी परिस्थितियों पर असर महसूस किया जा सकता है। वर्ष 2026 में यह योग फरवरी माह की शुरुआत में प्रभावी रहेगा और कुछ राशियों के लिए अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता मानी जा रही है।

इस अवधि का सामान्य प्रभाव

व्यतिपात योग के समय असंतुलन, जल्दबाजी और भावनात्मक उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। कई मामलों में योजनाओं में रुकावट, आपसी मतभेद और मानसिक दबाव का अनुभव हो सकता है। इसलिए इस समय धैर्य, संयम और सोच-समझकर निर्णय लेने की सलाह दी जाती है।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए व्यतिपात योग का समय मानसिक दबाव बढ़ाने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां अचानक बढ़ सकती हैं, जिससे तनाव की स्थिति बन सकती है। वरिष्ठ लोगों के साथ मतभेद उभरने की आशंका भी बनी रह सकती है। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है, इसलिए जोखिम भरे फैसलों से बचना बेहतर रहेगा। पारिवारिक वातावरण में अहं से जुड़ी बातें तनाव बढ़ा सकती हैं और दांपत्य जीवन में गलतफहमी की स्थिति बन सकती है। स्वास्थ्य के लिहाज से थकान और सिरदर्द जैसी दिक्कतें परेशान कर सकती हैं।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि वालों के लिए यह योग भावनात्मक अस्थिरता लेकर आ सकता है। करीबी लोगों के साथ विवाद या गलतफहमी की संभावना बन सकती है। कार्यस्थल पर छिपे विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, जिससे योजनाओं में रुकावटें आ सकती हैं। धन संबंधी मामलों में सावधानी जरूरी रहेगी, खासकर अनियोजित खर्च नुकसान का कारण बन सकता है। स्वास्थ्य के स्तर पर पेट से जुड़ी परेशानी या रक्तचाप में उतार-चढ़ाव महसूस किया जा सकता है। यात्राओं के दौरान अतिरिक्त सतर्कता रखने की जरूरत रहेगी।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों को इस दौरान मानसिक बेचैनी और चिंता का सामना करना पड़ सकता है। काम में एकाग्रता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जिससे कार्यों में देरी की संभावना रहेगी। आर्थिक मोर्चे पर अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए लेन-देन में सोच-समझकर कदम उठाना उचित रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता रह सकती है। नींद की कमी और तनाव का असर दिनचर्या पर पड़ सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण फैसले लेते समय धैर्य और संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

बिना तोड़फोड़ सुधरेगा घर का वास्तु, पिरामिड से कम होगी नकारात्मक ऊर्जा और बढ़ेगी तरक्की

घर में रुकावटों की वजह क्या हो सकती है कई बार ऐसा देखा जाता है कि घर में सब कुछ सामान्य होने के बावजूद तरक्की रुक जाती है। मेहनत के बाद भी धन टिक नहीं पाता और परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य बार-बार प्रभावित होता है। ऐसी स्थिति में लोग समझ नहीं पाते कि समस्या आखिर कहां है। वास्तु शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, इसकी एक वजह घर में मौजूद नकारात्मक या असंतुलित ऊर्जा हो सकती है, जो धीरे-धीरे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करने लगती है।

बिना तोड़फोड़ कैसे सुधरे वास्तु

अक्सर वास्तु दोष के नाम पर लोग बड़े बदलाव या तोड़फोड़ से डरते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में यह भी माना गया है कि हर समस्या के समाधान के लिए निर्माण कार्य जरूरी नहीं होता। कुछ छोटे और सरल उपायों से भी घर की ऊर्जा को संतुलित किया जा सकता है। इन्हीं उपायों में वास्तु पिरामिड का उपयोग प्रमुख माना जाता है, जिसे बिना किसी तोड़फोड़ के घर में रखा जा सकता है।

वास्तु पिरामिड क्या है

वास्तु पिरामिड को एक ऊर्जा संतुलक उपकरण माना जाता है। मान्यता है कि इसकी संरचना वातावरण में मौजूद सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर पूरे घर में फैलाने में सहायक होती है। सही दिशा और स्थान पर रखने से यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को कम करने और सकारात्मक माहौल बनाने में मदद करता है।

उत्तर दिशा और आर्थिक स्थिति

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा को धन और समृद्धि की दिशा माना जाता है। यदि आय होने के बावजूद पैसा हाथ में नहीं रुकता या आर्थिक दबाव बना रहता है, तो इस दिशा में पिरामिड रखने से आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावनाएं बढ़ने की मान्यता है। कहा जाता है कि इससे आय के नए अवसर मिलने और धन से जुड़ा संतुलन बनने में सहायता मिलती है।

पूर्व दिशा और स्वास्थ्य से जुड़ा प्रभाव

पूर्व दिशा को ऊर्जा और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। यदि घर में मानसिक तनाव अधिक रहता हो या परिवार के सदस्य बार-बार अस्वस्थ रहते हों, तो पूर्व दिशा में पिरामिड रखना लाभकारी माना जाता है। मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और मानसिक शांति का अनुभव होता है।

ब्रह्मस्थान और पारिवारिक सुख-शांति

घर का मध्य भाग, जिसे ब्रह्मस्थान कहा जाता है, ऊर्जा संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि घर में बिना किसी स्पष्ट कारण के तनाव, कलह या अशांति बनी रहती है, तो ब्रह्मस्थान में पिरामिड रखने से वातावरण में संतुलन आने की मान्यता है। इससे परिवार के सदस्यों के बीच आपसी समझ, प्रेम और सामंजस्य बढ़ सकता है।

उज्जैन : भस्म आरती में भक्तों का तांता बाबा महाकाल का अद्भुत शृंगार

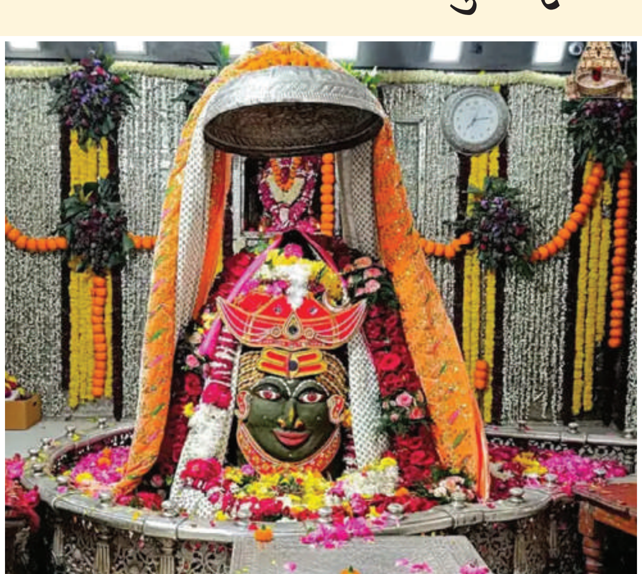

फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर मंगलवार सुबह भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के दरबार में बड़ी संख्या में भक्तों का आगमन देखने के लिए मिला। बाबा के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतार ब्रह्म मुहूर्त से ही देखने को मिली और पूरा परिसर बाबा के जयकारों से गूंज उठा। सुबह 4 बजे बाबा की भस्म आरती के लिए मंदिर के पट खुले, जिसके बाद पुजारियों ने बाबा महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से पंचामृत अभिषेक किया और साथ ही भस्म आरती की। बता दें कि यह भस्म आरती महानिर्वाणी अखाड़े द्वारा की जाती है। इसमें बाबा भक्तों को निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं। वहीं, भस्म आरती होने के बाद बाबा का चंदन से शृंगार और माथे पर चंद्रमा सुसज्जित किया जाता है और नवीन मुकुट पहनाकर बाबा को फूलों की माला अर्पित की जाती है।

भक्त बाबा का अद्भुत शृंगार देखकर खुशी से गदगद दिखे। हर दिन बाबा का शृंगार अलग-अलग तरीके से किया जाता है। मंगलवार को बाबा को चन्द्र बेल पत्र से सजाया गया है।

बाबा महाकाल की भस्म आरती देश-विदेश में मशहूर है। उज्जैन में दूर-दूर से लोग दर्शन के लिए आते हैं। भस्म आरती का हिस्सा बनने के लिए भक्तों को पहले ही ऑनलाइन पंजीकरण करवाना होता है और इस दिन भस्म आरती के लिए नंबर या टोकन लेना पड़ता है और भक्त उसी दिन दर्शन के लिए आते हैं। पंजीकरण के लिए मंदिर द्वारा निर्धारित शुल्क भी देना होता है।

भस्म आरती की प्रक्रिया में पहले ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से आच्छादित किया जाता है, फिर भस्म रमाई जाती है। इसके बाद भगवान को रजत मुकुट, त्रिपुंड, रुद्राक्ष, मुंडमाला और फूलों से सजाया जाता है। यह शृंगार प्रतिदिन अलग-अलग रूप में किया जाता है, जो भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है। आज के 'चंद्र-कमल' शृंगार ने भक्तों का मन मोह लिया।

न्याय के देवता शनिदेव और यमराज क्यों पहनते हैं काले वस्त्र?

इस संपूर्ण ब्रह्मांड में मुख्य रूप से दो ही देवता हैं जो काले रंग के वस्त्र धारण करते हैं, दोनों ही सूर्य के पुत्र हैं। एक का नाम शनिदेव है और दूसरे का नाम यमराज है। ईश्वर ने इनको परम न्यायाधीश का कार्यभार सौंपा है। जीवित प्राणियों के संपूर्ण कर्मों का भुगतान शनिदेव करवाते हैं और मृत्यु के बाद कर्मों के भुगतान का कार्यभार यमराज का है। यदि यह दोनों देव काले कपड़े न पहनें और क्रूर न हों तो न्याय होना असंभव हो जाएगा, जैसे जातक ने क्रूरता, निर्दयतापूर्वक कर्म किये हुए होते हैं, वैसे ही उन कर्मों के फलस्वरूप उनका प्रायश्चित करवाते हैं।

न्याय के परम प्रतीक उपरोक्त दोनों देवताओं के अनुरूप यहां पृथ्वी पर समस्त न्यायकर्ता यानी जज और वकील भी काले कपड़े पहनकर ही न्याय करते हैं। यदि यह काले कपड़े न पहनें तो न्याय हो ही नहीं सकता। इसमें एक अन्य भी कारण है कि काले कपड़े पर दूसरा रंग नहीं चढ़ता।

जन्मपत्री में शनि अशुभ होने पर काले और नीले रंग से परहेज करने की सलाह ज्योतिर्विद देते हैं। शनि अकारक होने पर काले कपड़ों से परहेज करना आवश्यक है। जिनकी जन्मपत्रियों में शनि योगकारक होकर बलवान होते हैं, वे सफल अधिवक्ता एवं न्यायाधीश बनते हैं। बलवान शनि की डिग्री यानि अंश आदि बल से यह निर्धारित होता है कि शनि कितना

बलवान होने पर न्यायाधीश बनाएगा। शनि की प्रबलता के कारण ही अधिवक्ता एवं न्यायाधीश सदियों से काले वस्त्रों का प्रयोग करते आए हैं।

जैसा कि हम सब जानते हैं कि सूर्य के प्रकाश में सभी रंग समाहित होते हैं, लाल, नीला, हरा, पीला आदि, कोई वस्तु लाल दिखती है क्योंकि वह लाल रंग की रोशनी को वापस हमारी आँखों तक भेज देती है यानी परावर्तित करती है और बाकी रंगों को सोख लेती है। कोई वस्तु नीली दिखती है क्योंकि वह नीली रोशनी को लौटाती है। लेकिन काला वस्त्र या काली वस्तु सारी रोशनी को सोख लेती है, कोई भी रंग वापस नहीं भेजती। जब हमारी आँखों तक कोई रंग की रोशनी वापस नहीं पहुँचती, तो दिमाग उसे काला मान लेता है।

छोटी उंगली वाले नौकरी में बनाते हैं अपना करियर

जानें आपकी उंगलियों के बारे में सामुद्रिक शास्त्र से

सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के अंगों की बनावट से व्यक्ति के भविष्य के बारे में बताया गया है। हाथों की उंगलियों से लेकर शरीर के हर एक अंग का व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है इसकी जानकारी सामुद्रिक शास्त्र में दी गई है। सामुद्रिक शास्त्र और हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, उंगलियों की बनावट और हाथों पर मौजूद शनि, सूर्य, शुक्र, बुध, गुरु, मंगल और चंद्रमा पर्वत की बनावट, चिह्न और उंगलियों की लंबाई, चौड़ाई की बनावट से कई महत्वपूर्ण जानकारी पता लगती हैं। आइए जानते हैं सामुद्रिक शास्त्र से उंगलियों की बनावट से जुड़ी जानकारी।

उंगलियों से जानें भविष्य

✻ चकोर और लंबे पौर वाली उंगलियां : सामुद्रिक शास्त्र में बताया गया है कि जिसकी उंगलियां चौकोर, पौर लंबे हो साथ ही बुध और शनि पर्वत उभरे हुए हों और चंद्रमा और सूर्य पर्वत दोष रहित यानी कोई कटा हुआ चिह्न आदि न हो साथ ही सूर्य और चंद्र पर्वत पर हथेली में त्रिकोण का चिह्न बना हो। ऐसा व्यक्ति ज्योतिष विषय में रुचि रखता है और ज्योतिष का अच्छा ज्ञान रखता है।

✻ सभी उंगलियां अलग-अलग हो : अगर किसी व्यक्ति की सभी उंगलियों अलग-अलग हों यानी एक दूसरे से ज्यादा चिपरी हुई म हो। साथ ही बुध पर्वत उठा हुआ हो और बुध पर्वत की उंगली नुकली हों तो गुरु पर्वत की उंगली भी नुकली हों तो ऐसे व्यक्ति चीजों का पूर्वाभास कर लेता है।

✻ छोटी उंगली वाले व्यक्ति : अगर किसी व्यक्ति की उंगली छोटी होती है और भाग्य रेखा गायब हो और उंगलियों से लंबी हथेली हो तो ऐसा व्यक्ति नौकरी में अपना करियर बनाते हैं।

✻ सूर्य पर्वत और उंगली : अगर किसी व्यक्ति की सूर्य पर्वत वाली उंगली लंबी, सीधी और उसका पहला पोर लंबा हो। साथ ही मस्तक रेखा साफ और सीधी ऊपर की तरफ जाती हो। वहीं शनि की उंगली लंबी हो और शुक्र की उंगली नुकीली और गुरु पर्वत उठा हुआ हो तो ऐसा व्यक्ति अपने जीवन में सभी प्रकार को सुख भोगता है और राजा के समान अपना जीवन जीता है।

✻ कोमल उंगलियां : मंगल और शनि का पर्वत उठा हुआ हो और उंगलियां कोमल हो तो ऐसे व्यक्ति एक अच्छे लीडर के तौर पर काम करता है। ऐसे व्यक्ति की नेतृत्व क्षमता

✻ शुक्र पर्वत उठा हुआ होना : अगर किसी व्यक्ति का शुक्र पर्वत उठा हुआ होता हो और उंगली और अंगूठे का आगे वाला भाव थोड़ा नुकीला हो तो ऐसा व्यक्ति अच्छा अभिनेता बन सकता है।

✻ गुरु पर्वत पर तारे का चिह्न : अगर किसी व्यक्ति के गुरु पर्वत पर तारे का चिह्न हो तो ऐसे व्यक्ति को अच्छा धन लाभ मिलता है। साथ ही ऐसे लोगों का वैवाहिक जीवन भी काफी अच्छा होता है।

संपादकीय

शंकराचार्य बनाम साधु

तिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप अश्लील है कि उन्होंने और उनके शिष्य ने दो नाबालिग शिष्यों का यौन शोषण किया। जो आशुतोष ब्रह्मचारी नामक कथित साधु ने अदालत में शिकायत दर्ज की थी, वह भी एक और संन्यासी, कथित जगद्गुरु रामभद्राचार्य का शिष्य बताया जा रहा है। अदालत में जज के सामने धारा 164 के तहत नाबालिग शोषितों के बयान भी दर्ज करा दिए गए हैं। पॉक्सो की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। चूंकि मामला पॉक्सो का है, लिहाजा बेहद संवेदनशील है। क्या शंकराचार्य को जेल में भेजा जा सकता है? यदि ऐसा हुआ, तो बड़ा धार्मिक वज्रपात होगा, क्योंकि शंकराचार्य कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि सनातन के शिखर-पुरुष हैं, सर्वोच्च धर्मगुरुओं में शामिल हैं। जिस साधु-संत के असंख्य श्रद्धालु हैं, उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जिन्हें 'भगवान' मान कर प्रणाम करते हैं, एक और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, शंकराचार्य के ही, बटुकों की शिखा खींचने को 'महापाप' करार देते हैं और अपने आवास पर बटुकों का सम्मान करते हैं, उसी शख्स के शंकराचार्य होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सवाल उठाए थे। आश्चर्य है कि उप्र में यह क्या हो रहा है? हिंदुत्व और सनातन की कट्टर समर्थक, पैरोकार भाजपा की सरकार में सनातन-पुरुष पर ही घमासान क्यों मचा है? जो अभी तक शंकराचार्य हैं, जिनके पदनाम पर सर्वोच्च अदालत ने अभी तक कोई फैसला नहीं सुनाया है, जो शंकराचार्य सनातन के शिखर संतों में एक हैं और आदि शंकराचार्य की प्रतिमूर्ति हैं, उन्हें ही दुराचारी और बलात्कारी करार क्यों दिया जा रहा है? इन आरोपों की तुलना आसाराम बापू के केस से नहीं की जा सकती, क्योंकि उसमें बलात्कार की निरंतर पीड़िता नाबालिग कन्या के परिजनों ने भी शिकायतें दर्ज कराई थीं। मीडिया के सामने आकर दुष्कर्म-कथा सुनाई थी। आसाराम को 'भगवान' मानने वाले भी कम नहीं थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तक उनके 'भक्त' थे। मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी की आस्था, श्रद्धा भी उनके प्रति थी। आसाराम कई सालों से जेल में हैं। बीते दिनों स्वास्थ्य आधार पर उन्हें अंतरिम जमानत दी गई थी। क्या शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद भी यौनाचारी हैं अथवा शंकराचार्य पद की लड़ाई यौन शोषण तक मोड़ दी गई है? देश के तीन और शंकराचार्य तथा बड़े मठाधीश साधु-संत, महामंडलेश्वर और समूचे अखाड़े खामोश क्यों हैं? यह प्रहार किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सनातन धर्मगुरु पर किया गया है। यह पारदर्शी और स्पष्ट होना चाहिए। यदि आरोप फर्जी और बेबुनियाद हैं, तो शिकायतकर्ता को नहीं बख्शना चाहिए। सवाल है कि पीड़ित नाबालिगों के माता-पिता कहां हैं और उनके बयान सामने क्यों नहीं आए हैं? ऐसा लगता है कि यह लड़ाई शंकराचार्य और रामभद्राचार्य सरीखे साधुओं के दरमियान है, क्योंकि दोनों ही एक-दूसरे पर बयान-कीचड़ फेंक रहे हैं। क्या साधु-संन्यासी होने के बाद भी ऐसी खुन्नस, ईर्ष्या, विद्वेष के भाव रहने चाहिए? लानत है। दरअसल यौन शोषण को एक मुद्दा बना लिया गया है। महाकुंभ के दौरान तो सरकार इसी शंकराचार्य के पांव में पलक-पांवड़े बिछा रही थी। माघ मेले के दौरान शंकराचार्य और उप्र सरकार के बीच विवाद पैदा किए गए। उसी का निष्कर्ष यौन शोषण का आरोप लगता है। दरअसल जिस कथित महाराज ने शंकराचार्य पर यौनाचार के आरोप लगाए हैं, उनका अपना जीवन आपराधिक रहा है। उस पर 21 केस या तो अदालत के विचाराधीन हैं अथवा कुछ निपट गए हैं।

> जो आशुतोष ब्रह्मचारी नामक कथित साधु ने अदालत में शिकायत दर्ज की थी, वह भी एक और संन्यासी, कथित जगद्गुरु रामभद्राचार्य का शिष्य बताया जा रहा है। अदालत में जज के सामने धारा 164 के तहत नाबालिग शोषितों के बयान भी दर्ज करा दिए गए हैं। पॉक्सो की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। चूंकि मामला पॉक्सो का है, लिहाजा बेहद संवेदनशील है। क्या शंकराचार्य को जेल में भेजा जा सकता है? यदि ऐसा हुआ, तो बड़ा धार्मिक वज्रपात होगा, क्योंकि शंकराचार्य कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि सनातन के शिखर-पुरुष हैं, सर्वोच्च धर्मगुरुओं में शामिल हैं। जिस साधु-संत के असंख्य श्रद्धालु हैं, उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जिन्हें 'भगवान' मान कर प्रणाम करते हैं, एक और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, शंकराचार्य के ही, बटुकों की शिखा खींचने को 'महापाप' करार देते हैं और अपने आवास पर बटुकों का सम्मान करते हैं, उसी शख्स के शंकराचार्य होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सवाल उठाए थे। आश्चर्य है कि उप्र में यह क्या हो रहा है? हिंदुत्व और सनातन की कट्टर समर्थक, पैरोकार भाजपा की सरकार में सनातन-पुरुष पर ही घमासान क्यों मचा है? जो अभी तक शंकराचार्य हैं, जिनके पदनाम पर सर्वोच्च अदालत ने अभी तक कोई फैसला नहीं सुनाया है, जो शंकराचार्य सनातन के शिखर संतों में एक हैं और आदि शंकराचार्य की प्रतिमूर्ति हैं, उन्हें ही दुराचारी और बलात्कारी करार क्यों दिया जा रहा है? इन आरोपों की तुलना आसाराम बापू के केस से नहीं की जा सकती, क्योंकि उसमें बलात्कार की निरंतर पीड़िता नाबालिग कन्या के परिजनों ने भी शिकायतें दर्ज कराई थीं। मीडिया के सामने आकर दुष्कर्म-कथा सुनाई थी।

वैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों और नौकरशाहों के सार्वजनिक बयानों पर लगाम लगाने के लिए सुप्रीम अदालत द्वारा दिशा निर्देश बनाएं जाएं

राजनीतिक याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया

राजेश कुमार पासी

इस देश का विपक्ष जनता की अदालत में मोदी सरकार से नहीं लड़ पा रहा है, इसलिए वो कानून की अदालत में उसे घसीटना चाहता है। अभी तक कई मौकों पर विपक्ष अपनी चाल में कामयाब रहा है लेकिन लगता है कि नए सीजेआई इस चाल को समझ चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों एक मामले में टिप्पणी की थी कि वो राजनीति के लिए अदालतों का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दे सकते। उनका कहना था कि आजकल चुनाव के समय कुछ लड़ाई अदालतों में भी लड़ी जाती है। विपक्ष के कुछ बड़े वकील किसी न किसी मुद्दे पर मोदी सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में खड़े रहते हैं। इन वकीलों का सुप्रीम कोर्ट में इतना प्रभाव है कि एक ही दिन में मामले की सुनवाई शुरू हो जाती है। अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके ऐसे वकीलों ने मोदी सरकार के खिलाफ कई आदेश प्राप्त किये हैं। सीजेआई सूर्यकांत त्रिपाठी नहीं चाहते हैं कि कुछ वकील अपने एजेंडे के लिए माननीय अदालत का इस्तेमाल कर सकें। सुप्रीम कोर्ट ने 17 फरवरी को 12 प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सख्त रवैया अपनाया है। याचिकाकर्ताओं ने संवैधानिक नैतिकता के उल्लंघन को रोकने के लिए संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्तियों और नौकरशाहों के लिए दिशा-निर्देश तय करने की मांग की थी। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस नागरत्ना, और जस्टिस बागची की पीठ के सामने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पक्ष रखते हुए कहा कि देश का माहौल जहरीला हो गया है और सुप्रीम कोर्ट ही इसे सुधार सकता है। वास्तव में याचिकाकर्ताओं ने असम, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्रियों के बयानों को आधार बनाकर हेट स्पीच के खिलाफ कठोर दिशानिर्देश जारी करने की मांग की है। इसके अलावा इस याचिका में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े और कुछ नौकरशाहों के बयानों को भी शामिल किया गया है। याचिकाकर्ता चाहते हैं कि संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों और नौकरशाहों के सार्वजनिक बयानों पर लगाम लगाने के लिए सुप्रीम अदालत द्वारा दिशानिर्देश बनाएं जाएं। माननीय अदालत ने इस याचिका को सुनने से ही मना कर दिया। अदालत का मानना है कि ये याचिका भाजपा के मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए दायर की गई है। इस याचिका को देखकर लगता है कि सिर्फ भाजपा के मुख्यमंत्री ही हेट स्पीच देते हैं। माननीय न्यायाधीशों का यह भी कहना है कि ये याचिका अनुच्छेद-32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट आने के अधिकार का दुरुपयोग है। न्यायाधीशों का कहना है कि उच्च न्यायालय भी संवैधानिक न्यायालय होते हैं, उनके पास भी इसे सुनने का अधिकार है और उनके पास हमसे ज्यादा अधिकार हैं। अदालत का कहना है कि अनुच्छेद-32 के तहत अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए नागरिकों को सीधे सुप्रीम कोर्ट आने का अधिकार है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि राजनीतिक फायदों और नुकसान के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

खटखटा दिया जाए। खंडपीठ ने कहा कि याचिका में समस्या को उजागर करते हुए कुछ चुनिंदा व्यक्तियों पर निशाना साधा गया है। उनका कहना था कि यह याचिका पूर्ण रूप से एकतरफा दिखाई देती है। इसमें उन लोगों को शामिल नहीं किया गया है जो नियमित रूप से हेट स्पीच देते हैं। याचिका को देखकर लगता है कि सिर्फ इसमें शामिल लोग ही हेट स्पीच देते हैं। माननीय अदालत का कहना है कि याचिकाकर्ताओं को इसका ध्यान रखना चाहिए था कि याचिका सिर्फ कुछ व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए न हो। सीजेआई ने कहा कि याचिका महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके लिए निष्पक्ष याचिका दायर की जानी चाहिए। वास्तव में अदालत ने याचिकाकर्ताओं की मंशा को भी समझ लिया है। अदालत को समझ आ गया है कि कुछ लोग अपने एजेंडे के लिए उसका इस्तेमाल करना चाहते हैं। अगर हेट स्पीच से परेशानी होती तो ये लोग पार्टी विशेष को टारगेट नहीं करते। वास्तव में याचिकाकर्ताओं का उद्देश्य हेट स्पीच न होकर भाजपा के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आदेश पारित करवाना है। क्या वो नहीं जानते कि हेट स्पीच सभी पार्टियों के नेताओं द्वारा की जाती है। जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा को लेकर हेट स्पीच की बाढ़ आई हुई है। देखा जाए तो नफरती भाषण खत्म करने के नाम पर याचिका दाखिल करने वाले खुद ही नफरत से भरे हुए लोग हैं। इनकी नफरत ही इन्हें अदालत ले आई है। इनकी याचिका अपने आप में एक हेट स्पीच है जो कहती है कि भाजपा के तीन मुख्यमंत्री ही इस तरह से नफरत फैला रहे हैं। कितनी अजीब बात है कि दुराग्रह से ग्रस्त लोग हेट स्पीच बंद करवाना चाहते हैं जबकि यही लोग हेट स्पीच वालों के समर्थन में खड़े रहते हैं। हेट स्पीच को लेकर जब किसी के ऊपर कार्यवाही की बात आती है तो यही बड़े-बड़े वकील उनके लिए अदालत में खड़े हो जाते हैं। यही कारण है कि किसी के खिलाफ भी कार्यवाही नहीं हो पाती है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदयनिधि मारन ने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारी बता दिया था और कहा था कि इसका विरोध नहीं होना चाहिए बल्कि इसे खत्म कर देना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने हिंदी भाषा को लेकर कई बार जहर उगला है। अगर यही बात उन्होंने इस्लाम को लेकर कही होती तो यही याचिकाकर्ता उनके खिलाफ अदालत में खड़े होते। अजीब बात है कि एक धर्म को खत्म कर देने वाला बयान इन्हें हेट स्पीच नहीं लगता है। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र प्रियांक खड़गे ने भी हिन्दू धर्म को लेकर इतने कड़वे बोल बोले हैं कि उन्हें दोहराना अच्छा नहीं लगता। अगर भाजपा के नेता विपक्ष के नेताओं के खिलाफ हेट स्पीच करते हैं तो ये काम दूसरी तरफ से भी होता है। अजीब बात तो यह है कि सबसे ज्यादा नफरती बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिया जाता है। एक तरह से उन्हें सीधी गाली देने का चलन विपक्षी नेताओं ने शुरू कर दिया है। इसकी प्रतिक्रिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी भाजपा नेताओं द्वारा भद्दी भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। सवाल यह है कि यह कौन तय करेगा कि कौन ज्यादा नफरत फैला रहा है। पिछले कुछ समय से राजनीतिक माहौल में ज्यादा गर्मी बढ़ गई है, इसलिए एक-दूसरे के खिलाफ नफरती भाषा बढ़ती जा रही है। इस दौड़ में कोई पीछे नहीं है, इसलिए, किसी एक पक्ष को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। याचिकाकर्ताओं ने सिर्फ एक पक्ष के लोगों को नफरती बयान देने से रोकने की गुहार लगाई है। वो चाहते हैं कि अदालत उनको रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी करे। अगर सुप्रीम कोर्ट दिशानिर्देश जारी कर देता है तो उसके उल्लंघन को रोकने की जिम्मेदारी किस पर होगी। देखा जाए तो इन दिशानिर्देशों को लागू करने की जिम्मेदारी भी अदालत पर ही आ जायेगी। इसके बाद अदालत में इन दिशानिर्देशों के उल्लंघन के मामलों की बाढ़ आ सकती है। देखा गया है कि जब मोदी सरकार और भाजपा हिन्दू धर्म और अपने खिलाफ दिए गए बयानों पर कार्यवाही करती है तो विपक्ष अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को खतरे में बता देता है। वास्तव में किसी के नेता के भाषण के खिलाफ जब कार्यवाही शुरू की जाती है या सिर्फ कार्यवाही करने की बात भी की जाती है तो उसके पक्ष के लोग उसके बचाव में खड़े हो जाते हैं। बहुत कम ऐसा देखने में आया है कि अपने नेता की हेट स्पीच का बचाव न किया गया हो। राज्य सरकारें अपने राज्यों में अपनी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करती बल्कि उनका बचाव करती हैं। ये पक्षपाती रवैया सभी दलों द्वारा अपनाया जाता है। देखने में तो यह आया है कि जब उन नेताओं के खिलाफ मुकदमा दायर हो जाता है तो संबंधित राज्य सरकारें उनका मुकदमा जनता के पैसे से लड़ती हैं। अक्सर ऐसे मामलों में दूसरा पक्ष कितना भी शोर मचाये लेकिन संबंधित सरकारें मामला तक दर्ज नहीं करती। ऐसे मामलों को लेकर जनता जब अदालत जाती है तो मजबूरी में मामला दर्ज किया जाता है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा है कि राजनीतिक दलों के नेताओं को भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। अदालतें आदेश दे सकती हैं, लेकिन इनका पालन करना तो राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के हाथ में ही है। उनकी बात सभी दलों पर लागू होती है।

> विपक्ष के कुछ बड़े वकील किसी न किसी मुद्दे पर मोदी सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में खड़े रहते हैं। इन वकीलों का सुप्रीम कोर्ट में इतना प्रभाव है कि एक ही दिन में मामले की सुनवाई शुरू हो जाती है। अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके ऐसे वकीलों ने मोदी सरकार के खिलाफ कई आदेश प्राप्त किये हैं। सीजेआई सूर्यकांत त्रिपाठी नहीं चाहते हैं कि कुछ वकील अपने एजेंडे के लिए माननीय अदालत का इस्तेमाल कर सकें। सुप्रीम कोर्ट ने 17 फरवरी को 12 प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सख्त रवैया अपनाया है। याचिकाकर्ताओं ने संवैधानिक नैतिकता के उल्लंघन को रोकने के लिए संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्तियों और नौकरशाहों के लिए दिशा-निर्देश तय करने की मांग की थी। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस नागरत्ना, और जस्टिस बागची की पीठ के सामने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पक्ष रखते हुए कहा कि देश का माहौल जहरीला हो गया है और सुप्रीम कोर्ट ही इसे सुधार सकता है।

देश दुनिया से

राजस्व घाटा अनुदान की आंच में तपता सदन

आजकल चल रहा विधानसभा का बजट सत्र इस बार राजस्व घाटा अनुदान को लेकर पूरी तरह से तपा हुआ है। सत्ता पक्ष आरडीजी के न मिलने पर संविधान प्रदत्त अधिकारों के हनन और प्रदेश के प्रति हो रहे अन्याय को आधार बना कर आक्रामक है तो वहीं मुख्य विपक्षी दल भाजपा को न चाहते हुए भी केन्द्र सरकार के फैसले का बचाव करना पड़ रहा है। राजस्व घाटा अनुदान में यह कटौती धीरे धीरे आम जनता में भी बहस का विषय बनती जा रही है। इस कटौती को लेकर जहां एक ओर प्रदेश का कर्मचारी वर्ग अपने वेतन और पेंशन को लेकर चिंतित हैं तो वहीं दूसरी ओर आम जनमानस में प्रदेश के विकास के लिए धन की कमी होने को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। इन परिस्थितियों के मद्देनजर भविष्य में आरडीजी का मिलना या न मिलना प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में कितना असर डालेगा, इसका तथ्यात्मक विश्लेषण आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश का वित्तीय ढांचा चार स्तंभों पर टिका हुआ है। पहला राज्य के स्वयं के कर, दूसरा राज्य के स्वयं के गैर कर, तीसरा केंद्रीय करों मे हिस्सेदारी व चौथा केंद्रीय सहायता और अनुदान है। स्वयं के करों से हिमाचल को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16101 करोड़ रुपए और गैर करों से 4193 करोड़ रुपए अर्थात कुल मिलाकर 20294 करोड़ रुपए की आय हुई थी। मुख्यमंत्री के अनुसार इस बार प्रदेश को इन दोनों श्रेणियों में लगभग 26600 करोड़ रुपए की आय होने वाली है जिसका अर्थ है कि प्रदेश के पास पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना 6300 करोड़ रुपए अधिक होंगे। तीसरी श्रेणी में केंद्रीय करों में प्रदेश की हिस्सेदारी आती है। संविधान प्रदत्त इस अधिकार के तहत पिछले वर्ष हिमाचल को 11806 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे जिसमें इस बार 2388 करोड़ रुपए की वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा है। अब बात करते हैं केंद्रीय सहायता व अनुदानों की जिसका एक घटक राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) भी है। पिछले वित्तीय वर्ष में इस श्रेणी में केन्द्र सरकार से हिमाचल को कुल मिलाकर 10243 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे जिसमें 3257 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा अनुदान भी शामिल है। आरडीजी में कटौती का अर्थ यह नहीं है कि अन्य केंद्रीय सहायता व अनुदान भी बंद हो जाएंगे। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 'अन्य सहायता अनुदानों' में पर्याप्त वृद्धि के संकेत केन्द्र सरकार ने दिए हैं। आरडीजी में कटौती निश्चित रूप से प्रदेश के लिए कष्टप्रद है, पर यह अप्रत्याशित नहीं है क्योंकि वर्ष 2020-21 से ही यह हिमाचल प्रदेश को घटते क्रम में मिल रही है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी इसमें 3000 करोड़ रुपए की कटौती की गयी थी। हालांकि तब यह मुद्दा नहीं बना परन्तु अब सरकार इसे मुद्दा बनाने में सफल हो गई है। आरडीजी को लेकर राज्य सरकार का कहना है कि रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट राज्य का संवैधानिक अधिकार है, न कि कोई एहसान या दान। यह अनुदान संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत राज्य के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए दिया जाता है। केन्द्र सरकार इसे किसी भी हालात में रोक नहीं सकती है। जबकि संविधान का आर्टिकल 275 (1) का मुख्य उद्देश्य 'भारत की संचित निधि से उन राज्यों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाना है जहां जनजातीय क्षेत्रों के कल्याण व प्रशासन के स्तर को ऊपर उठाने की आवश्यकता है।' संविधान के इस अनुच्छेद में आरडीजी का कहीं भी कोई उल्लेख नहीं है, जिससे यह कहा जाए कि यह अनुदान नहीं बल्कि अधिकार है। दूसरा यह अधिकार होता तो देश के अन्य राज्य इस अधिकार को प्राप्त करने के लिए अब तक न्यायालय पहुंच चुके होते क्योंकि यह ग्रांट चुन्निंदा राज्यों को ही मिलती रही है। हालांकि आरडीजी किसी भी तरह से अधिकार नहीं है, परंतु लम्बे समय से प्रदेश को इस मद में मिल रहे अनुदान से हमें यह बोधभ्रम हो गया है कि यह अनुदान नहीं हमारा अधिकार है। 2010-15 के पांच वर्षों के लिए यह आरडीजी जहां मात्र 7889 करोड़ थी तो वहीं 2015-25 के दस वर्षों के दौरान इस मद में हिमाचल को केन्द्र सरकार से 89254 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि कभी भी इस धनराशि का उपयोग इसके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नहीं हुआ। आज प्रदेश पर कर्ज और वित्तीय देनदारियों का बोझ 1.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। आरडीजी के तहत प्राप्त इस धनराशि से प्रदेश का कर्ज ही चुकाया होता तो प्रदेश को हर महीने लगभग 500 करोड़ रुपए ब्याज और 300 करोड़ रुपए मूलधन की अदायगी नहीं करनी पड़ती और आज प्रदेश को चलाने के लिए केन्द्र की बैसाखियों की जरूरत नहीं पड़ती। पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश की राजस्व आय 42371 करोड़ रुपए आंकी गयी थी। इसमें प्रतिबद्ध व्यय 35222 करोड़ रुपए था जिसमें वेतन 16635 करोड़ रुपए, पेंशन 11847 करोड़ रुपए व 6739 करोड़ रुपए ब्याज भुगतान शामिल है। वर्ष 2026-27 में प्रदेश की राजस्व आय 49000 करोड़ रुपए के आसपास रहने का अनुमान है जिसमें उपरोक्त मदों में प्रतिबद्ध व्यय लगभग 38000 करोड़ ही होगा। ऐसे में प्रदेश में किसी भी तरह के वित्तीय संकट के कोई लक्षण नहीं हैं। पर जिस तरह वित्त विभाग के सहारे विपरीत वित्तीय परिस्थितियों का मिथक गढ़ कर और उसका ठीकरा केंद्र पर फोड़ा गया, उससे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एक तीर से कई निशाने साधने में कामयाब हुए हैं। डीए छोड़ कर्मचारियों को समय पर वेतन और पेंशन मिल जाए, यही उनके लिए बड़ी बात होगी। वहीं भाजपा आरडीजी के मसले पर नेतृत्व व रणनीति के अभाव में सदन की तपिश सहन नहीं कर पा रही है।

> सत्ता पक्ष आरडीजी के न मिलने पर संविधान प्रदत्त अधिकारों के हनन और प्रदेश के प्रति हो रहे अन्याय को आधार बना कर आक्रामक है तो वहीं मुख्य विपक्षी दल भाजपा को न चाहते हुए भी केन्द्र सरकार के फैसले का बचाव करना पड़ रहा है। राजस्व घाटा अनुदान में यह कटौती धीरे धीरे आम जनता में भी बहस का विषय बनती जा रही है। इस कटौती को लेकर जहां एक ओर प्रदेश का कर्मचारी वर्ग अपने वेतन और पेंशन को लेकर चिंतित हैं तो वहीं दूसरी ओर आम जनमानस में प्रदेश के विकास के लिए धन की कमी होने को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। इन परिस्थितियों के मद्देनजर भविष्य में आरडीजी का मिलना या न मिलना प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में कितना असर डालेगा, इसका तथ्यात्मक विश्लेषण आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश का वित्तीय ढांचा चार स्तंभों पर टिका हुआ है।

आप का नज़रिया

बनते-बिगड़ते शहर

शहरीकरण की बढ़ती जरूरतों के बीच हिमाचल के शहरों का कायाकल्प कैसे होगा, यह नागरिक समाज को भी तय करना पड़ेगा। बेशक नए नगर निगमों की नुमाइश में शहरी विकास की सीमाएं बढ़ाई जा रही हैं या ग्रामीण संसद से शहरी परिवेश की बहस तक नए संकल्प खड़े हो रहे हैं, लेकिन नागरिक जवाबदेही के प्रति उत्तर भी चाहिएं। शिमला ने अपने बजट के स्रोतों का सीना चौड़ा करते हुए पिछले साल के 188 करोड़ के प्रस्तावित खर्च को इस बार 688 करोड़ तक पहुंचा दिया। यानी एक ही साल में 500 करोड़ की अतिरिक्त राशि से विकास की अधोसंरचना का खाका बनाया है। दो सौ करोड़ के ऋण से फ्लैट बनाएगा, जबकि व्यावसायिक परिसर, पार्क पार्किंग तथा सामुदायिक भवनों की दिशा में कुछ कर दिखाने का वादा किया है। यहां प्रश्न शिमला की लिगेसी का भी है। शिमला में कई परंपराएं आबाद रही हैं। ब्रिटिश साम्राज्य की धरोहरों में शिमला की धूप और छांव के प्रश्न आज भी जिंदा हैं, तो माल रोड से रिज को मापते कदमों में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। एक शिमला वो है जो इतिहास के पन्नों से निकलता है और एक वो जो आजादी के बाद का हाल बताता है। शिमला को समझने के लिए नगरनिगम तो नागरिक सुविधाओं के पालने में आगामी चुनाव की ओर देखेगा, तो सरकार की सीट होने के कारण शिमला की आंख में सियासी सुरमा भी डाला जाएगा। एक बड़ी कहानी उस स्मार्ट सिटी की भी है, जिसकी आंतें निकल आईं। बढ़ता कंक्रीट का शृंगार और लोहे के गहने पहना कर हमने इसके विकास का गोत्र बदल दिया। कभी शिमला विकास प्राधिकरण बना था, तो लगा कि योजनाएं अगली सदी तक फैल जाएंगी, मगर न्यू शिमला बनाते-बनाते हमने साबित कर दिया कि लिगेसी का कचूमर किस हद तक निकालेंगे। शिमला आज भी दूध-दही और ब्रेड पर बिकती दुकान है, जहां आयातित सामग्री की फूड चेन पड़ोसी राज्यों तक पहुंच जाती है। प्रदेश की राजधानी को दिल में छुपाए नगर निगम ने ऐसा क्या किया कि यह शहर समस्त हिमाचल का ठौर बन जाए। बतौर कैपिटल भी तो कुछ जिम्मेदारियां शहर के निगम की होनी चाहिएं। पीने के पानी की बोतलें तो बिकती रहेंगी, लेकिन शहर की जलापूर्ति का समाधान क्यों शिमला की तस्वीर को पिछड़ा बना देता है। अभी गर्मियों में शिमला जब पर्यटकों से लबालब होगा, तो शहर के आस्तीन से कुरूपता के सांपों को कौन हटाएगा। कमोबेश हिमाचल के हर शहर के कई आयाम और विकास के गंतव्य का स्थान बन रहे हैं। शिमला नगर निगम एक रेंगती हुई मशीन की तरह सांस ले रहा है, वरना अब तक स्टेट कैपिटल रिजन (एस सी आर) के तहत इसके बाजुओं में दम भर जाता। यह बाबुओं, अधिकारियों ब्यूरोक्रेट्स और नेताओं का शहर है, इसलिए विकास की खींचातान में स्वार्थ की लाबिंग होती रही है। नगर निगम और सरकार के बीच स्टेट कैपटिल रिजन की समझ पनपती और दायित्व बांटा जाता, तो आज शिमला सोलन से ही शुरू होकर अपने दबाव कम कर लेता। वाकनाघाट की कई योजनाओं में कतरे बहाए गए या अब जाठिया देवी टाऊनशिप की आंख में शिमला को देखा जा रहा है, मगर यह कोई समाधान नहीं। शिमला को ऐसे विकास का परिवेश चाहिए, जो राजधानी की पर्वतीय गरिमा का संरक्षण कर सके। इसके लिए वर्तमान शिमला के बोझ को कम करते हुए आसपास एक कर्मचारी नगर बसाना होगा तथा कुछ सेटेलाइट टाउन बसा कर एलिवेटिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम विकसित करना होगा। हिमाचल के तमाम शहरों के बीच कलस्टर प्लानिंग होनी चाहिए। दो या तीन शहरों के बीच विकास के कॉमन पूल यानी किसी मध्यवर्ती स्थान पर कर्मचारी नगर, बस टर्र्मिनल, अदालती परिसर, सब्जी-अनाज मंडी व ट्रांसपोर्ट नगर बसा कर बढ़ती ट्रैफिक और मानवीय गतिविधियों के बोझ को घटाया जा सकता है। इसके लिए प्रदेश भर में कम से कम आधा दर्जन क्षेत्र विशेष शहरी विकास प्राधिकरण बना कर विकास का ऐसा मॉडल विकसित किया जा सकता है जहां गांव से शहर तक नागरिक सुविधाओं का एक समान प्रसार होगा। कमोबेश हर शहर के पुनर्गठन की दृष्टि से सर्वप्रथम लैंड बैंक बनाया जाए, सरकारी इमारतों की किफायती इस्तेमाल तथा उपलब्ध जमीन की फिजूलखर्ची रोकी जा सकती है। इसके लिए सरकारी संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल, देखरेख तथा आबंटन के लिए स्टेट एस्टेट विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण स्थापित करना होगा।

> नए नगर निगमों की नुमाइश में शहरी विकास की सीमाएं बढ़ाई जा रही हैं या ग्रामीण संसद से शहरी परिवेश की बहस तक नए संकल्प खड़े हो रहे हैं, लेकिन नागरिक जवाबदेही के प्रति उत्तर भी चाहिएं। शिमला ने अपने बजट के स्रोतों का सीना चौड़ा करते हुए पिछले साल के 188 करोड़ के प्रस्तावित खर्च को इस बार 688 करोड़ तक पहुंचा दिया। यानी एक ही साल में 500 करोड़ की अतिरिक्त राशि से विकास की अधोसंरचना का खाका बनाया है। दो सौ करोड़ के ऋण से फ्लैट बनाएगा, जबकि व्यावसायिक परिसर, पार्क पार्किंग तथा सामुदायिक भवनों की दिशा में कुछ कर दिखाने का वादा किया है। यहां प्रश्न शिमला की लिगेसी का भी है। शिमला में कई परंपराएं आबाद रही हैं। ब्रिटिश साम्राज्य की धरोहरों में शिमला की धूप और छांव के प्रश्न आज भी जिंदा हैं, तो माल रोड से रिज को मापते कदमों में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। एक शिमला वो है जो इतिहास के पन्नों से निकलता है और एक वो जो आजादी के बाद का हाल बताता है। शिमला को समझने के लिए नगरनिगम तो नागरिक सुविधाओं के पालने में आगामी चुनाव की ओर देखेगा, तो सरकार की सीट होने के कारण शिमला की आंख में सियासी सुरमा भी डाला जाएगा।

कुछ अलग

गोबर, गौमूत्र व गलघोटिया

मैं अभी तक यह तय नहीं कर पा रहा हूं कि हम देश का गला गोबर और गौमूत्र से घोट रहे हैं या अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए स्वयं अपना गला घोट कर गलघोटिया बनने की राह पर तेज़ी से अग्रसर हैं। सत्ता में बैठे लोगों का कृपा पात्र बने रहने के लिए लोग अब उसके तलवे ही नहीं उसका थूका हुआ भी चाटने को तैयार बैठे हैं। इसके आगे 'अपना थूका हुआ चाटना' जैसी कहावत भी लिलीपुट साबित हो रही है। समझ में नहीं आ रहा कि लोगों का क़द छोटा हो रहा है या बढ़ती उम्र के साथ मेरी आंखों में इतना फर्क आ गया है कि झाडियां भी ताड़ के पेड़ की तरह नजऱ आने लगी हैं। किसी दफ्तर के बाहर बैठा पियून भी ट्रंप या नेतन्याहू से कम नजऱ नहीं आता। इसी तरह के भक्तों और संस्थाओं की फौज को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि उनींदा समाज उनकी लोरियां सुनते हुए मुसलसल सोया ही रहे। अपने भक्तों की भक्ति देखने के लिए आका ने पिछले दशक में हवा में गोबर फैंका और भक्तों ने उसे इस तरह लपका मानो राम रहीम या आसाराम जैसे किसी महान संत ने अपने भक्तों की भीड़ में प्रसाद या फूल माला फैंकी हो। अब भक्तों को गोबर कोहिनूर या सोने से अधिक महंगा नजऱ आता है। लोग गौमूत्र का सेवन इस तरह कर रहे हैं मानो बाज़ार में कोई नया हैल्थ ड्रिंक आया है। भक्तों द्वारा अक्ल को गोबर के ढेर में दबाने से सत्ताधीशों की चांदी हो गई है। अब उनसे कोई भी रोज़मर्रा की जिंदगी से जुड़ी मुश्किलात के बारे में सवाल नहीं करता। अगर भूले से कोई तर्कशील व्यक्ति सत्ता से सवाल पूछ ले तो भक्तों की फौज किसी रोबो डॉग की तरह उसका पीछा करना शुरू कर देती है।

दृष्टि कोण

एआई का लोकतांत्रिकीकरण करना होगा

हाल ही दिल्ली में एआई इम्पैक्ट सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूरी दुनिया एआई के असर से हिल गई है। इस मुद्दे पर बहुत मंथन हो रहा है, क्योंकि एक तरफ एआई जिंदगी को आसान बना रहा है, फैसले लेने की रफ्तार तेज कर रहा है, बिजनेस विश्लेषण को ज्यादा सटीक बना रहा है, मेडिकल डायग्नोसिस को बेहतर और किफायती बना रहा है, ज्यादा डिजिटल उत्पाद बनाना मुमकिन बना रहा है, एक नई इकॉनमी को बढ़ावा दे रहा है, जिसे आम तौर पर 'ऑरेंज इकॉनमी' कहा जाता है, वहीं हमारी आबादी पर भारी बेरोजगारी का खतरा मंडरा रहा है, जो पहले से ही हमारे युवाओं के लिए रोजगार के मौकों की कमी से जूझ रही है। जबकि, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले औद्योगिक क्रांति जैसे प्रौद्योगिकीय बदलाव को नजरअंदाज नहीं कर सकता, लेकिन एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर कुछ बड़ी कंपनियों के पास होने के साथ, डेटा, जो इन एआई बड़ी कंपनियों को मजबूत बना रहा है, वह सब हमारे जैसे विकासशील देशों से मिल रहा है। ऐसे में हम डिजिटल उपनिवेशीकरण के मूक दर्शक बने नहीं रह सकते। हालांकि एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का नियंत्रण बना हुआ है, भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के निर्माण और बड़े पैमाने पर पहचान-प्रमाणीकरण में एआई/डेटा तकनीकों के उपयोग में विश्व स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाई है। जैम ट्रिनिटी, यानी जन धन बैंक अकाउंट, आधार और मोबाइल बैंकिंग की मदद से, सरकार कल्याणकारी योजनाओं, जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), गरीबों के लिए घर और कई दूसरी योजनाओं को बनाने और लागू करने में मदद कर रही है, और भ्रष्टाचार को लगभग खत्म करने और सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने में सफल रही है। हमें नए कानून भी मिले हैं, जैसे विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण), विकसित भारत- जी राम जी एक्ट 2025, जो एआई इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सरकारी योजना में

भ्रष्टाचार कम करने में मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में एआई एक्सरे, स्कैन और रिपोर्ट के विश्लेषण में तेजी से मदद कर रहा है। जानलेवा बीमारियों का जल्दी पता लगाना और उनका अनुमान लगाना भी एआई की वजह से मुमकिन हुआ है। हम एआई समर्थित ऐप्स का इस्तेमाल करके अपनी रोजाना की शारीरिक गतिविधि को चला सकते हैं, जिसमें चलना, रक्तचाप और डायबिटीज की निगरानी वगैरह शामिल हैं।

बेरोजगारी और असमानता : रोजगार एआई का एक बड़ा शिकार है, और सभी क्षेत्रों में नौकरियों का सफाया एक सच्चाई बन चुकी है। मीडिया, मनोरंजन, कॉल सेंटर और यहां तक कि सॉफ्टवेयर क्षेत्र भी एआई का असर झेलने लगा है। बड़ी फैक्ट्रियां एआई समर्थित कंप्यूटर प्रोग्रामों की मदद से सामान बनाती हैं, जिससे भारी बेरोजगारी हो रही है। एआई ने लोगों या बिजनेस का काम करने वाले निजी सहायक की भी जगह लेना शुरू कर दिया है। इससे समाज में यह डर पैदा हो रहा है कि भविष्य में और भी बड़ी नौकरियां जा सकती हैं। भारत सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में बताया गया है कि भारत के आकार और प्रति व्यक्ति आय उसके मुकाबले कम होने की वजह से, भारतीय श्रम बाजार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का असर ज्यादा होगा। इसमें चेतावनी दी गई है कि कंपनियों द्वारा एआई को बिना सोचे-समझे अपनाने से सभी की हालत खराब हो जाएगी और देश की ग्रोथ क्षमता को नुकसान होगा। सर्वेक्षण में कहा गया है, 'सरकार को श्रम के उपयोग को टेक्नोलॉजी से बदलने से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगाना होगा।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शाद-शुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरुरी कामों को समय न देना और फिज़ूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालाँकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है- क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन-साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 फरवरी 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 02:43 तक
नक्षत्र : रोहिणी दोपहर 01:39 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 01:28 तक
करण : बालव दोपहर 03:48 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 12:55 तक
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : होलाष्टक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पीएम मोदी की 28 फरवरी को प्रस्तावित अजमेर यात्रा

सीएम भजनलाल शर्मा ने आयोजन स्थल पर किया तैयारियों का अवलोकन

अजमेर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अजमेर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 28 फरवरी को प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। शर्मा ने सभा स्थल कायड़ विश्राम स्थली का अवलोकन किया और उच्च अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने आयोजन स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, यातायात, सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि यातायात सुचारू रहने के साथ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर राजस्थान को विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगातें देंगे। इस दौरान एचपीवी वैक्सीन की लॉन्चिंग भी की जाएगी। साथ ही, बड़ी संख्या में युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियों को समय पर पूरा किया जाए।

इस दौरान केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना के तहत प्रदेश के 61 लाख पशुओं का नि:शुल्क इलाज : जोराराम

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना के माध्यम से पशुपालकों को घर बैठे पशुओं के लिए नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि 24 फरवरी, 2024 से प्रारंभ इस योजना के तहत 15 फरवरी, 2026 तक मोबाइल वेटरनरी यूनिट द्वारा ऑन-कॉल सेवाओं एवं शिविरों के माध्यम से 15 लाख 99 हजार 840 पशुपालकों के कुल 61 लाख 30 हजार 856 पशुओं का नि:शुल्क उपचार किया गया है। उन्होंने बताया कि चूरू जिले में 35 हजार 466 पशुपालकों के 1 लाख 23 हजार 374 पशुओं का उपचार किया गया, जबकि चूरू विधानसभा क्षेत्र में 7 हजार 666 पशुपालकों के 36 हजार 549 पशुओं का नि:शुल्क इलाज किया गया। उन्होंने बताया कि योजना प्रारंभ होने (24 फरवरी, 2024) के समय विभाग का कॉल सेंटर शुरू नहीं हो पाने के कारण विभाग द्वारा गांव-गांव में शिविर आयोजित कर पशुपालकों को लाभान्वित किया गया। इन शिविरों में इलाज किये गए पशुओं की संख्या भी इन आंकड़ों में शामिल है। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर, 2024 को विभाग का कॉल सेंटर प्रारंभ किया गया तथा 31 दिसंबर, 2024 से यूनिट द्वारा पशुओं का ऑन-कॉल नि:शुल्क उपचार नियमित रूप से प्रदान किया जा रहा है।

पशुपालन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक हरलाल सहारण द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना की सफलता एवं प्रदेश की विशाल भौगोलिक स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा केंद्रीय पशुपालन मंत्री से प्रदेश में मोबाइल यूनिटों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया गया है।कुमावत ने बताया कि यह योजना केंद्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत संचालित की जा रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

नामांकन अनुपात बढ़ाने एवं ड्रॉपआउट दर में कमी लाने पर जोर

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन बिंदुओं की अनुपालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने की। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में आईटीसी लैब्स, साइंस लैब्स, स्मार्ट क्लासरूम, निपुण भारत मिशन, बालिका शौचालय, मिड डे मील, विद्यालयों की बुनियादी एवं आधारभूत संरचना, ई-लर्निंग, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावसायिक शिक्षा, डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम तथा आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई।कृणाल ने इन सभी क्षेत्रों में वर्तमान प्रगति एवं स्थिति का संज्ञान लिया और विशेष रूप से विद्यालयों में नामांकन अनुपात बढ़ाने एवं ड्रॉपआउट दर में कमी लाने पर जोर दिया।

ग्रामीण क्षेत्र के 5565 सब स्टेशनों में से 4115 में दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति : हीरालाल नागर

जयपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार ने विगत दो वर्ष में योजनाबद्ध रूप से प्रदेश के विद्युत तंत्र को मजबूती दी है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार वर्ष-2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस संकल्प की क्रियान्विति के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित 33 केवी के 5 हजार 565 सब स्टेशनों में से 4 हजार 115 सब स्टेशनों में दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

नागर मंगलवार को विधान सभा में ऊर्जा विभाग की (मांग संख्या-54) अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने ऊर्जा विभाग की 2 खरब 63 अरब 55 करोड़ 58 लाख 41 हजार रूपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि शेष 1450 सब-स्टेशनों में दिन में विद्युत आपूर्ति के लिए विद्युत तंत्र को सुदृढ़ किया जा रहा है।

नागर ने कहा कि राजस्थान आज अक्षय ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा में देश में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। हमारी स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता 43.8 गीगावाट तक पहुंच गई है। मात्र दो साल में अक्षय ऊर्जा क्षमता में 20,017 मेगावाट की बढ़ोतरी हुई है। विगत दो वर्ष में सौर ऊर्जा में लगभग 19,913 मेगावाट की बढ़ोतरी हुई है। देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता में हमारी भागीदारी लगभग 27 प्रतिशत और अक्षय ऊर्जा में 16 प्रतिशत से अधिक पहुंच गई है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बिजली की कुल औसत खरीद दर में कमी की है। पूर्ववर्ती सरकार के समय यह 5 रूपए 7 पैसे प्रति यूनिट रही है। इसमें हमने 22 पैसे प्रति यूनिट की कमी की है। हमारे समय में यह औसत दर 4 रूपए 85 पैसे प्रति यूनिट है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के प्रयासों का परिणाम है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में वितरण हानियां 17.10 प्रतिशत थी जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 14.30 प्रतिशत तक आ गई। इस दौरान एटीएंडसी लॉसेज 21.81 प्रतिशत से घटकर 15.27 प्रतिशत तक आ गए हैं। गत सरकार के समय वर्ष 2022-23 में 20 पैसे एवं 2023-24 में 31 पैसे प्रति यूनिट का नुकसान (एसीएस- एआरआर गैप) था, जो अब हमारे कार्यकाल के वर्ष 2024-25 में 4 पैसे प्रति यूनिट के लाभ में परिवर्तित हो गया है।

नागर ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रसारण तंत्र को सुदृढ़ करने पर पूरा ध्यान दिया है। विगत सरकार ने पूरे 5 वर्ष में 400 केवी, 220 केवी और 132 केवी के कुल 44 ग्रिड सब स्टेशन ही स्थापित किए थे। इसके विपरीत हमने दो साल में ही 53 ग्रिड सब स्टेशन स्थापित कर दिये। इसके अलावा 33 केवी के 396 जीए-सएस भी स्थापित किए हैं। इसी प्रकार पूर्ववर्ती सरकार ने राज्य के उपयोग के लिए सभी स्त्रोतों से 5 वर्ष में मात्र 3958 मेगावाट क्षमता की बढ़ोतरी की, जबकि हमारी सरकार ने दो साल में ही 8413 मेगावाट अर्थात दोगुनी उत्पादन क्षमता जोड़ी है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने पीएम कुसुम योजना में 3035 मेगावाट की 1340 विकेन्द्रित परियोजनाएं स्थापित की हैं। कुसुम कम्पोनेंट-ए में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है और कुसुम-सी में दूसरे स्थान पर है। हमारी सरकार के समय में दिसम्बर 2025 तक कुसुम संयंत्रों से 2,682 मिलियन यूनिट बिजली औसत 3 रूपए 21 पैसे प्रति यूनिट की दर से खरीदी गई, जिससे डिस्कॉम्स को लगभग 440 करोड़ रूपए की बचत हुई है।

स्वच्छता सर्वे में फिसड्डी शहर, सरकार के दावों की खुली पोल: सैलजा

सिरसा, 24 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में हाल ही में सामने आई स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट ने राज्य सरकार के दावों की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहर, जो प्रदेश के राजस्व में 70 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं, स्वच्छता के मामले में सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वालों में शामिल पाए गए हैं। 10 में से मात्र 4.5 अंक मिलना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि शहरी विकास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं दी गई। यह बात सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आज मीडिया को जारी एक बयान में कही। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि रिपोर्ट में यह तथ्य भी सामने आया है कि कई नगर निकायों में 50 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। जब निरीक्षण, मॉनिटरिंग और कचरा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण पद खाली हो, तो व्यवस्थाओं का प्रभावित होना स्वाभाविक है। यह स्थिति प्रशासनिक कमजोरी को दर्शाती है, जिसे समय रहते सुधारना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डबवाली और सिरसा सहित प्रदेश के कई शहरों की स्थिति चिंताजनक बताई गई है। करोड़ों रुपये सफाई व्यवस्था पर खर्च होने के बावजूद बाजारों, गलियों और कॉलोनियों में कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं। नगर परिषदों द्वारा निजी कंपनियों को ठेके दिए जाने के बावजूद डोर-टू-डोर कलेक्शन, कचरा पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्मार्ट सिटी और स्वच्छता को लेकर किए गए बड़े दावों के बीच सरकार की अपनी सर्वे रिपोर्ट ही जमीनी हकीकत सामने ला रही है। इससे प्रतीत होता है कि 'गार्बेज मैनेजमेंट' व्यवस्था की पारदर्शिता और कार्यक्षमता की गंभीर समीक्षा की आवश्यकता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि प्रदेश की जनता स्वच्छ वातावरण और बेहतर शहरी सेवाओं की अपेक्षा रखती है।

जनविरोधी व दमनकारी नीतियों के खिलाफ हरियाणा कांग्रेस का आज विधानसभा का घेराव : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 24 फरवरी (एजेंसियां)। मौजूदा सरकार की जनविरोधी और दमनकारी नीतियों के विरोध में हरियाणा कांग्रेस ने निर्णायक संघर्ष का ऐलान किया है। हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में 25 फरवरी प्रातः 11:00 बजे हरियाणा विधानसभा का घेराव किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विधानसभा घेराव में हरियाणा प्रभारी बी.के. हरिप्रसाद, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल, प्रफुल्ल गुडथे, सांसद कुमारी शैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, मनरेगा बचाओ संग्राम हरियाणा के समन्वयक लखन सिंगला सहित सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे और अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएंगे। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि आमजन के अधिकारों पर हो रहे निरंतर प्रहार को कांग्रेस किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा के मूल स्वरूप में बदलाव कर सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर करने पर तुली हुई है। कांग्रेस द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को समाप्त करने की नीयत से सरकार निरंतर निर्णय ले रही है, जिससे जनता पर नई-नई परेशानियां थोपी जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन में किए गए बदलाव बुजुर्गों के सम्मान पर सीधा आघात हैं। राशन कार्डों में नाम काटकर पात्र लाभार्थियों से खाद्य सुरक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। वहीं एचपीएससी के माध्यम से की गई भर्तियों में प्रदेश के युवाओं के साथ अन्याय किया जा रहा है, जिसकी कांग्रेस कड़ी निंदा करती है।

प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों और आम जनता की आवाज को दबाने वाली नीतियों के खिलाफ पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। इसी क्रम में विधानसभा का घेराव कर सरकार को जनता की वास्तविक समस्याओं से अवगत कराया जाएगा।

विस अध्यक्ष कल्याण ने सदस्यों से की व्यवस्था बनाए रखने की अपील

चंडीगढ़, 24 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को बजट सत्र के दौरान विधायकों से सदन और विधान परिसर के आसपास अनुशासन बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने नाते विधायकों के अधिकार भी हैं और विशेषाधिकार भी, लेकिन उन्हें अपनी सीमाओं का भी पालन करना चाहिए। विस अध्यक्ष ने यह ऑब्जर्वेशन मंगलवार सुबह विपक्षी विधायकों की ओर से विधान परिसर में किए गए रोष प्रदर्शन से पैदा हुई परिस्थिति से असंतुष्ट होकर दी है। बता दें कि विपक्षी दल के विधायकों ने मंगलवार सुबह विधान परिसर में अध्यक्ष के गेट पर सरकार के खिलाफ रोष किया था। इस प्रदर्शन के चलते विधान सभा परिसर में व्यवस्था कायम करने में कड़ी मशक्कत का सामना करना। मुख्यमंत्री और कई मंत्रियों को असुविधा हुई और उन्हें निर्धारित गेट की बजाय की दूसरे रास्ते से आना पड़ा। भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने इस विषय को सदन में उठाया, जिस पर विस अध्यक्ष ने अपनी ऑब्जर्वेशन दी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। पक्ष और विपक्ष की अपनी-अपनी भूमिका है। वेल में आकर प्रदर्शन करना संसदीय प्रथाओं के खिलाफ है। इसमें भी अनेक विधायकों का हावभाव (बॉडी लैंग्वेज) अपेक्षा के अनुरूप नहीं था।

विपक्ष बुजुर्गों की पेंशन काटने की अफवाहें फैलाकर पाप कर रहा है : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 24 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बुजुर्ग हमारे सम्मानीय हैं और उनकी सुरक्षा और सम्मान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री हरियाणा विधान सभा के बजट सत्र के दौरान पेंशन काटने के संबंध में एक सवाल के संबंध में बोल रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संकल्प पत्र में यह स्पष्ट किया है कि 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग यदि किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं, तो उनके परिवार को ईलाज की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उनके ईलाज की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार ने व्यवस्था करते हुए 5 लाख रुपये तक राशि सुनिश्चित कर रखी है। उन्होंने पेंशन को लेकर विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा पेंशन बंद किए जाने को लेकर विपक्ष अफवाहें फैला रहा है। यह अफवाहें फैलाकर पाप कर रहे है कि बुजुर्गों की पेंशन काट दी गई है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के बीच ऐसा भ्रम फैलाना पूरी तरह गलत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पेंशन काटी नहीं है, बल्कि उसमें बढ़ोतरी कर उनके सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। प्रदेश में आज बुजुर्गों को उनके मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से सूचना मिलती है कि उनकी पेंशन बैंक खाते में जमा हो गई है। वे आसानी से बैंक से राशि निकाल सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार के समय की तुलना करते हुए कहा कि पहले बुजुर्गों को कई महीनों तक पेंशन नहीं मिलती थी। उन्हें कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे। गर्मी और दूरी में परेशानियां होती थीं, और उनकी कोई सुध लेने वाला नहीं था।

उन्होंने कहा कि पेंशन के संबंध में यदि कोई शिकायत आती है तो उसे सत्यापित करना सरकार की जिम्मेदारी है। सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान पेंशन को होल्ड कर दिया जाता है, लेकिन सत्यापन पूरा होते ही राशि जारी कर दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने बुजुर्गों के लिए पारदर्शी, सम्मानजनक और सुविधाजनक व्यवस्था बनाई है।

आत्मसमर्पण करने वाली माओवादी ने सरकार से इनाम राशि की मांग की

मंचेरियाल, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । आत्मसमर्पण करने वाली माओवादी पसुला वसंत आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही हैं, क्योंकि उन्हें आत्मसमर्पण के समय सरकार द्वारा वादा की गई इनाम राशि नहीं मिली है। सोमवार को वसंत ने जन शिकायत निवारण कार्यक्रम 'प्रजावाणी' के दौरान कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें जिला प्रशासन से पुरस्कार राशि जारी करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया गया।

कोरुतला की मूल निवासी वसंत ने अपने पति पसुला राम रेड्डी के साथ 42 साल पहले पीपुल्स वॉर ग्रुप में शामिल होने का निर्णय लिया था। हालांकि उनके पति का निधन 2000 में हो गया, लेकिन उन्होंने पार्टी की विचारधारा से विचलित हुए बिना उसमें अपना योगदान जारी रखा।

सरकार के आह्वान पर, वसंत ने पिछले साल जनवरी में छत्तीसगढ़ सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। आत्मसमर्पण के समय तेलंगाना और छत्तीसगढ़ दोनों सरकारों ने उन्हें इनाम देने का वादा किया था। लेकिन पत्रकारों से बातचीत में वसंत ने बताया कि अभी तक यह वादा पूरा नहीं हुआ है।

इससे पहले, उन्होंने कोरुतला कांग्रेस प्रभारी नरसिंगा राव के साथ कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा था, लेकिन इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई। वसंत ने अपना घर पूरी तरह से ध्वस्त होने का हवाला देते हुए सरकार से इनाम राशि जारी करने का आग्रह किया। वसंत की इस मांग को लेकर स्थानीय प्रशासन और सरकारी अधिकारियों का क्या रुख होगा, यह देखना दिलचस्प होगा।

हेलमेट पहनने वालों को फूल, बिना हेलमेट वालों को हेलमेट बांटे

मंचेरियाल, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राज्य सरकार के आदेश के तहत अराइव-अलाइव कार्यक्रम के दूसरे चरण में, गोदावरीखानी वन टाउन इंस्पेक्टर इंद्रसेन रेड्डी ने ट्रैफिक पुलिस की मदद से म्युनिसिपल टी जंक्शन पर एक रोड सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ड्राइवर्स को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करना है।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि सड़क हादसों को रोकने के लिए हेलमेट पहनना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने हेलमेट पहनकर आए गाड़ी चलाने वालों को फूल देकर बधाई दी और बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने वालों को हेलमेट बांटे।

अंबर किशोर झा ने समझाया कि बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने पर पुलिस चालान काटेगी, हालांकि यह चालान पुलिस के लिए कोई फायदे की बात नहीं है। असली खतरा तब होता है जब बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने की वजह से कोई हादसा होता है, जिससे चोट या जान का नुकसान हो सकता है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि जब भी वे घर से बाहर जाएं, तो हेलमेट पहनना आवश्यक है और इसे सही तरीके से पहनें।इस कार्यक्रम में पेद्दापल्ली डीसीपी बी. राम रेड्डी, गोदावरीखानी एसीपी एम. रमेश, और अन्य अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। सभी ने सड़क सुरक्षा की अहमियत को रेखांकित करते हुए हेलमेट पहनने की अपील की।

कावल टाइगर रिजर्व में चराई करने के आरोप में

गुजरात के दो चरवाहों पर 5 लाख रुपये का जुर्माना

मंचेरियाल, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । आदिलाबाद जिले के कावल टाइगर रिजर्व में बकरियां और ऊंट चराने के आरोप में गुजरात के दो पारंपरिक चरवाहों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वन अधिकारियों ने इस घटना को देश में पहली बार चरवाहों पर इतना भारी जुर्माना लगाने का मामला बताया है।

जिला वन अधिकारी और कटीआर के उप निदेशक प्रशांत बी पाटिल के अनुसार, स्थानीय लोगों की चेतावनियों के बावजूद जाधव करण सिंह और जाधव रामा को 7 फरवरी को इचोडा मंडल के सिरिचेलमा रेंज में लगभग 600 बकरियों और पांच ऊंटों के साथ पकड़ा गया। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने पाया कि लगभग 85 लाख रुपये के वृक्षारोपण को नुकसान हुआ है और वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि मवेशियों की चराई बाघों की आवाजाही में बाधा डाल रही है, जिससे इसका प्रभाव वन्य जीवों पर पड़ रहा है। दोनों चरवाहों के खिलाफ संबंधित वन कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें जुर्माना अदा करने के बाद केटीआर के फील्ड डायरेक्टर के समक्ष अपील करने का अधिकार दिया गया है।

इस घटना के बाद, वे जिले से निकलकर महाराष्ट्र की ओर चले गए। वन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बाघों के निवास के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं।

जगतियाल में कांग्रेस के नए नेतृत्व का स्वागत

जगतियाल, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जगतियाल जिले के कोरुटला और मेट्टुपल्ली नगरपालिका के चुनावों के बाद, कांग्रेस के नवनियुक्त इंचार्ज जूवड़ी नर्सिंग राव के नेतृत्व में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन तिरुमल वसंत गंगाधर और वाइस-चेयरमैन शहद के साथ कोरुटला मार्केट कमेटी के चेयरमैन और अन्य नेता भी उपस्थित रहे।

समारोह में तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अडलूरी लक्ष्मण कुमार ने भी भाग लिया। जूवड़ी नर्सिंग राव ने अपनी नई जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए पार्टी के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने की अपील की, ताकि क्षेत्र में विकास और नागरिक कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके।

इस नए नेतृत्व के तहत कोरुटला चुनाव क्षेत्र में कांग्रेस की सक्रियता और प्रभाव बढ़ाने की उम्मीद की जा रही है। स्थानीय नेताओं ने भी इस परिवर्तन का स्वागत किया और एक सशक्त कांग्रेस पार्टी के लिए मिलकर काम करने का वचन दिया।

बीआरएस नेता बल्का सुमन की जमानत याचिका फिर स्थगित

मंचेरियाल, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन की जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी। बल्का सुमन पर श्रम मंत्री डॉ. जी विवेक और पेद्दापल्ली सांसद जी वामशीकृष्ण के काफिले पर हमले का आरोप है, जिसके चलते उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

जिला अदालत की प्रधान न्यायाधीश ए. निर्मला ने दलीलें सुनीं, लेकिन पुलिस द्वारा जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगने और सुमन को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की अनुमति की मांग करने के बाद मामले को दो और दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया। सुमन के वकील ने तर्क दिया कि मामला दर्ज करने वाला पुलिस अधिकारी स्वयं मामले का जांच अधिकारी है, इसलिए उनकी पुलिस हिरासत लेना अनावश्यक है।

सरकार ने सुमन के खिलाफ मामले की सुनवाई के लिए एक विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया है। पुलिस को सुमन के खिलाफ फर्जी मामला दर्ज करने और उनके आवास पर तलाशी लेने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सुमन को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया और 18 फरवरी को आदिलाबाद जिला मुख्यालय की जेल में रखा गया।

17 फरवरी को सुमन और आठ अन्य लोगों के खिलाफ क्याथनपल्ली में पुलिसकर्मियों पर हमले, गैरकानूनी सभा करने, दंगा करने, और एक कांस्टेबल को घायल करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

बेल्लमपल्ली नगर में मास्टर प्लान लागू करने के लिए प्रजावाणी में सौंपा ज्ञापन

बेल्लमपल्ली, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) स्थानीय कांग्रेस नेता कोलीपाका श्रीनिवास ने सोमवार को मंचेरियाल कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान जिला कलेक्टर कुमार दीपक को एक याचिका सौंपी। इस याचिका में बेल्लमपल्ली नगर में मास्टर प्लान को तुरंत लागू करने का अनुरोध किया गया है।

श्रीनिवास ने इस अवसर पर बताया कि शहर में ट्रैफिक की समस्या गंभीर है और आस-पास के गाँवों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि नगर के निवासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो उनकी दैनिक जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही हैं।

उन्होंने मास्टर प्लान के कार्यान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इससे नगर का विकास होगा और निवासियों की परेशानियों का समाधान होगा। श्रीनिवास ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी याचिका पर कार्रवाई करेगा, जिससे बेल्लमपल्ली की स्थिति में सुधार होगा।

मंदिर के पूजा सामग्री बिक्री दुकान की सार्वजनिक नीलामी संपन्न

मदनूर, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल के दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में सार्वजनिक नीलामी का कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया। इस नीलामी में मंदिर अध्यक्ष राम पाटिल, सरपंच दिगंबर, देवदाय धर्मादाय शाखा निरीक्षक कमला, मंदिर सचिव श्रीधर, और मंदिर क्रमचारी वेणु कुलकर्णी ने भाग लिया।

नीलामी में पूजा सामग्री की दुकानों के परिसरों के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री कृष्ण पंडरी, जो कि हंडे केलूर के निवासी हैं, ने 5,22,000 रुपये (पांच लाख बाईस हजार रुपये) की राशि की नीलामी का प्रस्ताव रखा, जो स्वीकार कर लिया गया। अधिकारियों ने उनके नाम पर नीलामी लिख दी है।

इसके साथ ही, मंदिर की दो एकड़ जमीन भी नीलामी में शामिल की गई, जिसे बंधु मौसा ने अपने नाम से हासिल किया। इस नीलामी के सफल आयोजन ने स्थानीय समुदाय के बीच उत्साह का संचार किया है और धार्मिक गतिविधियों को और प्रोत्साहन मिलेगा।

ट्रिपल राइडिंग, नाबालिग ड्राइविंग, रैश ड्राइविंग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई : नितिका पंत

आसिफाबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसपी नितिका पंत आईपीएस ने स्पष्ट किया है कि ट्रिपल राइडिंग, रैश ड्राइविंग और नाबालिग ड्राइविंग निषिद्ध हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते पकड़ा गया, तो वाहन के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

एसपी ने कहा कि वाहन मालिकों को नाबालिगों को वाहन नहीं देना चाहिए क्योंकि इस स्थिति में दुर्घटना की संभावना अधिक होती है। उन्होंने बताया कि इन दुर्घटनाओं से न केवल वाहन मालिक, बल्कि अन्य लोगों को भी नुकसान हो सकता है।इसके अतिरिक्त, बिना लाइसेंस के वाहन चलाने, बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने, या गलत नंबर प्लेट लगाने वाले और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले मोटर चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मोटर चालक यह दावा करते हैं कि फैंसी डिज़ाइन या गलत नंबर लगाने से नंबर पहचाना नहीं जा सकता है, लेकिन सभी वाहनों की नंबर प्लेट जल्द से जल्द लगानी होगी।

जिला एसपी ने नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी, जिसमें गलत साइड में पार्किंग, मोबाइल फोन पर गाड़ी चलाना, और ओवरलोड वाहन चलाना शामिल है। उन्होंने सभी मोटर चालकों से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया और कहा कि जिले भर में निरंतर निरीक्षण किया जाएगा।

जन समस्याओं के समाधान पर निरंतर कार्य: अहमद

आसिफाबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद कस्बे के 17वें वार्ड में पानी की मोटर खराब होने से कॉलोनीवासियों को गंभीर पानी की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए नगरपालिका के उपाध्यक्ष एमडी अहमद ने अपने स्वयं के फंड से तुरंत एक नई पानी की मोटर स्थापित की, जिससे कॉलोनीवासियों की पानी की समस्या का समाधान हो गया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष एमडी अहमद ने कहा कि वे जनता की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे और 17वें वार्ड के विकास के लिए विशेष पहल करेंगे। उन्होंने बताया कि नई वाटर मोटर से लगभग 100 परिवारों को पानी की आपूर्ति की जाएगी।

कॉलोनीवासियों ने उपाध्यक्ष का विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनकी समस्या का तुरंत समाधान किया।

इस कार्यक्रम में बीआरएस पार्टी के नेता सैयद निसार, सैयद जाविद, शब्बीर, और अन्य स्थानीय निवासी शामिल हुए। उपाध्यक्ष अहमद की तत्परता और नेतृत्व से कॉलोनीवासियों में संतोष की भावना है और उन्होंने बेहतर सेवाओं की अपेक्षा जताई है।

सरकारी नौकरी की निराशा: युवक ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या की

मंचेरियाल, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के चेन्नूर कस्बे की कोटाबोगुडा कॉलोनी में एक 24 वर्षीय युवक ने सरकारी नौकरी की तलाश में निराश होकर कीटनाशक पी लिया।

युवक की पहचान किरण के रूप में हुई है, जिसने 19 फरवरी को आत्महत्या का प्रयास किया। उसे गंभीर हालत में मंचेरियाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने बताया कि किरण ने काफी समय से ग्रुप खत की नौकरी के लिए हैदराबाद में विशेष कोचिंग का सहारा लिया था, जिसमें उसने काफी धन खर्च किया। उसके भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि किरण सरकारी नौकरी की निराशा के कारण मानसिक तनाव में था। उसने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लिया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

टी20 विश्व कप 2026 : हेटमायर के 85 और मोती के 4 विकेट से वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदा

मुंबई

शिमरान हेटमेयर की तूफानी 34 गेंदों में 85 रन की पारी और गुडाकेश मोती के चार विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 चरण में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया।

हेटमायर की रिकार्डतोड़ पारी – स्पिन को मदद दे रही पिच पर हेटमायर ने सात चौके और सात छक्के जड़ते हुए 34 गेंदों में 85 रन ठोक दिए। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 254/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस टूर्नामेंट का सर्वोच्च और टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। नंबर-2 पर बल्लेबाजी करते हुए हेटमायर ने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर वेस्टइंडीज के लिए टी20 विश्व कप का सबसे तेज पचासा जड़ा। इससे पहले यह रिकार्ड क्रिस गेल (23 गेंद, 2009) के नाम था। हेटमायर ने कप्तान रोवमन पावेल (35 गेंद में 59 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। दोनों ने सिर्फ 45 गेंदों में 100 रन जोड़कर मैच पूरी तरह एकतरफा बना दिया।

लक्ष्य के दबाव में बिखरा जिम्बाब्वे – 255 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम तीसरे ओवर में 20/3 पर सिमट गई। कप्तान सिकंदर रजा ने 20 गेंदों में 27 रन बनाकर संघर्ष किया, जबकि ब्रैड इवांस ने 21 गेंदों में 43 रन की आक्रामक पारी खेली।

इसके बावजूद रन रेट का दबाव बहुत ज्यादा था और पूरी टीम 17.4 ओवर में 147 रन पर ढेर हो गई। लीग चरण में आस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराने वाली जिम्बाब्वे के लिए यह करारा झटका रहा।

मोटी और होसैन की घातक गेंदबाजी – गेंदबाजी में गुडाकेश मोटी ने 4/28 के शानदार आंकड़े दर्ज किए। अकील होसैन (3/28) और मैथ्यू फोर्ड (2/27) ने बेहतरीन साथ दिया। इस बड़ी जीत से वेस्टइंडीज का नेट रन रेट +5 से ऊपर पहुंच गया है, जिससे सेमीफाइनल की दौड़ और रोमांचक हो गई है। हालांकि यह मुकाबला पूरी तरह हेटमायर के नाम रहा, जिनकी विस्फोटक पारी ने वेस्टइंडीज को खिताब की प्रबल दावेदारों में ला खड़ा किया है।

न्यूज ब्रीफ

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं। कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा।

दुबई चैंपियनशिप 2026: अलियासिम ने छह मैच प्वाइंट के बाद जीता मुकाबला, वावरिंका और जैक ड्रेपर भी अगले दौर में

दुबई। दुबई चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में शीर्ष वरीय खिलाड़ी फेलिक्स आगर-अलियासिम को

सोमवार को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। एटीपी 500 टूर्नामेंट के इस मुकाबले में उन्होंने झांग झिझेन को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया, लेकिन जीत दर्ज करने के लिए उन्हें छह मैच प्वाइंट लेने पड़े। मैच के बाद आगर-अलियासिम ने स्वीकार किया कि लगातार मैच प्वाइंट गंवाने से मानसिक दबाव बढ़ गया था। पिछले सीजन में दुबई में उपविजेता रहे कनाडाई खिलाड़ी इस वर्ष शानदार फार्म में हैं। उन्होंने मोंटपेलियर में खिताब जीता और राटरडैम में फाइनल तक पहुंचे। अब उनका अगला मुकाबला जियोवानी मपेत्शी पेरिकार्ड से होगा, जिन्होंने कड़े मुकाबले में मोएज़ एशारगुई को हराया। स्विट्जरलैंड के अनुभवी स्टार स्टैन वावरिंका ने अपने विदाई सत्र में बेंजामिन हसन को 7-5, 6-3 से मात दी। स्टेडियम में उनके हमवतन और दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर भी मौजूद थे, जिन्होंने दुबई में आठ बार खिताब जीता है। 40 वर्ष की उम्र पार करने के बाद वावरिंका की यह टूर स्तर पर 10वीं जीत है, जो ओपन एरा में एक रिकार्ड है। वहीं ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने लगभग छह महीने बाद एटीपी टूर में वापसी करते हुए क्वेंटिन हलीस को 7-6 (10-8), 6-3 से हराया।

जर्मन ओपन बैडमिंटन : श्रीकांत पुरुष वर्ग, तान्वी महिला वर्ग में संभालेंगी कमान

मुलहेम एन डेर रूर। किदांबी श्रीकांत की अगुवाई में भारतीय बैडमिंटन टीम जर्मन ओपन 2026 बैडमिंटन

टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पुरुषों एकल विश्व रैंकिंग में 32वें नंबर सके खिलाड़ी श्रीकांत का प्रयास इस टूर्नामेंट में जीत दर्ज करना रहेगा। इससे पहले हुए इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में वह क्वाटर्र-फाइनल से बाहर हो गये थे। पुरुषों के एकल मुख्य ड्रा में श्रीकांत के साथ भारत के ही किरण जार्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी हैं। इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव को मिली है। वह पहले दौर में किरण जार्ज का सामना करेंगे। वहीं महिला एकल में दुनिया की नंबर 40 तन्वी शर्मा भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। भारत की कमान संभालेंगी। तन्वी शर्मा, पिछले साल बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप और यूएस ओपन में उप विजेता रही हैं। उनके साथ महिला एकल के मुख्य ड्रा में तस्नीम मीर, मालविका बंसोड़, रक्षिता रामराज और इशारानी बरुआ होंगी। ओलंपिक पद विजेता पीवी संधु ने इस टूर्मामेंट से पहले ही नाम वापसी ले लिया था। वहीं महिला युगल के मुख्य ड्रा में भारत का प्रतिनिधित्व अश्विनी भट और शिखा गौतम की जोड़ी करेगी।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

इंग्लैंड टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में, हैरी ब्रूक के शतक से गजब जीत, पाकिस्तान की कहानी लगभग खत्म

पल्लेकेले: इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में एंट्री मार दी है। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत हासिल की। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने 9 विकेट पर 164 रन बनाए। शुरुआत 5 ओवर में ही इंग्लैंड के तीन विकेट गिर गए थे। यहां से हैरी ब्रूक ने शतक लगाकर इंग्लैंड को 2 विकेट से जीत दिला दी। इस जीत से इंग्लैंड टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। पाकिस्तान अफरीदी ने 4 विकेट लिए लेकिन किसी भी गेंदबाज ने उनका साथ नहीं निभाया।

अंत में रोमांचक हुआ मुकाबला

एक समय इंग्लैंड की जीत आसानी दिख रही थी लेकिन अंत में मुकाबला रोमांचक हो गया। टीम का स्कोर 155 रन पर 5 विकेट से 161 पर 8 हो गया था। हालांकि जोफ्रा आर्चर ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर चौका मारकर टीम को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। इंग्लिश टीम लगातार 5वीं बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। वहीं पाकिस्तान के सुपर-8 में दो मैच में सिर्फ एक पॉइंट है और उसपर बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है।

हैरी ब्रूक ने अकेले मोर्चा संभाला

165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। शाहीन अफरीदी ने पहली ही गेंद पर फिल साल्ट को आउट कर दिया। जोस बटलर और जैकब बेथेल भी सिंगल डिजिट स्कोर बनाकर शाहीन की गेंद पर आउट हुए। लेकिन हैरी ब्रूक ने तीसरे नंबर पर आकर ताबड़तोड़ बैटिंग की। पावरप्ले में इंग्लैंड के 53 रन था और इसमें ब्रूक ने 20 पर 41 का योगदान दिया था। टॉम बैंटन भी सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए लेकिन हैरी ब्रूक नहीं रुके। 10वें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान ने 28 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी की। सैम करन के साथ ब्रूक ने 28 गेंद पर 45 रन जोड़े। इसमें करन ने 15 गेंद पर 16 रन बनों का योगदान दिया। फिर विल जैक्स के साथ 31 गेंद पर ब्रूक ने 52 रनों की साझेदारी की। 50 गेंद पर ब्रूक ने अपना शतक पूरा किया। हालांकि अगली ही गेंद पर वह आउट हो गए। 51 गेंद की पारी में ब्रूक ने 10 चौके और 4 छक्के मारे। यह टी20 विश्व कप इतिहास में किसी कप्तान का पहला शतक है। विल जैक्स ने 25 रनों का योगदान दिया।

खराब शुरुआत के बाद पाकिस्तान संभला

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सैम अयूब 7 रन बनाकर चलते बने। कप्तान सलमान आगा भी 5 रन ही बना सके। यहां से बाबर आजम और साहिबजादा फरहान ने टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 44 गेंद पर 46 रन जोड़े। बाबर 24 गेंदों पर 25 रन बनाकर आउट हुए।

फरहान ने बेहतरीन फॉर्म को जारी रखते हुए फिफ्टी ठोक दी। वह 45 गेंदों पर 7 चौके और दो छक्कों की मदद से 63 रन बनाकर आउट हुए। फखर ने कुछ अच्छे शॉट खेले और 16 गेंद पर 25 रन बनाकर आदिल रशीद का शिकार बने।

उस्मान खान ने एक बार फिर निराश किया और वह महज 8 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद नवाज बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, शाहीन अफरीदी 2 रन बनाकर आउट हुए। शादाब खान ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 11 गेंदों में 23 रन बनाए।

गेंदबाजी में इंग्लैंड की ओर से लियाम डॉसन ने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, जोफ्रा आर्चर और जेमी ओवर्टन ने दो-दो विकेट अपने नाम किए।

सितंबर में फिर आमने-सामने होंगे फ्लायड मेवेदर और मैनी पैकियाओ, लास वेगास के स्फीयर में ऐतिहासिक रीमैच

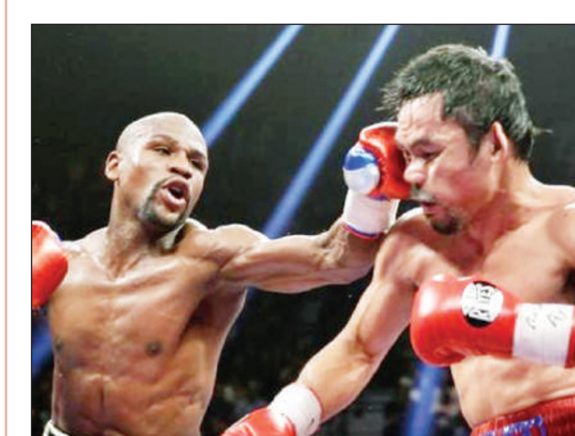

लास एंजिलिस

दिग्गज मुक्केबाज़ फ्लायड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ ने अपने चर्चित 2015 मुकाबले के रीमैच पर सहमति जता दी है। दोनों महान खिलाड़ी 19 सितंबर को लास वेगास में एक बार फिर आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला लास वेगास के अत्याधुनिक वेन्यू स्फीयर में आयोजित किया जाएगा और इसे नेटफ्लिक्स पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

करीब 49 वर्ष के मेवेदर ने हाल ही में नौ साल के प्रतिस्पर्धी संन्यास को समाप्त करने की घोषणा की थी। वहीं 47 वर्षीय पैकियाओ भी चार साल के अंतराल के बाद दोबारा रिंग में लौटे हैं। दोनों मुक्केबाज़ों ने अभी तक रीमैच के लिए वज़न वर्ग और राउंड की संख्या की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि 2015 में हुए उनके पहले मुकाबले में मेवेदर ने निर्णायक जीत दर्ज की थी। हालांकि वह मुकाबला लंबे समय से बनी उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया, लेकिन कमाई के मामले में उसने पे-पर-व्यू के कई रिकार्ड तोड़े थे और वैश्विक स्तर पर भारी चर्चा बटोरी थी। मेवेदर ने बयान में कहा कि नतीजा पहले जैसा ही रहेगा, जबकि पैकियाओ ने दावा किया कि पिछली बार वह चोट के बावजूद लड़े थे और इस बार प्रशंसकों को बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ी अपने करियर के चरम से आगे निकल चुके हैं, लेकिन लोकप्रियता के मामले में आज भी दुनिया के सबसे बड़े नामों में गिने जाते हैं। ऐसे में सितंबर में होने वाला यह रीमैच बाक्सिंग जगत की सबसे बहुप्रतीक्षित भिड़ंतों में से एक माना जा रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: फुटबाल के नए नियमों से नाखुश हैं डोनाल्ड ट्रंप

न्यूयार्क । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कालेज फुटबाल पाडकास्ट पर खेल के नए नियमों पर नाराजगी जाहिर की है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार में हायरिंग के फैसले, वफादारी और नेतृत्व को लेकर भी बात की। जार्जिया के रोम में द वर्सिटी रेस्टोरेंट में ट्रंप ने 19 फरवरी को जोश पैट के साथ बैठकर खास बातचीत की। फुटबाल के नियमों में हुए बदलावों के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि वह नए किकआफ नियम से खुश नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत बुरा है। मुझे इसे देखना पसंद नहीं है, और मुझे फुटबाल में बहुत सी चीजें देखना पसंद नहीं है। जब मैं फुटबाल को देखता हूं, तो मुझे उनका यह नया किकआफ नियम बिल्कुल पसंद नहीं आता है। आप भी यह जानते हैं कि यह ग्लैमर, शान को खत्म कर देता है और खेल से सब कुछ छीन लेता है। किकआफ को गेम की शुरुआत और एक अहम चीज बताते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, मुझे लगता है कि यह एनएफएल के लिए बहुत बुरा है और मुझे उम्मीद है कि कालेज फुटबाल इस नियम को नहीं अपनाएगा। ट्रंप से जब पूछा गया कि वह कैसे तय करते हैं कि कौन सा मैच उन्हें अटेंड करना है, इस पर उन्होंने कहा कि वह उन कुछ खिलाड़ियों और टीमों को फालो करते हैं और उन्हें ही देखना पसंद करते हैं।

अभिषेक को लंबी पारी खेलने धैर्य रखना होगा : आमिर

लाहौर

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लंबी पारी खेलने के लिए धैर्य रखकर खेलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अभिषेक के पास जबरदस्त प्रतिभा है अब ये उनपर निर्भर करता है कि वह अपने कौशल का उपयोग किस तरह करते हैं। आमिर ने कुछ समय पहले अभिषेक को स्लागर कहा था। अब अपने इस बयान को लेकर इस गेंदबाज का कहना है कि उनका इरादा इस बल्लेबाज का मजाक उड़ाना नहीं था। वह केवल उसके तकनीकी पक्ष की कमजोरी पर बता कर रहे थे। आमिर ने कहा कि उनका इरादा इस युवा बल्लेबाज को काम आंकना नहीं था, बल्कि वह तकनीकी पहलुओं पर बात कर रहे थे।

उन्होंने साथ ही कहा कि कुछ समय पहले आमिर ने कहा था कि अभिषेक एक स्लागर हैं जिनके पास दबाव के हालातों में बेहतर गेंदबाज़ी का सामना करने के लिए पर्याप्त रक्षात्मक तकनीक नहीं है। इस टिप्पणी के बाद से ही सोशल मीडिया पर आमिर की आलोचना शुरु हो गयी थी। कई प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों ने इसे गैरजरुरी टिप्पणी बताया था। वहीं आमिर ने अब साफ किया है कि उन्होंने ये शब्द केवल तकनीकी कमी के लिए उपयोग किया था।

हार के बाद आई नई प्रतिक्रियाआमिर ने कहा, मैं एक गेंदबाज के नजरिए से उनकी तकनीक का आंकलन कर रहा था। लोगों को स्लागर शब्द से आपत्ति हुई, लेकिन मेरा इरादा उन्हें नीचा दिखाना नहीं था। आमिर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्लेबाज़ की तकनीक खामी शीध्र ही सामने आ जाती है। उनका मानना है कि अभिषेक ने जो रन बनाए, वे ज्यादातर एक ही दिशा में और कमजोर गेंदों पर बनाये हैं। ऐसे में जब कठिन गेंदबाज सामने आये तो वह परेशानी में आ गये। उन्होंने कहा, जब रबाडा ने अच्छी गेंदबाज़ी शुरू की, तो वह उसे समझ नहीं पाए।

सचिन के खिलाफ दिये गलत फैसलों का पछतावा अभी भी : बकनर

मुम्बई

वेस्टइंडीज के दिग्गज अंपायर स्टीव बकनर और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बीच हमेशा ही छत्तीस का आंकड़ा रहा है। सचिन को कई बार गलत आउट दिये जाने के लिए बकनर विवादों में रहे हैं। वहीं अब बकनर ने स्वयं माना है कि कई बार उनसे गलतियां हुईं और उन गलतियों का पछतावा आज भी उन्हें है। बकनर वैसे तो अपनी सटीक अंपायरिंग के लिए जाने जाते थे पर तेंदुलकर के मामल में उनका रिकार्ड खराब रहा है। वह महान बल्लेबाज के करियर में कई बार खलनायक की तरह से नजर आये। वहीं अब बकनर ने माना है कि उनसे जो गलतियां हुई है उससे वह अब भी दुखी हैं।

बकनर ने कहा, साल 2003 में ब्रिस्बेन टेस्ट में आस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा के मैदान पर जेसन गिलेस्पी की एक गेंद पर बकनर को एलबीडब्ल्यू दिया था। तब रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद स्टंप्स के काफी ऊपर से जा रही थी। वहीं सचिन हैरान थे, लेकिन बिना कुछ कहे क्रीज छोड़ दी। वहीं साल 2005 में सिडनी में अब्दुल रज्जाक की गेंद पर बकनर ने सचिन को कैच आउट दिया, जबकि गेंद उनके बल्ले से बहुत दूर थी गेंद पैड को छूकर विकेटकीपर के पास गई थी। वहीं अब बकनर ने कहा, मुझसे दो बड़ी गलतियां हुईं पहली गलती तब हुई जब गेंद स्टंप्स के ऊपर से जा रही थी और दूसरी तब जब गेंद बल्ले को नहीं छुई थी। आस्ट्रेलिया में सचिन के खिलाफ वो फैसला देना मेरे करियर की उन यादों में से है जिसे मैं सुधारना चाहता हूँ। बकनर ने यह भी स्वीकार किया कि जब आप इतने बड़े खिलाड़ी के खिलाफ गलत फैसला देते हैं, तो वह आपके दिमाग में घर कर जाता है।उन्होंने इसे एक मानवीय भूल बताया, लेकिन यह भी माना कि सचिन जैसे महान खिलाड़ी के लिए एक-एक पारी कितनी कीमती होती है।!वहीं सचिन ने इतने गलत फैसलों के बावजूद कभी भी मैदान पर अंपायर के प्रति खराब व्यवहार नहीं दिखाया।

आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर बिंद्रा का कार्यकाल खत्म, केन्या के इस एथलीट ने ली जगह

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर अपने आठ साल के कार्यकाल के खत्म होने की घोषणा की और अपने इस समय को अपनी खेल यात्रा के सबसे सार्थक अध्यायों में से एक बताया। बीजिंग ओलंपिक 2008 में भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बने 43 साल के बिंद्रा की जगह पैनल में कीनिया के रग्बी खिलाड़ी हम्फ्री कायांगे ने ली। इटली मे शीतकालीन ओलंपिक के दौरान खिलाड़ी आयोग का पुनर्गठन किया गया। बिंद्रा ने एक्स पर किया पोस्ट बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, दुनिया भर के खिलाड़ियों की सेवा करना खेल में मेरे सफर के सबसे सार्थक अध्याय में से एक रहा है। उनकी आवाज, उनकी चिंताओं, उनकी उम्मीदों और उनके सपनों को पूरा करना एक ऐसी जिम्मेदारी है जिसे मैंने कभी हल्के में नहीं लिया। हर बातचीत, हर फैसला, मेज पर हर पल एक ही सीधी सी सोच से चलता था कि खिलाड़ियों को हमेशा ओलंपिक अभियान के केंद्र में रहना चाहिए। अपने साथियों को असाधारण बताते हुए बिंद्रा ने कहा कि उनमें से हर एक ने खिलाड़ी प्रतिनिधित्व को मजबूत करने और यह पक्का करने की कोशिश की कि उनकी आवाज सुनी जाए और उसका सम्मान किया जाए। बिंद्रा ने लिखा, मैंने जो बनाया है उस पर बहुत गर्व के साथ और आगे जो होने वाला है उसके लिए उम्मीद के साथ यह भूमिका छोड़ रहा हूं। खिलाड़ी प्रतिनिधित्व का भविष्य मजबूत है क्योंकि इसे हिम्मत वाले, सोचने वाले और जोशीले लोग चलाते हैं जो खुद से बड़ी किसी चीज में विश्वास करते हैं।

शुभ लाभ

अमेरिकी जवाबी शुल्क : ट्रंप प्रशासन के नए कानूनी हथियार भारत के लिए खतरा

सुप्रीम कोर्ट ने आईईईपीए के प्रयोग को सीमित किया, अब धारा 232, 301 और अन्य प्रावधानों के जरिए भारतीय निर्यात प्रभावित होने की संभावना

वाशिंगटन

अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में राष्ट्रपति को इंटरनैशनल इमरजेंसी इकनामिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की शक्ति सीमित कर दी है। इस फैसले के बाद, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम को भारत समेत अन्य देशों के खिलाफ शुल्क कार्रवाई के लिए वैकल्पिक कानूनी रास्ते अपनाने पड़ रहे हैं। हालांकि ट्रंप के पास आईईईपीए जैसी व्यापक शक्ति नहीं है, फिर भी उनके पास कई व्यापार-उपाय हैं, जिनमें से कुछ शक्तिशाली, कुछ लक्षित और कुछ राजनीतिक रूप से विवादास्पद हैं। धारा 232 के तहत राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा मानने पर किसी भी आयात पर शुल्क या कोटा लागू कर सकते हैं। 2018 में ट्रंप प्रशासन ने इस प्रावधान के तहत स्टील और एल्यूमीनियम पर शुल्क लगाया था, जिससे भारत के निर्यातकों को प्रत्यक्ष असर हुआ। भविष्य में यह प्रावधान खनिज, इलेक्ट्रानिक उपकरण और दवाओं से जुड़े व्यापार पर लागू हो सकता है। इससे भारत के इन क्षेत्रों के निर्यात हितों पर तुरंत प्रभाव पड़ सकता है। धारा 301 व्यापार अधिनियम 1974 के तहत अमेरिका को किसी देश की नीतियों को अनुचित, भेदभावपूर्ण या अतार्किक मानने पर जांच और जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार देती है। भारत को 2018 में चिकित्सा उपकरणों पर इसी तरह की जांच का सामना करना पड़ा था। नई 301 जांचों के दायरे में डिजिटल नीतियां, ई-कामर्स नियम, फार्मा मूल्य निर्धारण और आईसीटी उत्पाद शामिल हो सकते हैं। इससे भारत के आईटी हार्डवेयर, फार्मास्यूटिकल्स और डिजिटल सेवाओं के निर्यात पर खतरा बढ़ सकता है। धारा 122 राष्ट्रपति को अस्थायी 15 प्रतिशत तक का आयात अधिभार लगाने की अनुमति देती है। भारत पर यह शुल्क पहले 28 प्रतिशत था, जिसे घटाकर 15 प्रतिशत किया गया। हालांकि यह राहत है, लेकिन इससे भारत को अपने एशियाई प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले मिलने वाले तरजीही लाभ को नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, इससे पहले से बातचीत में लगी अंतरिम व्यापार डीलें फिलहाल अप्रासंगिक हो जाती हैं। धारा 201 के तहत, यदि आयात में उछाल से घरेलू उद्योग को गंभीर हानि होती है, तो राष्ट्रपति सेफगार्ड टैरिफ या कोटा लागू कर सकते हैं।

भारत संवेदनशील आपूर्ति क्षेत्रों में प्रमुख है, जैसे सोलर माड्यूल, स्टील उत्पाद, टायर, रसायन, वस्त्र और आटो पार्ट्स। ऐसे मामलों में धारा 201 का इस्तेमाल भारत के निर्यात को तुरंत प्रभावित कर सकता है। टैरिफ एक्ट 1930 के तहत एंटी-डंपिंग (धारा 731) और काउंटरवेलिंग (धारा 701) कार्रवाई की जाती है। इससे अमेरिकी सरकार उन आयात पर दंडात्मक शुल्क लगा सकती है, जो न्यायसंगत मूल्य से कम या विदेशी सब्सिडी वाले होते हैं। भारत नियमित रूप से इस तरह के मामलों में निशाने पर रहा है, खासकर रसायन, स्टील, फार्मा इंटरमीडिएट्स, टायर और आईटी हार्डवेयर इनपुट्स।

न्यूज ब्रीफ

अनिल अंबानी को मिली राहत रद्द, बैंकों को फ्राड कार्रवाई की अनुमति

मुंबई। बाम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को उद्योगपति अनिल अंबानी को मिली अंतरिम राहत रद्द कर दी। यह राहत पहले सिंगल बेंच ने दी थी, जिससे तीन बैंकों और एक आडिट फर्म को उनके खिलाफ फ्राड की कार्रवाई रोकने का अधिकार मिला था। खंडपीठ ने कहा कि यदि आदेश प्रथम दृष्टया गलत पाया जाए, तो उसे जारी रखना उचित नहीं होगा। अदालत ने अंबानी की ओर से चार हफ्ते की रोक लगाने की मांग भी खारिज कर दी। यह विवाद उन कारण बताओ नोटिस से जुड़ा है जो स्टेट बैंक आफ इंडिया समेत बैंकों ने जारी किए थे। आडिट रिपोर्ट के आधार पर खातों को फ्राड घोषित करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। अंबानी ने इसे चुनौती देते हुए कहा कि कार्रवाई में प्राकृतिक न्याय का पालन नहीं हुआ। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने 2024 में अपने मास्टर सर्कुलर में स्पष्ट किया कि किसी खाते को फ्राड घोषित करने से पहले संबंधित पक्ष को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य है। बैंकों और आडिट फर्म की दलील थी कि आडिट पूरी प्रक्रिया और नियमों के अनुसार हुआ और इसमें गंभीर वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं। अंबानी ने कहा कि आडिट फर्म बीडीओ इंडिया एलएलपी मानकों के अनुरूप नहीं थी और समूह की कंपनियों के बीच हुए लेन-देन को गलत तरीके से फंड डायवर्जन बताया गया। अब हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सिंगल बेंच के फैसले को पलटते हुए बैंकों को आगे की कार्रवाई की अनुमति दे दी है। इससे केस में कानूनी लड़ाई तेज होने की संभावना है।

कुत्ते से प्रेम के चलते गई कर्मचारी की नौकरी रूस में पिज्जा चेन पर विवाद

नई दिल्ली। रूस के चेल्याबिंस्क शहर में एक आवारा कुत्ते को कंबल ओढ़ाने पर डिलीवरी कर्मचारी को नौकरी से निकाले जाने का मामला अब राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। इस घटना के बाद पशु प्रेमियों ने मशहूर पिज्जा चेन डोडो पिज्जा के बहिष्कार की मांग तेज कर दी है। क्या है पूरा मामला रिपोर्ट्स के मुताबिक डोडोबोन्या नाम का एक आवारा कुत्ता पिछले करीब डेढ़ साल से चेल्याबिंस्क स्थित डोडो पिज्जा के एक आउटलेट के बाहर रह रहा था। दुकान के कर्मचारी और स्थानीय लोग उसकी देखभाल करते थे और सर्दियों में माइनस 20 डिग्री तापमान के दौरान उसे कंबल से ढक देते थे। धीरे-धीरे यह कुत्ता कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच आउटलेट का अनौपचारिक मैस्काट बन गया था। स्थिति तब बदली जब आउटलेट में नई मैनेजर यूलिया की नियुक्ति हुई। आरोप है कि उन्होंने कर्मचारियों को कुत्ते को खाना देने या उसकी देखभाल करने से मना कर दिया और चेतावनी दी कि जो भी कुत्ते को शरण देगा, उसे नौकरी से निकाल दिया जाएगा। कंबल देने पर डिलीवरी मैन की छुट्टी डिलीवरी कर्मचारी मिखाइल सवित्स्की ने बताया कि उन्होंने बर्फ में पड़े कुत्ते को ठंड से बचाने के लिए कंबल ओढ़ा दिया था और फिर अपना आर्डर डिलीवर करने चले गए। उनके अनुसार, लौटते समय उन्हें बताया गया कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है और मीटिंग से भी बाहर कर दिया गया।

कैसे बर्बाद हुई भारत की ये एड-टेक कंपनी: 22 अरब डालर वैल्यूएशन से कर्ज

नई दिल्ली । कभी 22 अरब डालर के वैल्यूएशन पर खड़ी रही भारत की दिग्गज एड-टेक कंपनी बायजूस गहरे वित्तीय और कानूनी संकट से जूझ रही है। बायजूस अब कर्ज, मुकदमों, दिवालियापन की कार्यवाही और कथित तौर पर गायब 533 मिलियन डालर के विवाद के बीच बिखरता नजर आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट भारत और अमेरिका दोनों महाद्वीपों में चल रही कानूनी लड़ाइयों, वित्तीय अनियमितताओं और आक्रामक विस्तार रणनीति के कारण तेज हुई। शिखर से संकट तक की कहानी 2022 में कोविड-काल के दौरान आनलाइन शिक्षा की भारी मांग के चलते बायजूस का वैल्यूएशन 22 अरब डालर (1.98 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया था और कंपनी ने वैश्विक विस्तार, बड़े अधिग्रहण और ब्रांडिंग पर भारी निवेश किया। हालांकि महामारी के बाद सस्ती फंडिंग कम हुई, लागत बढ़ी और निवेशकों का भरोसा डगमगाने लगा, जिससे कंपनी का वित्तीय ढांचा कमजोर पड़ता गया। कैसे शुरू हुआ संकट बायजूस की मुश्किलें 2023 में तब तेज हुईं जब आनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट आई और बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई। इसी दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत कंपनी के दफ्तरों पर छापे मारे और लगभग 9,362 करोड़ के कथित उल्लंघन का नोटिस जारी किया। इसके साथ ही कंपनी के ऊपर कर्ज का दबाव भी बढ़ता गया। नवंबर 2021 में लिए गए 1.2 अरब डालर के टर्म लोन पर बायजूस कथित तौर पर तिमाही ब्याज भुगतान (करीब 330 करोड़) करने में चूक गया।

7-सीटर एसयूवी सेगमेंट ने जनवरी में किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली

देश के तेजी से बढ़ते आटो मार्केट में 7-सीटर एसयूवी की मांग सबसे अधिक है। इस सेगमेंट ने जनवरी 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। बीते महीने कुल 39,300 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो जनवरी 2025 में दर्ज 33,409 यूनिट्स की तुलना में 16.82प्रतिशत की मजबूत सालाना वृद्धि को दर्शाती है। इस सेगमेंट में महिंद्रा स्कार्पियो/एन ने एक बार फिर नंबर-1 पोजिशन हासिल की।

जनवरी 2026 में स्कार्पियो और स्कार्पियो/एन मिलाकर 15,542 यूनिट्स बिकीं। यह आंकड़ा पिछले साल के 15,442 यूनिट्स की तुलना में 0.65प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी है, लेकिन माडल की लगातार मांग को स्पष्ट दिखाता है।दूसरे स्थान पर रही महिंद्रा एक्सयूवी7एक्सह, जिसे पिछले महीने 10,133 ग्राहकों ने खरीदा। जनवरी 2025 की 8,399 यूनिट्स की तुलना में यह 20.65प्रतिशत की शानदार वृद्धि है। इसका आधुनिक डिज़ाइन और फीचर पैकेज ग्राहकों को खूब पसंद आ रहा है। तीसरे स्थान पर रही टाटा मोटर्स हेरियर/ईवी, जिसने बिक्री में अप्रत्याशित उछाल दर्ज किया। जनवरी 2026 में इसकी 3,711 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले वर्ष की 1,488 यूनिट्स से 149प्रतिशत अधिक है। चौथे नंबर पर रही टोयोटा फार्चूनर, जिसे जनवरी में 3,046 ग्राहकों ने खरीदा।

हालांकि यह आंकड़ा जनवरी 2025 की 3,149 यूनिट्स से 3.27 प्रतिशत कम है, लेकिन माडल की बाजार में पकड़ अब भी मजबूत है। पांचवें स्थान पर टाटा मोटर्स सफारी ने शानदार वापसी की। जनवरी 2026 में इसे 2,375 ग्राहकों ने खरीदा, जो पिछले साल की 1,548 यूनिट्स से 53.42 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा माह के दौरान महिंद्रा एक्सईवी9ई की 1,945 यूनिट्स, हयूदै अल्काजार की 962 यूनिट्स, महिंद्रा एक्सईवी 9एस की 612 यूनिट्स और एमजी हेक्टर/प्लस की 334 यूनिट्स बिकीं। वहीं स्कोडा जीप, फाक्सवैगन और सिट्रोन की 7-सीटर एसयूवी ने सीमित बिक्री दर्ज की।

चीन की जीएसी हाइपटेक एसएसआर ने बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

नई दिल्ली। चीन की जीएसी हाइपटेक एसएसआर ने 213.523 किमी./घंटा की रफ्तार पर ड्रिफ्ट करके नया वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया है। गिनीज़ वर्ल्ड रिकार्ड्स ने इस रिकार्ड को आधिकारिक रूप से दर्ज किया है। इस कारनामे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस हाई-स्पीड ड्रिफ्ट को प्रोफेशनल ड्राइवर जेसन ये (ये जीचेंग) ने कंट्रोल किया। उन्होंने 132 मील प्रति घंटा (लगभग 213 किमी/घंटा) से ज्यादा की स्पीड पर हाइपटेक एसएसआर को साइडवे स्लाइड करवाते हुए कमाल का बैलेंस बनाए रखा। यह रिकार्ड 29 अक्टूबर 2025 को बीजिंग में बनाया गया। इंस्टाग्राम पर शेयर हुआ इसका वीडियो ब्लैक कलर की कार को धुआं उड़ाते हुए तेज रफ्तार में फिशटेलिंग करते दिखाता है, जिसने लाखों व्यूज बटोर लिए हैं। इससे पहले 2022 में झाओ जुनफेंग ने 207.996 किमी./घंटा की स्पीड पर ड्रिफ्ट का रिकार्ड बनाया था, जिसे जेसन ये ने बड़ी आसानी से तोड़ दिया। उन्होंने 30 डिग्री से ज्यादा के ड्रिफ्ट एंगल को 50 मीटर से अधिक दूरी तक बनाए रखा। इस रिकार्ड को जीएसी अधिकारियों और थर्ड-पार्टी मेजरमेंट टीम ने मौके पर ही प्रमाणित किया। हाइपटेक एसएसआर कोई साधारण इलेक्ट्रिक कार नहीं है। इसमें ट्राई-मोटर आल-व्हील ड्राइव सेटअप दिया गया है, जो 900 किलोवाट से ज्यादा यानी लगभग 1,224 हार्सपावर की जबरदस्त पावर पैदा करता है। यह कार सिर्फ 1.9 सेकेंड में 0 से 100 किमी./घंटा की स्पीड पकड़ लेती है और इसकी टाप स्पीड 251 किमी./घंटा (लिमिटेड) है। इसमें 1.7जी तक का एक्सीलरेशन मिलता है, जो इसे ड्रिफ्टिंग के दौरान भी पूरी तरह स्थिर रखता है। हालांकि पेट्रोल इंजन वाली कारों में सबसे तेज ड्रिफ्ट का रिकार्ड अभी भी मसाटो कावाबाता के नाम है, जिन्होंने 2016 में निसान जीटी-आर निसमो से 304.96 किमी./घंटा की स्पीड पर ड्रिफ्ट किया था। लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन कैटेगरी में हायपटेक एसएसआर अब नई बादशाह बन चुकी है।

पापुलर सब-4 मीटर एसयूवी ब्रेज़ा का अपडेटेड माडल होगा लान्च

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी अपनी पापुलर सब-4 मीटर एसयूवी ब्रेज़ा का अपडेटेड माडल लान्च करने की तैयारी कर रही है। आटोमोटिव शौकीन कुशाग्र मित्तल की नई स्पाई तस्वीरों में 2026 ब्रेज़ा बिना किसी कैमोफ्लाज के टेस्टिंग के दौरान दिखी है, जिससे इसके जल्द लान्च होने के संकेत मिलते हैं। स्पाई तस्वीरों के आधार पर देखा जाए तो इसके एक्सटीरियर डिजाइन में बड़े बदलाव दिखाई नहीं देते। फ्रंट और रियर फेसिया, लाइटिंग एलिमेंट, बाडी क्लैडिंग और एलाय व्हील का डिजाइन मौजूदा माडल जैसा ही दिखाई दे रहा है।

कंपनी ने पिछले डिजाइन को बरकरार रखा है और इसमें कास्मेटिक अपडेट नहीं किए गए हैं। असल बदलाव इसके इंटीरियर और इंजन विकल्पों में देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2026 ब्रेज़ा में बड़ा 10.2-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है, जो फिलहाल मौजूद 9-इंच यूनिट को रिप्लेस करेगा। इसके अलावा, मारुति सुजुकी इसका सीएनजी सिलेंडर नई पोजिशन पर फ्लोर के नीचे शिफ्ट कर सकती है, जिससे बूट स्पेस लगभग पूरी तरह उपलब्ध रहेगा। हालांकि इस सेटअप में स्पेयर व्हील नहीं मिलेगा। सबसे अहम बदलाव इसके इंजन लाइनअप में देखने को मिल सकता है।

करीब 6 साल बाद मारुति की किसी गाड़ी में 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स मिलने की संभावना है, जिसकी झलक पहले स्पाई शाट्स में भी दिखी थी। फिलहाल ब्रेज़ा 1.5-लीटर 4-सिलेंडर एनए पेट्रोल इंजन के साथ आती है, लेकिन 2026 माडल में कंपनी 1.0-लीटर 3-सिलेंडर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल या 1.2-लीटर एनए पेट्रोल इंजन का विकल्प जोड़ सकती है। इससे ब्रेज़ा की कीमतें बी-सेगमेंट टैक्स ब्रैकेट में और ज्यादा किफायती हो सकती हैं। वर्तमान माडल की एक्स-शोरूम कीमतें 8.26 लाख रुपए से 13.01 लाख रुपए के बीच हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डबल डेकर...

आगरा में ईदगाह कटघर रोड से गुजरात के गांधीधाम तक जाने वाली बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां और माल ढुलाई पाई गई। फर्स्ट एड किट तक उपलब्ध नहीं थी।

प्रयागराज में बसों के फर्स्ट एड बॉक्स खाली मिले, इमरजेंसी खिड़कियां गद्दों से ढकी थीं और यात्री डिब्बे में लोहे के गार्डर रखे मिले। यह गंभीर सुरक्षा उल्लंघन है।

राजस्थान में जब परिवहन विभाग ने जांच अभियान शुरू किया तो निजी बस संचालकों ने हड़ताल कर दी। आरोप है कि कई बसों में न फायर सिलेंडर हैं और न ही इमरजेंसी गेट मानकों के अनुरूप खुले रहते हैं। सरकार और संचालकों के बीच टकराव के बीच यात्री असुरक्षा के साए में सफर करने को मजबूर हैं।

अब वार्ड ...

अपनी प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय मांगा। अदालत ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी कि यह अंतिम अवसर होगा।

चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध

खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया है कि वह सरकार का जवाब मिलने के एक सप्ताह के भीतर अपना प्रत्युत्तर (रिप्लाई काउंटर) दाखिल करें। इसके पश्चात, अदालत ने मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी है। जीएचएमसी सीमा के भीतर वार्ड पुन: विभाजन का यह मुद्दा लंबे समय से लंबित है और हैदराबाद के शहरी शासन (अर्बन गवर्नेंस) पर इसके दूरगामी प्रभावों के कारण इसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हाइड्रा को...

याचिकाकर्ता का पक्ष था कि हाइड्रा अधिकारियों ने सप्ताहांत में जमीन पर पहुंचकर मनमाने ढंग से शेड गिराए और बाड़ खड़ी कर दी।

सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने हाइड्रा के वकील से कड़े सवाल किए कि वे बिना किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए या प्रभावित पक्षों को नोटिस दिए किसी जमीन पर कैसे प्रवेश कर सकते हैं और बाड़ कैसे लगा सकते हैं। अदालत ने अधिकारियों को तुरंत बाड़ हटाने का निर्देश दिया और मामले के विभिन्न पहलुओं पर जवाब (काउंटर) दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

पूर्व विधायक को जमानत

एक अन्य महत्वपूर्ण मामले में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने तांडूर नगर पालिका चुनाव मतगणना के दौरान कथित गड़बड़ी के मामले में पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी और आठ अन्य को अग्रिम जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति ने विकाराबाद जिले के तांडूर टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध के संबंध में दायर आपराधिक याचिका को स्वीकार कर लिया।

यह मामला 13 फरवरी की एक घटना से संबंधित है, जहाँ बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए सेंट मार्क्स स्कूल के पास अवैध रूप से भीड़ जुटाई थी।

अभियोजन पक्ष का तर्क था कि आरोपियों ने सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डाली, बिना अनुमति मतगणना केंद्र में प्रवेश करने की कोशिश की और राजमार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया, जो भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध है। वहीं, याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि यह मामला पूरी तरह राजनीतिक रूप से प्रेरित है और उन्होंने केवल निषेधाज्ञा के बावजूद मतगणना बूथों के अंदर कुछ व्यक्तियों की उपस्थिति पर सवाल उठाया था।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, न्यायाधीश ने गौर किया कि कथित अपराधों के लिए सात साल से कम की सजा का प्रावधान है और इस चरण में हिरासत में पूछताछ अनिवार्य नहीं लग रही है। यह देखते हुए कि गवाह मुख्य रूप से सरकारी अधिकारी हैं, अदालत ने अग्रिम जमानत मंजूर कर ली।

शीर्ष नक्सलियों ...

राज्य समिति के सदस्य (एससीएम) को 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलती है। सूत्रों का कहना है कि गृह मंत्रालय (एमएचए) को इस पैकेज को बढ़ाने के प्रस्ताव भी भेजे गए हैं।

गृह मंत्रालय केंद्रीय समिति के सदस्य के आत्मसमर्पण के लिए 1 करोड़ तक की पेशकश करता है। पुलिस विभाग इन प्रस्तावों को सक्रियता से आगे बढ़ा रहा है ताकि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली गरिमापूर्ण जीवन जी सकें।

अधूरी मांगें और पुनर्वास की चुनौतियां

तेलंगाना में अभी भी 2012 (अविभाजित आंध्र प्रदेश के समय) की आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति लागू है। हालांकि, कुछ पुरानी मांगें अभी भी अधूरी हैं। कई पूर्व कैडरों ने कृषि भूमि आवंटन की मांग की थी, जो वादा काफी हद तक पूरा नहीं हो सका है। अधिकारियों का कहना है कि हालांकि वित्तीय सहायता तुरंत दी जाती है, लेकिन अन्य दीर्घकालिक लाभों में देरी हुई है। इसके बावजूद, पिछले कुछ दशकों में प्रतिबंधित संगठनों में नए कैडरों की भर्ती न के बराबर रह गई है, जो सुरक्षा बलों की एक बड़ी रणनीतिक जीत है।

लोगों को बेघर...

तुषार गांधी का मानना है कि बापू के नाम पर बनने वाला कोई भी स्मारक या परियोजना यदि लोगों को बेघर करती है, तो वह उनके सिद्धांतों का अपमान है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि विकास की ऐसी राह चुनी जाए जिसमें गरीब और वंचित वर्गों का अहित न हो।

मूसी नदी के किनारे रहने वाले परिवारों के विस्थापन का मुद्दा पिछले कुछ समय से तेलंगाना की राजनीति और सामाजिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब गांधी परिवार के सदस्य द्वारा इस पर आपत्ति जताए जाने के बाद, इस मुद्दे ने और अधिक तूल पकड़ लिया है। तुषार गांधी का यह बयान सरकार के लिए एक नैतिक चुनौती पेश कर सकता है, क्योंकि यह सीधे तौर पर अहिंसा और जनकल्याण के गांधीवादी आदर्शों से जुड़ा है।

कैब ड्राइवर...

को शाहीन नगर के पास से धर दबोचा। पुलिस ने इनके पास से निम्नलिखित सामान जब्त किया है: एक देसी पिस्तौल और 35 जिंदा कारतूस, दो मैगजीन और दो मोबाइल फोन, 2.38 लाख नकद।

पुलिस ने बताया कि आरोपी फुरकान अहमद के खिलाफ उत्तर प्रदेश में गोहत्या अधिनियम, हत्या के प्रयास और दंगों सहित कई मामले दर्ज हैं। वहीं तैयब त्यागी भी मुजफ्फरनगर में 2023 की एक डकैती में शामिल रहा है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है।

अब बिकेगा...

शुरू कर चुके हैं, जिससे निवेशकों की रुचि बढ़ी है।

मिश्रित उपयोग की अनुमति: इन भूखंडों का उपयोग वाणिज्यिक, आवासीय, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा और मनोरंजन विकास के लिए किया जा सकेगा।कनेक्टिविटी: इसकी रणनीतिक स्थिति इसे आकर्षक बनाती हैयह ओआरआर से मात्र 2 मिनट, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट से 15 मिनट और हाई-टेक सिटी से 30 मिनट की दूरी पर स्थित है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

फाल्गुन मास में पहाड़ी श्याम मंदिर में श्री श्याम निशान शोभा यात्राओं का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पहाड़ी श्याम मंदिर में फाल्गुन मास के उपलक्ष्य में श्रद्धा एवं उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर श्री श्याम प्रेमी परिवार मण्डल, पॉट मार्केट तथा राम श्याम मित्र मण्डल, सुचित्रा द्वारा मंदिर पधारी श्री श्याम निशान शोभा यात्राओं का भव्य स्वागत किया गया।

पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने विजय अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, राहुल अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया तथा सुरेश अग्रवाल (नाचारम) के साथ शोभा यात्राओं का स्वागत किया। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं का अभिनंदन पुष्प वर्षा एवं जयकारों के साथ किया गया।

इस अवसर पर सैकड़ों भक्तों ने श्री श्याम निशान शोभा यात्रा के माध्यम से इच्छापूर्ति निशान धारण कर मंदिर पहुंचकर शीश के दानी बाबा श्याम को समर्पित किया तथा दर्शन लाभ प्राप्त किया। फाल्गुन मास में आयोजित इस आयोजन ने श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं आस्था का संचार किया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, समर्पण और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे संपूर्ण वातावरण श्याममय हो उठा।

पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में तीन दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव कल से

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। फाल्गुन सुदी ग्यारस के उपलक्ष्य में पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में तीन दिवसीय - श्रीश्याम फाल्गुन महोत्सव - 26 से 28 फरवरी तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मन्दिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया द्वारा दी गई विज्ञप्ति अनुसार श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार 26 फरवरी को प्रातः 10 बजे ताली कीर्तन के साथ होगा । ताली कीर्तन सायं 6 बजे से प्रभु इच्छा तक किया जायेगा । मन्दिर में अर्पित करने हेतु भक्तों द्वारा लाए गए इच्छापूर्ति निशानों का स्वागत किया जायेगा । फाल्गुन सुदी ग्यारस - शुक्रवार 27 फरवरी को प्रातः 7 बजे से मन्दिर में श्याम प्रेमी संस्थाओं एवं भक्तों द्वारा मन्दिर में अर्पित करने लाए जाने वाले इच्छापूर्ति निशानों का भव्य स्वागत किया जायेगा । फाल्गुन सुदी ग्यारस के अवसर पर मन्दिर का अलौकिक श्रृंगार, दिव्य दरबार, सुमधुर भजन एवं छप्पन भोग मुख्य आकर्षण रहेंगे ।

फाल्गुन सुदी ग्यारस के उपलक्ष्य में शुक्रवार 27 फरवरी को सायं 7:01 बजे से श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा । जयपुर के सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष घी वाला अपनी सुमधुर वाणी में भजन प्रस्तुत कर सम्पूर्ण वातावरण को श्याममय बना देंगे। संगीत संयोजन सुप्रसिद्ध तिलकराज एण्ड पार्टी द्वारा किया जायेगा । भजनों की प्रस्तुति श्याम दिवाने द्वारा दी जायेगी । अवसर पर मन्दिर की विभिन्न सेवाओं जैसे मन्दिर सजावट सेवा, बाबा के शृंगार की सेवा, बाबा का बागा सेवा, ड्राई फ्रुट सेवा, चॉकलेट सेवा, प्रसाद सेवा, सवामणि सेवा, छप्पन भोग सेवा, पुष्प सेवा तथा फल सेवा में इच्छुक भक्त मन्दिर समिति से सम्पर्क कर सकते हैं । भक्तों के सुविधार्थ मन्दिर प्रातः 7 बजे से मध्याह्न 2 बजे तक तथा सायं 4 बजे से मध्यरात्रि बेला तक खुला रहेगा । आरती रात्रि 12 बजे की जायेगा । तीन दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव के अन्तर्गत शनिवार 28 फरवरी को फाल्गुन की बारस के प्रथम दर्शन प्रातः 7 बजे से किए जा सकेंगे । पहाड़ी श्याम मन्दिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, रवि सबलका, राहुल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, प्रवीण झाकनीवाल, लड्डू महाराज के नगरद्वय के सभी श्याम प्रेमियों से मन्दिर में आयोजित तीन दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर बाबा के दर्शन एवं अपनी-अपनी मनोकामना पूर्ति आशीर्वाद प्राप्त करने का निवेदन किया है ।

सिम्बा की स्मृति में सरकारी पशु चिकित्सालय को दान

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद के नारायणगुडा स्थित सरकारी सुपर स्पेशियलिटी पशु चिकित्सालय में पशुओं के कल्याण के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। 23 फरवरी को वरिष्ठ अधिवक्ता सी. निरंजन राव और उनके परिवार ने अपने प्रिय पालतू कुत्ते सी. सिम्बा की याद में अस्पताल को महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण और बुनियादी सुविधाएं दान कीं।

सी. निरंजन राव ने अपने परिवार के साथ मिलकर अस्पताल के फर्श का नवीनीकरण करवाया है, ताकि वहां आने वाले मूक पशुओं को बेहतर वातावरण मिल सके। इसके साथ ही, उन्होंने पशुओं के उपचार के लिए एक आधुनिक सर्जिकल टेबल और सर्जिकल लाइट्स भी दान की हैं। यह योगदान विशेष रूप से उन पालतू जानवरों और आवारा पशुओं के लिए अत्यंत सहायक होगा जिन्हें गंभीर सर्जरी की आवश्यकता होती है।

दानदाता सी. निरंजन राव तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के न्यायालयों में एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता हैं। उन्हें श्रम कानूना के क्षेत्र में 35 से अधिक वर्षों का व्यापक अनुभव प्राप्त है। अपने व्यस्त पेशेवर जीवन के बावजूद, उन्होंने अपने दिवंगत पालतू जानवर की स्मृति में समाज और बेजुबान जानवरों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है।

इस दान के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए अस्पताल प्रशासन द्वारा एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिला चिकित्सा अधिकारी प्रवीण कुमार और अस्पताल की अधीक्षक डॉ. सुरेखा की उपस्थिति में श्री सी. निरंजन राव और उनके परिवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार का मानवीय व्यवहार अन्य लोगों को भी पशु कल्याण के कार्यों में आगे आने के लिए प्रेरित करेगा।

मानव सेवा से बढ़कर कुछ नहीं: शिव भगवान अग्रवाल

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिव भगवान अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निस्वार्थ भाव से किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराना एक पुण्य कार्य है, जिसमें सभी सदस्यों का सहयोग अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को प्रेमपूर्वक अन्न वितरण किया गया। उपस्थित सदस्यों ने एकजुट होकर सेवा कार्य को सफल बनाया। शिव भगवान अग्रवाल ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में भाईचारे, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोविंदराम पचेरिया, विनोद तोष्णीवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, स्वस्ति अग्रवाल, मीना गोयल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा चलाया जा रहा यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल बनता जा रहा है।

एफटीसीसीआई द्वारा एआई विषय पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव का अतिथि वक्ता के रूप में स्वागत किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू उपस्थित रहे। इस अवसर पर एफटीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत इन्नानी एवं उपाध्यक्ष श्रीनिवास गरिमेला ने मंत्री श्रीधर बाबू को उद्योग एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े विभिन्न विषयों पर ज्ञापन सौंपा।

अंबरपेट में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) भाग्यनगर के अंबरपेट इलाके में मंगलवार को उस समय मातम पसर गया जब एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। मृतकों की पहचान 55 वर्षीय राम राज, 50 वर्षीय माधवी और उनके 24 वर्षीय बेटे शशांक के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में पुलिस को मौके से फिलहाल कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह काफी समय बीत जाने के बाद भी जब घर के दरवाजे नहीं खुले, तो पड़ोसियों को कुछ अनहोनी की आशंका हुई। खिड़की से देखने और आवाज देने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला, तो स्थानीय लोगों ने पुलिस और परिवार के अन्य रिश्तेदारों को सूचित किया। घर के भीतर प्रवेश करने पर तीनों के शव बरामद हुए। घटना की सूचना मिलते ही अंबरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए हर संभव कोण से जांच कर रही है। मौके पर 'क्लूज टीम' (उश्रींशी ढशरा) को बुलाया गया है, जो घर से वैज्ञानिक साक्ष्य और फिंगरप्रिंट एकत्र कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या परिवार ने कोई 'सुसाइड नोट' छोड़ा है। इसके लिए पूरे घर की गहन तलाशी ली जा रही है।

इस हृदयविदारक घटना की खबर मिलते ही मृतक के रिश्तेदार मौके पर जमा हो गए और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। किसी को यकीन नहीं हो रहा कि हँसता-खेलता परिवार इस तरह सामूहिक आत्मघाती कदम उठा सकता है। पुलिस ने शवों को पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के समय और सटीक कारणों का खुलासा हो पाएगा।

अल-मदीना सोसाइटी ने बोराबंडा में शुरू किया शीतल पेयजल शिविर

पिछले 18 वर्षों से निरंतर जारी है सेवा की परंपरा

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अल-मदीना सोसाइटी द्वारा बोराबंडा के ए.जी. कॉलोनी एक्स रोड पर पिछले 18 वर्षों से लगातार आयोजित किए जा रहे शीतल पेयजल ग्रीष्मकालीन शिविर का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस शिविर का उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान राहगीरों और स्थानीय निवासियों को स्वच्छ और ठंडा पानी उपलब्ध कराकर राहत पहुँचाना है।

प्रमुख अतिथियों द्वारा शिविर का औपचारिक उद्घाटन

इस वर्ष के शिविर का औपचारिक उद्घाटन श्रीकृष्ण शर्मा (ऑल ज़ोन जनरल सेक्रेटरी) और श्रीमती तेजो विजया कुमारी (अध्यक्ष, सेंट्रल पीस वेलफेयर कमेटी, जुबली ज़ोन) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मौलाना आबिद इकबाल अशरफी के विशेष आशीर्वाद और मस्जिद कमेटी के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में हुआ।

इस दौरान वक्ताओं ने समाज सेवा के इस निरंतर प्रयास की सराहना की।उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोराबंडा पुलिस स्टेशन के एसआई नागेंद्र बाबू उपस्थित रहे। उनके साथ शांति समिति के महासचिव मोहम्मद असद उद्दीन, हनुमंत राव, सैयद वसीम, शेख जमाल, रमेश, पी.एस. राव, कृष्ण, मोहसिन, नजीर अहमद, अब्दुल रज्जाक, मोहम्मद मुश्ताक और शेख गौस पाशा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत में मोहम्मद सलीम जावेद ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

स्थानीय निवासियों ने की नेक पहल की सराहना

कार्यक्रम के अंत में महासचिव मिर्जा शोएब बेग (अधिवक्ता) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने सोसाइटी की ओर से सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय निवासियों ने अल-मदीना सोसाइटी की इस निस्वार्थ सेवा की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले 18 वर्षों से यह शिविर गर्मियों में इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा सहारा साबित हो रहा है। सफल उद्घाटन के बाद अब यह शिविर पूरी गर्मी जनता की सेवा के लिए खुला रहेगा।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल ने मनाया स्थापना दिवस

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की आधिकारिक यात्रा गरिमामय ढंग से सम्पन्न

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल ने अपना स्थापना दिवस एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की आधिकारिक यात्रा बड़े ही गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में होटल ताज दक्कन बंजारा हिल्स में मनाई। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं विशिष्ट अतिथियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत क्लब के अध्यक्ष चेतन ने सभी विशिष्ट अतिथियों एवं सदस्यों का आत्मीय स्वागत कर की। सचिव पारस डोसी ने पूरे वर्ष की गतिविधियों, सेवा कार्यों और उपलब्धियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसने क्लब की सक्रियता और समर्पण को दर्शाया। प्रतिवेदन में सामाजिक उत्तरदायित्व, सामुदायिक सहयोग और विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं का उल्लेख किया गया।डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. राम प्रसाद तथा असिस्टेंट गवर्नर डॉ. हरि सर्वोत्तमन ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में क्लब की सराहना करते हुए कहा कि क्लब फेलोशिप, आपसी सौहार्द, सेवा कार्यों, नियमित बैठकों एवं संगठनात्मक मजबूती में अत्यंत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने भविष्य के लिए भी इसी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया तथा समाज सेवा के नए आयाम स्थापित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर आशीष अवस्थी, रामराज खत्री, पंकज संघी, अमित गुप्ता, दीवाकर, राजेश अग्रवाल, नितिन, रजनीश सिंघानिया, सुधीर पिट्टी, महावीर जैन, भानु प्रसाद, गोविंद अग्रवाल, डॉ. देवेंद्र, हरि श्रीनिवास, अनिल कोट्टा, रविंदर, अनिल डंडू, संजय केडिया, सुरेश गुप्ता तथा विजय सारथी की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम की शोभा बढ़ी। यह समारोह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि सेवा, मित्रता और समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त बनाने का प्रेरणादायी अवसर रहा। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी रजनीश सिंघानिया, युवीश नरेदी, हरी श्रीनिवास व साबरी ब्रदर्स थे।

कार्यक्रम का समापन आपसी संवाद, सौहार्दपूर्ण वातावरण एवं भविष्य की योजनाओं के संकल्प के साथ हुआ, जिससे क्लब की सामाजिक प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ होती दिखाई दी।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाने वाला अन्नदान महादान कार्यक्रम हमेशा की ही तरह आर नानगराम के निर्माणाधीन काम्प्लेक्स के समक्ष किया गया। अवसर पर शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल बॉयवाला मानद मंत्री मनोज मित्तल, निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद राम पचेरिया,परामर्श दाता नारायण दास अग्रवाल,नरेश संघी पूजा संघी मीना अग्रवाल,उत्सव अग्रवाल, व कृष अग्रवाल उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम शाखा द्वारा विगत 18 वर्ष से निर्बाध रूप से सम्पन्न किया जाता रहा है।

लोधा में बेगमपेट स्थित मेजबान होटल में बैठक का आयोजन किया गया। होली की तैयारियां पर विचार किया गया। महिलाओं ने प्रार्थना गाई। इस अवसर पर भोजन की व्यवस्था की गई। बैठक में अनिता, भाजपा नेता सपना गुप्ता, पूजा, रेखा, रेनू, अनिकेत सुनीता, प्रमिला, वासांती, निवेदिता, अल्का व अन्य उपस्थित थे।

आईपीआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा सतत जैव प्लास्टिक पर सेमिनार आयोजित

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आईपीआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा टी-हब, हाईटेक सिटी में सतत जैव प्लास्टिक विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्योग जगत, शोधकर्ताओं एवं उद्यमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रिलायन्स इंडस्ट्रीज के पॉलिमर डिवीजन के सीओओ उन्मेश नाइक तथा तापमा के अध्यक्ष नरेंद्र बल्दवा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर आईपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. समीर जोशी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और जैव प्लास्टिक के बढ़ते महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

सेमिनार का संचालन आईपीआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष पुरषोत्तम अडोनी ने किया। कार्यक्रम में संयुक्त सचिव एम.ए. अलीम, कोषाध्यक्ष अमदियाला सुधाकर, सचिव अशोक भार्गव तथा राष्ट्रीय सचिव एम.वी. प्रसाद की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान सतत जैव प्लास्टिक के उपयोग, नवाचार, औद्योगिक संभावनाओं और पर्यावरणीय प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार ने उद्योग जगत को पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वंचित अल्पसंख्यकों के लिए भाजपा ने शुरू किया सौगात-ए-मोदी अभियान

नई दिल्ली/हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी ईद-उल-फितर के पावन अवसर को देखते हुए हैदराबाद के वंचित मुस्लिम परिवारों के लिए सौगात-ए-मोदी अभियान की शुरुआत की है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गरीब मुस्लिम परिवारों के बीच विशेष रमजान मोदी किट वितरित करना है, ताकि वे बिना किसी आर्थिक कठिनाई के त्योहार की खुशियां मना सकें।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के तेलंगाना पूर्व राज्य प्रवक्ता, मीर फिरासत अली बाकरी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस अभियान के व्यापक दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने बताया कि पवित्र रमजान माह और ईद-उल-फितर के दौरान इस पहल के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुँचाई जाएगी। बाकरी ने कहा कि इस अभियान के तहत अल्पसंख्यक मोर्चा के हजारों कार्यकर्ता हैदराबाद की विभिन्न मस्जिदों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि वास्तविक जरूरतमंदों की पहचान कर उन तक मदद पहुँचाई जा सके।इस अभियान को गति देते हुए केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, गजेंद्र सिंह शेखवत ने नई दिल्ली स्थित अपने अकबर रोड कार्यालय में सौगात-ए-मोदी अभियान के विशेष पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना के पूर्व राज्य प्रवक्ता मीर फिरासत अली बाकरी भी उपस्थित रहे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे की जेडआरयूसीसी की 25वीं बैठक संपन्न

हुब्बली से जोधपुर सहित अन्य शहरों के लिए त्यौहार स्पेशल ट्रेनों की मांग

हुब्बली, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दक्षिण पश्चिम रेलवे पर जोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की 25वीं बैठक आज हुबली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर महाप्रबंधक पी. अनंत ने की।

यह बैठक रेलवे के विभिन्न हितधारकों के साथ बेहतर प्रतिनिधित्व एवं परामर्श के उद्देश्य से आयोजित की गई। बैठक में यात्री सुविधाओं, ट्रेन सेवाओं तथा बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित मुद्दों और चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

अपर महाप्रबंधक पी. अनंत ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए वर्ष 2026-27 के रेलवे बजट की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने दक्षिण पश्चिम रेलवे में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी तथा त्यौहार एवं छुट्टियों के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई गई विशेष ट्रेनों और जोड़े गए अतिरिक्त डिब्बों के बारे में अवगत कराया। साथ ही उन्होंने बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं का विवरण प्रस्तुत करते हुए आश्वासन दिया कि एसडब्ल्यूआर कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत है। बैठक के दौरान सदस्यों को यात्री सुविधाओं, बुनियादी ढांचा विकास, अतिरिक्त ठहराव सहित ट्रेन सेवाओं, ट्रेनों की आवृत्ति में वृद्धि तथा आरओबी/आरयूबी के निर्माण से संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई।

जेडआरयूसीसी सदस्य महेन्द्र सिंघी ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि बेंगलुरु-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस को हुब्बली-धारवाड़ मार्ग से चलाने की जो घोषणा की गई है, उसका संचालन शीघ्र किया जाए। उन्होंने हुब्बली से जोधपुर तथा उत्तर भारत के अन्य शहरों के लिए गर्मी की छुट्टियों और वैवाहिक सीजन के दौरान विशेष ट्रेनों के संचालन, एवं हुब्बली से हैदराबाद तथा हैदराबाद से हुब्बली के लिए रात्रिकालीन ट्रेन चलाने की भी मांग रखी। इस पर रेलवे अधिकारियों ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर बेल्लारी सांसद ई. तुकाराम, चिक्कोडी सांसद प्रियंका सतीश जारकीहोली, विधायक यू. बी. बनकार सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित रहकर अपनी-अपनी मांगें रखीं।

बैठक में उप महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।अपर महाप्रबंधक पी. अनंत ने आश्वासन दिया कि जेडआरयूसीसी सदस्यों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न मांगों और सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा तथा उन्हें पूरा करने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा ठोस प्रयास किए जाएंगे, ताकि विभिन्न रेलवे हितधारकों की आवश्यकताओं का प्रभावी रूप से प्रतिनिधित्व किया जा सके।

अत्तापुर में 14वीं श्री श्याम निशान यात्रा की तैयारियां जोरों पर

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री श्याम मित्र मंडल सूरजगढ़ निशान अतापुर इस बार 14वीं निशान यात्रा की तैयारी बड़े उत्साह के साथ कर रहा है। निशान यात्रा के संयोजक पवन नालपुरिया एवं संतोष अग्रवाल ने बताया कि 26 फरवरी एवं 27 फरवरी को आयोजित होने वाली विशाल निशान यात्रा को लेकर सभी श्याम प्रेमी कार्यकर्ता दिए गए दायित्वों को पूर्ण निष्ठा के साथ संपन्न करने में जुटे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि 26 फरवरी को अतापुर स्थित रामबाग राम मंदिर प्रांगण में प्रातः से ही निशानों की तैयारी प्रारंभ हो जाएगी। सायं 4:15 बजे प्राचीन सूरजगढ़ श्याम निशान की स्थापना की जाएगी। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारी इंद्रकरण अग्रवाल एवं रामदेव अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि मुख्य पुजारी रामचरण जी महाराज विशेष रूप से पूजा-अर्चना संपन्न कराएंगे।

27 फरवरी को प्रातः 5:00 बजे पंडित सुरेश शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजन के पश्चात निशान यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। यात्रा का मुख्य आकर्षण सूरजगढ़ का प्राचीन श्री श्याम निशान, चमत्कारी मोरछड़ी, महिलाओं के सिर पर सजी मनोकामना सिगड़ी तथा श्री श्याम भक्तों के हाथों में रंग-बिरंगे श्री श्याम निशान होंगे। इसके साथ ही रथ में सजा बाबा श्याम का भव्य एवं आकर्षक दरबार तथा डीजे के माध्यम से बाबा श्याम का गुणगान यात्रा का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

निशान यात्रा अतापुर के रामबाग राम मंदिर से प्रारंभ होकर किशनबाग, बहादुरपुरा, पुराना पुल, जुम्मेरात बाजार, मुस्लिम जंग पुल, अफजालगंज, इमलीबन बस स्टैंड, रामघाट, चादरघाट, निंबोली अड्डा से होते हुए काचीगुड़ा खाटू श्याम मंदिर पहुंचेगी। यात्रा में हैदराबाद की नामचीन हस्तियां मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगी। यात्रा संयोजक संतोष अग्रवाल ने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सेवा स्वरूप प्रसाद वितरण, शीतल जल, कोल्ड ड्रिंक, जूस, नाश्ता आदि की व्यवस्था की गई है।

अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा एवं खान-पान की विशेष व्यवस्था की जाएगी। मंदिर में निशान अर्पित करने के पश्चात मंदिर परिसर में सामूहिक भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया ने जानकारी दी कि यात्रा के दौरान हैदराबाद कमिश्नर के निर्देशानुसार सभी थानों की ओर से पुलिस बंदोबस्त रहेगा। मंडल के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी ने सभी धर्मावलंबियों से इस विशाल निशान यात्रा में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का निवेदन किया है।

देहरादून में अ. भा. वैज्ञानिक एवं तकनीकी संयुक्त राजभाषा संगोष्ठी में डीआरडीओ के अधिकारी प्रस्तुत करेंगे शोध-पत्र

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ), जो रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत है, के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी-2 टी. गोविंद सिंह (कवि गोविंद अक्षय) तथा वरिष्ठ लेखा अधिकारी-2 पी. रवि कुमार 24 से 27 फरवरी, 2026 तकदेहरादूर (उत्तराखंड) की राजभाषा यात्रा पर रहेंगे।

25-26 फरवरी, 2026 को यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी संयुक्त राजभाषा संगोष्ठी में दोनों अधिकारी अपने-अपने शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे।टी. गोविंद सिंह राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन में आधुनिक तकनीक का योगदान विषय पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन अनुवाद, ई-ऑफिस, डिजिटल शब्दावली एवं अन्य आधुनिक तकनीकी साधनों के माध्यम से राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रकाश डालेंगे।

वहीं पी. रवि कुमार आधुनिक युद्ध-कौशल हेतु डीआरडीओ का योगदान एवं चुनौतियाँ विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे, जिसमें स्वदेशी रक्षा तकनीक, अनुसंधान उपलब्धियों तथा भविष्य की चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।यह संगोष्ठी वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में राजभाषा हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करने, तकनीकी शब्दावली के विकास तथा प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। इस प्रकार के आयोजन वैज्ञानिक संवाद को सशक्त बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं। संगोष्ठी में देशभर के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं राजभाषा विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में सहभागिता अपेक्षित है।

आईसीएआई हैदराबाद चैप्टर के नवनिर्वाचित चेयरमैन सीए गिरधारीलाल तोषनीवाल, मंत्री सीए कुमारपाल तातेड़, कोषाध्यक्ष सीए शैलेष खण्डेलवाल एवं सदर्न इंडिया रीज़नल काउंसिल ऑफ आईसीएआई के चेयरमैन सीए दीपक लड्डा का अभिनन्दन करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, निदेशक दीपक कुमार बंग, भगवानदास लाहोटी, आदित्य कुमार चाण्डक, राहुल असावा, सीए विनोद बजाज, सीए विनीत पारीक, राज बंग, एडवोकेट सिद्धार्थ गिलडा एवं अन्य ।

कांग्रेस सरकार बनने के बाद मंदिरों पर हमले बढ़े: बंडी संजय

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने आरोप लगाया है कि दिसंबर 2023 में तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य में मंदिरों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं।

मंगलवार को करीमनगर नगर निगम से नव-निर्वाचित भाजपा पार्षदों के साथ भाग्य लक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि सत्ताधारी कांग्रेस और बीआरएस बिना किसी शर्म के एआईएमआईएम के इशारों पर काम कर रही हैं।

पिछले दो वर्षों में मंदिरों पर हुए कथित हमलों का हवाला देते हुए बंदी संजय ने प्रश्न उठाया कि कांग्रेस-एमआईएम सरकार के गठन के बाद ही मंदिरों पर हमले क्यों हो रहे हैं? उन्होंने कहा कि यदि बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को मंदिरों की सुरक्षा के लिए गुहार लगानी पड़ रही है, तो समाज को यह विचार करना चाहिए कि हिंदू हितों की रक्षा कौन करेगा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि भाजपा राज्य में सत्ता में आती है, तो पंजाब के स्वर्ण मंदिर से प्रेरणा लेकर भाग्य लक्ष्मी मंदिर का भव्य विकास किया जाएगा। भाजपा सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार की पक्षधर है, लेकिन मंदिर हमलों, गौहत्या, कथित 'लव जिहाद' और अन्य मुद्दों पर आवाज उठाना जारी रखेगी।

संजय ने बांसवाड़ा कस्बे में हाल ही में हुए सांप्रदायिक तनाव का उल्लेख करते हुए दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, जबकि हमलों में एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं की भूमिका रही। उन्होंने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की और बांसवाड़ा जाने की योजना की जानकारी दी।

रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों को एक घंटा पहले छुट्टी देने के सरकारी निर्णय का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसका विरोध नहीं किया। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि हनुमान दीक्षा, अय्यप्पा दीक्षा और भवानी दीक्षा का पालन करने वालों पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं और ऐसे मुद्दे उठाने पर भाजपा नेताओं को सांप्रदायिक करार दिया जाता है।

उन्होंने दावा किया कि केंद्र में भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा तीन तलाक कानून निरस्त किए जाने के बाद मुस्लिम महिलाओं ने भी भाजपा का समर्थन किया। बंदी संजय ने कांग्रेस और एआईएमआईएम के बीच कथित सांठगांठ का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा आगामी ग्रेटर हैदराबाद, साइबराबाद और मलकाजगिरि नगर निगम चुनावों में जीत दर्ज करेगी।

मुख्यमंत्री रेवंत की हालिया टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कांग्रेस पर चंदा जुटाने की राजनीति का आरोप लगाया और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाया भुगतान का मुद्दा उठाया।

नामपल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के कुछ विधायक मंत्री पद की मांग को लेकर असंतुष्ट हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा चाहती है कि राज्य सरकार लोकतांत्रिक तरीके से अपना कार्यकाल पूरा करे।

युद्धाभ्यास 'खड़ग शक्ति' में दिखी भारत की सैन्य शक्ति, युद्ध कौशल का जबरदस्त प्रदर्शन

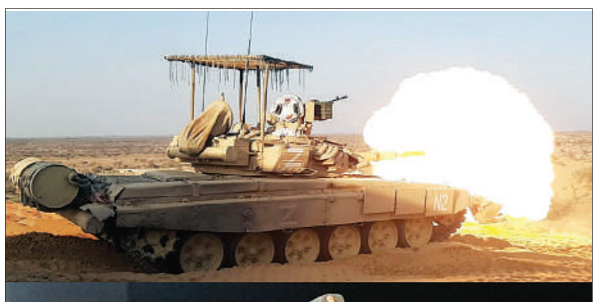

बीकानेर, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संभाग मुख्यालय के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 'खड़ग शक्ति' युद्धाभ्यास के दौरान भारतीय सेना की सैन्य शक्ति एक बार फिर व्यापक स्तर पर देखने को मिली। सेना ने आधुनिक और पारंपरिक युद्ध कौशल का जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस दौरान दस हजार फीट की ऊंचाई से पैराट्रूपरों की सामरिक छलांग, चेतक और चीता हेलीकॉप्टरों द्वारा त्वरित एम्युनिशन आपूर्ति व रेकी, हथियारों से लैस अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर की सटीक मार कार्रवाई, स्वॉर्म और लॉजिस्टिक ड्रोन का उपयोग के साथ-साथ तोपखाने की समन्वित फायरिंग का प्रदर्शन हुआ। अभ्यास में ड्रोन ऑपरेशन्स, दिव्यास्त्र बैटरी, अग्निबाण रेजीमेंट, अश्नी योद्धा सिस्टम, स्मर्च रॉकेट सिस्टम और इंटीग्रेटेड आर्टिलरी फायरपावर का प्रदर्शन किया गया। अंतिम चरण में पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार खटियार और टू कोर कमांडर जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर की उपस्थिति में संयुक्त युद्धाभ्यास और एयरबोर्न ऑपरेशन का लाइव प्रदर्शन हुआ। 8 से 10 हजार फीट की ऊंचाई से पैराड्रॉप, सटीक आर्टिलरी स्ट्राइक और दुश्मन क्षेत्र में घुसकर कार्रवाई का सिमुलेशन इस अभ्यास की खास झलक रही। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने अभ्यास का निरीक्षण करते हुए विभिन्न चरणों की समीक्षा की। लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान महाजन की रेतीली धरा पर सेना की तोपें और टैंको ने अपनी गर्जना से आसमान गुंजायमान कर दिया और ड्रोन तकनीक के उपयोग पर विशेष फोकस किया गया। युद्धाभ्यास में नाइट फायरिंग (रात्रि कालीन युद्धाभ्यास) पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसके माध्यम से अंधेरे में भी दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों को अचूक निशानों से ध्वस्त करने का अभ्यास किया गया। आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप को देखते हुए इस अभ्यास में ड्रोन तकनीक का व्यापक उपयोग किया गया, जिससे निगरानी से लेकर सटीक हमलों तक में ड्रोन की भूमिका प्रदर्शित की गई।अभ्यास की एक प्रमुख विशेषता ड्रोन आधारित निगरानी और आक्रमण प्रणाली रही। स्वॉर्म ड्रोन और क्वाटकॉप्टर के माध्यम से वास्तविक समय में लक्ष्य चिन्हांकन किया गया। चेतक हेलीकॉप्टरों ने गोला बारुद और आवश्यक सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे अग्रिम मोर्चे पर तैनात टुकड़ियों की संचालन क्षमता निर्बाध बनी रही। जमीनी स्तर पर टेंक, बख्तरबंद वाहन और मशीनीकृत पैदल सेना ने एकीकृत फायरिंग ड्रिल के माध्यम से आगे बढ़ते हुए लक्ष्य भेदन का अभ्यास किया। कमांडो की अग्रिम टुकड़ी ने दुश्मन के ठिकानों की पहचान कर उनकी सूचना तोपखाना इकाईयों को दी, जिसके बाद समन्वित गोलाबारी से लक्ष्यों को निष्प्रभावी किया गया।

चित्रकूट में 4–5 अप्रैल को होगी अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सतीश अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आगामी 4 एवं 5 अप्रैल को श्री श्रीधर धाम, श्री दास हनुमान देवस्थान, प्रमोद वन के सामने, सतना रोड, चित्रकूट में महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों एवं जिला अध्यक्षों की बैठक आयोजित की जाएगी।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि चित्रकूट धाम के कण-कण में भगवान राम, माता सीता एवं श्री लक्ष्मण जी का वास माना जाता है। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने 14 वर्ष के वनवास में से 11 वर्ष चित्रकूट धाम में त्रिकूट पर्वत पर निवास किया था। त्रिकूट पर्वत की लगभग 5 किलोमीटर की परिक्रमा श्रद्धालुओं द्वारा की जाती है, जो विशेष धार्मिक महत्व रखती है।

विज्ञप्ति में चित्रकूट के प्रमुख धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलोंरामघाट, कामदगिरि, हनुमान धारा, मानस दर्शन, जानकी कुंड, स्फटिक शिला, राम दर्शन, सती अनुसूइया, गुप्त गोदावरी, भरतकूप, रामसैया, नन्दी हनुमान, बाल्मीकि आश्रम, गणेश बाग, देवांगना, सरभंग आश्रम, सुतीक्ष्ण आश्रम, धारकुंडी आश्रम एवं गैनीनाथका उल्लेख किया गया है, जो देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केंद्र हैं।महासभा की ओर से सभी राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है, ताकि संगठनात्मक विषयों पर व्यापक चर्चा एवं भावी योजनाओं पर निर्णय लिया जा सके।

साधु वासवानी मिशन ने प्रभावशाली मानवीय सेवाओं के साथ थैंक्सगिविंग वीक मनाया

पुणे, 24 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साधु वासवानी मिशन ने ग्लोबल मुख्यालय पुणे से अपनी वार्षिक थैंक्सगिविंग वीक का सफल समापन किया। वर्ष 1998 से निरंतर मनाई जा रही यह परंपरा गहन मानवीय सेवा और प्रार्थना को समर्पित है। 18 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित इस सप्ताह का उद्देश्य कृतज्ञता को केवल भाव नहीं, बल्कि कर्म के रूप में जीने का वैश्विक संदेश देना है। दीदी कृष्णाकुमारीजी के मार्गदर्शन में मिशन के सेवा कार्यक्रमों ने समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचकर गरिमा और व्यावहारिक सहयोग को प्राथमिकता दी। इस दौरान स्वास्थ्य सहयोग के तहत् ताराचंद, कमला नेहरू तथा

सरदार वल्लभभाई पटेल अस्पतालों में पोषण एवं स्वच्छता से संबंधित समान का वितरण किया गया। दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में लिम्ब्स फॉर द लिम्बलेस पहल के अंतर्गत 42 कृत्रिम अंग वितरित किए गए, जिससे शिशुओं एवं बच्चों सहित अनेक लाभार्थियों को पुनः गतिशीलता प्राप्त हुई। शिक्षा एवं युवा समर्थन में मुलशी के जिला परिषद स्कूल के विद्यार्थियों तथा महात्मा फुले विद्यालय के छात्रों को स्टेशनरी एवं परीक्षा-आवश्यक समान प्रदान की गई। वहीं सामाजिक समावेशन के लिए दृष्टिबाधित व्यक्तियों, ट्रांसजेंडर समुदाय तथा महिला आश्रम अनाथालय के निवासियों के लिए विशेष सहायता एवं वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

यह सप्ताह मिशन की उस मूल भावना को पुनः सशक्त करता है कि सच्ची कृतज्ञता सेवा, करुणा और मानवता के कार्यों के माध्यम से अभिव्यक्त होती है।

कौशल विकास से दीर्घकालिक सशक्तिकरण..

इस वर्ष के कार्यक्रम की एक विशेष झलक दादा वासवानी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट का समावेश रही। वितरित किए गए अधिकांश कपड़े के बैग प्रशिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा हस्तनिर्मित थे। इस पहल ने यह सुनिश्चित किया कि मिशन की सेवा गतिविधियाँ केवल दान तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यावसायिक प्रशिक्षण और स्थानीय आजीविका को भी सशक्त बना रही हैं।

ऑपरेशन ऑक्टोपस हैदराबाद पुलिस ने देश भर से दबोचे 104 साइबर अपराधी, 127 करोड़ की धोखाधड़ी का खुलासा

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने ऑपरेशन ऑक्टोपस के नाम से चलाए गए 10-दिवसीय विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने देश भर में हजारों साइबर धोखाधड़ी के मामलों में शामिल 104 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इन आरोपियों से जुड़े 151 बैंक खातों का इस्तेमाल निवेश, ट्रेडिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसे घोटालों में किया गया था, जिनमें पीड़ितों ने लगभग 127 करोड़ गंवाए हैं।

पुलिस द्वारा की गई इस व्यापक कार्रवाई में 32 विशेष टीमें शामिल थीं, जिनका नेतृत्व निरीक्षक स्तर के अधिकारियों ने किया। जांचकर्ताओं ने छापेमारी से पहले अवैध धन के प्रवाह को ट्रैक करने के लिए डिजिटल फोरेंसिक और बैंक ट्रांजैक्शन एनालिसिस टूल का उपयोग किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों में 86 म्यूल खाताधारक (जिन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग के लिए अपने खातों का उपयोग करने दिया), 17 खाता आपूर्तिकर्ता और बंधन बैंक का एक रिलेशनशिप मैनेजर शामिल है, जिस पर धोखाधड़ी वाले खाते खोलने की सुविधा देने का आरोप है।

यह छापेमारी महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और ओडिशा सहित 16 राज्यों में की गई। इस दौरान पुलिस ने 36 लाख नकद, 204 मोबाइल फोन, 141 सिम कार्ड, 152 बैंक पासबुक, 234 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, 26 लैपटॉप और 56 स्टैम्प जब्त किए हैं। पुलिस का कहना है कि ये आरोपी देशभर में दर्ज कम से कम 1,055 साइबर अपराध के मामलों से जुड़े हुए थे।

पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे निवेश के लुभावने प्रस्तावों, अवास्तविक रिटर्न का वादा करने वाले ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर पैसे मांगने वाले कॉलर्स से सतर्क रहें। साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

पुलिस ने संकेत दिए हैं कि नई लीड मिलने के साथ ही आने वाले दिनों में और भी छापेमारी की योजना बनाई गई है।

सेवा का अवसर भी और आत्म संतुष्टि भी: सुशील गुप्ता

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा और समर्पण का भाव निरंतर देखने को मिल रहा है।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुशील गुप्ता ने कहा कि यहां सेवा करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन वितरित करते समय मन को जो शांति और आत्म संतुष्टि मिलती है, वही इस कार्य की सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने बताया कि उनकी माताजी भी इस सेवा कार्य से अत्यंत प्रसन्न हैं और उन्हें भी समाजसेवा से आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश अग्रवाल, भगतराम गोयल, गौरव गोयल, कैलाशचंद केडिया तथा ई-जगन (चंपापेट) सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 21^0
न्यूनतम : 21^0

विधायक तलसानी बेगमपेट में इफ्तार में हुए शामिल

हैदराबाद, 24 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो): पूर्व मंत्री और सनतनगर के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा है कि रमजान का पवित्र महीना सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे का अनूठा प्रतीक है। मंगलवार शाम बेगमपेट के पाटीगड्डा में बीआरएस नेता नानी के नेतृत्व में मुस्लिम भाइयों के लिए आयोजित एक भव्य इफ्तार दावत में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शाम की विशेष प्रार्थना (मगरिब की अज़ान) के बाद विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने स्वयं अपने हाथों से मुस्लिम भाइयों को फल खिलाकर उनका रोजा खुलवाया। इस अवसर पर उन्होंने पूरे मुस्लिम समुदाय को रमजान की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय लोगों और रोजेदारों ने शिरकत की, जिससे वहां का माहौल पूरी तरह भक्तिमय और सौहार्दपूर्ण नजर आया।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि रमजान के दौरान मुस्लिम भाई-बहन पूरे एक महीने तक अत्यंत कठिन उपवास रखते हैं और पूरी श्रद्धा के साथ इबादत करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर हर साल इफ्तार दावत का आयोजन करना एक सुखद परंपरा बन गई है, जो समाज में एकता का संदेश देती है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC 736815Y Nb/Sub BOCHU BALAIAH of 72 Inf DoU, C/o.56 APO hereby declare that my daughter name is to be changed from B MAUNAMRUTA to BOCHU MOUNAMRUTHA.

CHANGE OF NAME & DOB
I, B SWAPNA Spouse of Service No.JC 736815Y Nb/Sub Bochu Balaiah, R/o.5-5/2/73, Ground floor, Telephone Colony, VTC & PO:Boduppal, Dist:Medchal Malkajgiri, Telangana-500092 have changed my name from B SWAPNA to BOCHU SWAPNA vide affidavit dt:24-02-2026 before M B Santosh Kumar, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-785023H, Rank-Nb Sub, Name-Purushottam Kumar R/o Vill-Husena Raghav, PO-Balukaram, Teh-Hajipur, District-Vaishali, PIN-844113, State-Bihar, I have changed my Father Name from ARJUN KUMAR MISHRA to ARJUN MISHRA and also date of birth changed from 22/10/1962 to 01/01/1957 add in my service documents vide affidavit date 24 Feb 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.